हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com धनबाद, रविवार, 06 जुलाई, 2025 वर्ष : 34 अंक : 101, मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

अमरनाथ यात्रा रूट पर हादसा

जम्मू(ईएमएस)। रामबन जिले में शनिवार को पांच बसों के आपस में टकरा जाने से करीब 36 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल हो गए। ये बसें जम्मू भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम आधार शिविर की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास सुबह करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि टक्कर काफिले की एक बस के ब्रेक फेल हो जाने के कारण हुई। रामबन के उपायुक्त मोहम्मद अलयास खान ने कहा कि पहलगाम काफिले का अंतिम वाहन नियंत्रण खो बैठा और चंद्रकोट लंगर स्थल पर फंसे वाहनों से टकरा गया, जिससे चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

विशाल मेगा मार्ट में आग, 2 की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के करोल बाग इलाके में बनी बिल्डिंग में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई। आग शुक्रवार को लगी थी। दिल्ली फायर ब्रिगेड के मुताबिक आग बुझाने के लिए 13 दमकल गाडियां मौके पर पहुंचीं। जब कर्मचारी अंदर पहुंचे तो उन्हें कुमार धीरेंद्र प्रताप सिंह (25) लिफ्ट में फंसे मिले। अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बयान में कहा गया है कि पदम सिंह रोड पर बनी चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल से शाम करीब 6.44 बजे आग लगने की सूचना मिली। यह विशाल मेगा मार्ट आउटलेट है, जहां किराने और कपड़े के सामान बेचे जाते हैं। आग मुख्य रूप से दूसरी मंजिल तक ही सीमित थी।

रामगढ़ में अवैध कोयला खदान धंसने से 4 की मौत, कई अन्य के फंसे होने की आशंका

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार व्यक्ति की मौत हो गई और कुछ अन्य लोगों के वहां फंसे होने की आशंका है। पुलिस के अनुसार कर्मा इलाके में शनिवार सुबह छह बजे यह हादसा हुआ। ग्रामीणों के अनुसार चाल धंसने से चार लोगों की मौत हुई है, हालांकि पुलिस की ओर से अब तक एक शव बरामद होने की बात कही गयी है। फिलहाल बचाव अभियान जारी है। खदान में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

चार में से दो घायलों की स्थिति गंभीर

मिली जानकारी के अनुसार कर्म प्रोजेक्ट क्षेत्र में सीसीएल की ओर से कोयला उत्खनन का कार्य किया जा रहा था। आज सुबह ग्रामीण भी कोयला निकालने पहुंचे थे, जहां अचानक चाल धंसने से चार मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घायलों में दो ही हालत गंभीर बताई जा रही है। इनमें से एक महिला का कमर टूट गया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कर्म प्रोजेक्ट कार्यालय के गेट के निकट सभी शवों को रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सीसीएल प्रबंधन से मुआवजा देने की मांग की है।

नियमों की अनदेखी कर अवैध खनन

राजू महतो और अंजुम अंसारी समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि माइनिंग एक्ट के तहत सीसीएल की ओर से जहां भी उत्खनन का काम किया जाएगा, उसके चारों ओर बैरिकेटिंग और फेंसिंग की जाएगी, ताकि उसे इलाके में अवैध खनन न हो सके। ऐसी स्थिति में मौके पर सुरक्षा के तमाम मानकों को दरकिनार कर सीसीएल की ओर से उत्खनन किया जा रहा था। इतना ही नहीं खदान के पास सुरक्षाकर्मियों की भी तैनाती नहीं की गई थी, जिसके कारण ग्रामीण अपनी दैनिक दिनचर्या के लिए कोयला चुनने गए थे और एक बड़ा हादसा हो गया।

बीजापुर में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया

शव और हथियार बरामद, रुक-रुककर हो रही गोलीबारी, जवानों ने बड़े नक्सल कैंडर्स को घेरा

जगदलपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया है। जवानों ने शनिवार को सुबह मारे गए नक्सली का शव और हथियार बरामद किया है। बताया जा रहा है कि 4 जुलाई की रात से रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। मामला नेशनल पार्क एरिया का है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ रात से ऑपरेशन जारी है। पुरुष नक्सली मारा गया है। जवानों की टीम अभी मौके पर मौजूद है। जवानों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में नक्सलियों के बड़े कैडर्स की मौजूदगी है।

बड़ी संख्या में नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। 4 जुलाई की शाम जब जवान उस इलाके में पहुंचे तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया।

कांकेर में अबूझमाड़ से 2 नक्सली गिरफ्तार

कांकेर में बीएसएफ के जवानों ने अबूझमाड़ के मीनडी गांव से 2 नक्सलियों को हथियार और आईईडी बनाने के समान के साथ पकड़ा है। इसमें एक महिला और एक पुरुष नक्सली शामिल हैं। बीएसएफ के 47 और 40 बटालियन ने गिरफ्तार किया है। नक्सलियों के पास से 4 भरमार बंदूक भी बरामद किया है।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

पीएनबी घोटाले में सीबीआई-आईडी की अपील पर एक्शन

नई दिल्ली(ईएमएस)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक और अहम आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल दीपक मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी भारत की प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की संयुक्त अपील पर अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा 4 जुलाई को की गई। इसे भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले की जांच में एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता माना जा रहा है।

नेहल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है और अब उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अमेरिका में शुरू हो चुकी है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दायर शिकायत के मुताबिक, नेहल मोदी के खिलाफ दो मुख्य आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की कार्यवाही की जा रही है। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने अपने भाई नीरव मोदी की मदद करते हुए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई को छुपाया और उसे शेल कंपनियों और विदेशी लेनदेन के जरिए इधर-उधर किया। प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में नेहल मोदी को सह-आरोपी के तौर पर नामित किया गया है, और उस पर सबूत मिटाने का भी आरोप है।

प्रत्यर्पण पर अगली सुनवाई 17 जुलाई को

नेहल मोदी के प्रत्यर्पण मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई 2025 को तय की गई है, जिसमें स्टेटस कॉन्फ्रेंस होगी। इस दौरान नेहल मोदी की ओर से जमानत याचिका भी दायर की जा सकती है, जिसका अमेरिकी अभियोजन पक्ष विरोध करेगा। यह गिरफ्तारी भारत की जांच एजेंसियों के लिए न केवल एक रणनीतिक उपलब्धि है, बल्कि इससे पीएनबी घोटाले की तह तक पहुंचने और दोषियों को कानून के शिकंजे में लाने की प्रक्रिया को भी बल मिलेगा।

भारत-अमेरिका टैरिफ डील पर राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

पीयूष गोयल चाहे अपनी छाती पीट लें, ट्रंप के आगे झुक जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने टैरिफ को लेकर अमेरिका के साथ चल रही भारत की बातचीत को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयानों को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बने गतिरोध के बीच तय समय सीमा के आगे झुक जाएंगे। बता दें कि टैरिफ टाइमलाइन की मियांद 9 जुलाई को खत्म हो रही है।

बता दें कि अमेरिका ने भारत के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की बात कही थी। इसके बाद समझौते को लेकर इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया था। वो समय सीमा अब पूरी होने वाली है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर ऐसे वक्त में बयान दिया है, जब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ तभी व्यापार समझौता करेगा जब उसके हितों की रक्षा होगी।

राहुल गांधी ने किया ट्रेड डील का दावा

पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर 9 जुलाई की समयसीमा से पहले हस्ताक्षर होने की संभावना है। वहीं राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि पीयूष गोयल अपनी छाती पीट लें। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, मोदी ट्रंप की टैरिफ समयसीमा के आगे झुक जाएंगे।

पुंछ में आतंकी ठिकाना ध्वस्त

पुंछ(ईएमएस)। पुंछ में सुरनकोट तहसील के बैहराम गल्ला के डैर क्षेत्र में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियार और सामान बरामद हुए हैं। सुरक्षाबलों ने बताया कि इस ठिकाने से तीन हैंडग्रेनेड, गोलियां, चार्ज लीड, सरिया राड, वायर कटर, चाकू, पैंसिल सैल, लाइटर सहित कई अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह तलाशी अभियान इलाके में सुरक्षा हालात की समीक्षा और आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के तहत चलाया गया था। सुरक्षा बलों की सतर्कता और कड़ी मेहनत के चलते यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है।

134वें डूरंड कप की ट्रॉफी का राष्ट्रपति ने किया अनावरण, बोलीं

फुटबॉल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है

कोलकाता/नई दिल्ली : विरासत और राष्ट्रीय गौरव से भरे इस ऐतिहासिक क्षण में, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) से 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप, एशिया का सबसे पुराना और भारत का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट, औपचारिक रूप से प्रारंभ करते हुए तीन प्रतिष्ठित डूरंड कप ट्रॉफियों को रवाना किया।

यह लगातार दूसरा वर्ष है जब माननीय राष्ट्रपति ने यह प्रतीकात्मक कार्य किया है, जो डूरंड कप की खेल, सेवा और राष्ट्रभक्ति के संगम के रूप में स्थायी महत्व की पुष्टि करता है। यह समारोह स्वतंत्रता के बाद की उस गौरवशाली परंपरा को भी जारी रखता है, जिसमें देश के सर्वोच्च सेनापति की डूरंड कप से सीधी भागीदारी रही है। आरबीसीसी में आयोजित इस समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह, और ईस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ तथा डूरंड कप आयोजन समिति (डीसीओसी) के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर संदेश झिंगन भी मौजूद थे।

इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, डूरंड कप भारत की फुटबॉल विरासत और सशस्त्र बलों की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल करोड़ों लोगों के दिलों में खास जगह रखता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। फुटबॉल रणनीति, सहनशक्ति और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। डूरंड कप जैसे आयोजन खेल की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ अगली पीढ़ी के फुटबॉल खिलाड़ियों को विकसित करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने डूरंड कप की भावना को जीवित रखने और उसे प्रोत्साहित करने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।

डूरंड कप हमारे सर्वोच्च परंपराओं का प्रतीक-सीडीएस

मुख्य रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा, डूरंड कप हमारे सशस्त्र बलों और देश की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतीक है – साहस, अनुशासन और एकता की विरासत। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता के एक और अध्याय की शुरुआत पर हमें भारत की राष्ट्रपति की उपस्थिति का गौरव प्राप्त हुआ है। यह आयोजन खेल, सेवा और भारतीय भावना के अटूट संबंध को फिर से स्थापित करता है।'

भारत की एकता में विविधता का उत्सव-आरसी तिवारी

ईस्टर्न कमांड के जीओसी-इन-सी और डीसीओसी के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी ने युवा फुटबॉल प्रतिभाओं के लिए डूरंड कप के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, सशस्त्र बलों की ओर से भारतीय सेना द्वारा आयोजित डूरंड कप एक फुटबॉल टूर्नामेंट से कहीं अधिक है। यह भारत की एकता में विविधता का उत्सव है, प्रतिस्पर्धा के माध्यम से चरित्र निर्माण का विश्वास है और अनुशासन, टीमवर्क और आत्मबल जैसे समय-सिद्ध मूल्यों के जरिए अगली पीढ़ी को तैयार करने का दायित्व है।

मनरेगा में पंजीकरण 5.2 फीसदी बढ़ा, काम करने वालों की संख्या 9.7 फीसदी घटी

रांची(ईएमएस)।लिबटेक इंडिया की ओर से शनिवार को एचआरडीसी सभागार में मनरेगा पर वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के विश्लेषण की रिपोर्ट जारी की गई। संस्था ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के मनरेगा के आंकड़ों का विश्लेषण में यह पाया कि वित्तीय वर्ष 2023-2024 की तुलना में 2024-25 में मनरेगा में पंजीकरण करने वाले परिवारों की संख्या बढ़ी है। पर उन्हें दिया जाने वाला रोजगार घटा है। रिपोर्ट के अनुसार मनरेगा पोर्टल के आंकड़ों के विश्लेषण में यह पाया गया कि मनरेगा में काम करनेवाले श्रमिकों की संख्या वित्तीय वर्ष 2023-24 में 25.6 लाख थी, जो घटकर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 23.1 लाख पर पहुंच गई।इस तरह मनरेगा में काम करने वालों की संख्या में 9.7 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2023-24 में मनरेगा में 21.8 लाख परिवारों ने काम किया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 20.2 लाख पर पहुंच गया। वहीं, पंजीकृत परिवारों की संख्या में 5.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 69.6 फीसदी की तुलना में यह 2024-25 में बढ़कर 73.2 फीसदी हो गया। कार्यक्रम में नरेगा वाच के राज्य संयोजक जेम्स हेरेंज के अलावा भोजन का अधिकार के सदस्य बलराम, अशर्फी समेत कई अन्य उपस्थित थे। जेम्स हेरेंज मौके पर नरेगा वाच के राज्य संयोजक जेम्स हेरेंज ने कहा कि मनरेगा के प्रति मजदूरों का भरोसा कम हो रहा है। इसकी कई वजहें हैं। जिसमें समय पर भुगतान नहीं होना, भुगतान में देरी, गड़बड़ियों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होना आदि शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि पांच साल पहले की तुलना में अब मनरेगा से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती है। इसके अलावा जेसीबी से कार्य किए जा रहे हैं। कागजों पर श्रमिक काम कर रहे हैं और मजदूरी दर बाजार दर से कम है। इसके अलावा डिमांड अप्लीकेशन जमा करने के लिए उचित व्यवस्था नहीं होने को भी बड़ा कारण बताया। मानव-दिवस सृजन में अधिक गिरावट रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि झारखंड में मनरेगा के तहत पंजीकरण बढ़ने के बावजूद मानव-दिवसों में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति है।क्योंकि यह राष्ट्रीय स्तर पर हुई 6.9 प्रतिशत की गिरावट से भी अधिक है। यह साफ संकेत देता है कि पंजीकरण बढ़ने के बावजूद लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। बताया कि राज्य के 24 में से 20 जिलों में मानव-दिवस में गिरावट दर्ज की गई। इसमें सबसे अधिक मानव-दिवस में गिरावट वाले जिलों में साहेबगंज (27%), जामताड़ा (22.9%), रामगढ़ (18.6%) और लोहरदगा (18.5%) शामिल है। 100 दिन काम पाने वालों की संख्या में भारी गिरावट इसके अलावा राज्य में 100 दिन काम पूरा करने वाले परिवारों की संख्या में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जबकि, राष्ट्रीय स्तर पर यह गिरावट 9.3% रही। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 82 हजार परिवारों ने 100 दिन का रोजगार पूरा किया, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के एक लाख परिवारों की तुलना में कम है। झारखंड के जिलों में असमानता चार जिलों में से गढ़वा जिले में सबसे ज्यादा 2.7% मानव-दिवस की वृद्धि 2024-25 में हुई है। जबकि, चार आदिवासी बहुल जिलों खूंटी, सिमडेगा, गुमला, और पश्चिमी सिंहभूम में नकारात्मक रुझान दिखा। इन जिलों में मानव-दिवस में क्रमशः 8.8%, 11.6%, 10.7%, और 5.8% की गिरावट हुई है। यह भी कहा गया कि राज्य में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति दोनों की मनरेगा में भागीदारी, उनकी जनसंख्या हिस्सेदारी की तुलना में कम है। 2024-2025 में इसमें थोड़ी और गिरावट दर्ज की गई है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इनकी भागीदारी अधिक है।

घोषित मजदूरी दर में वृद्धि के बाद भी प्राप्ति दर कम यही नहीं रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि राज्य में मनरेगा मजदूरों को घोषित मजदूरी से औसतन 10% कम भुगतान मिला है। 2024-25 में घोषित मजदूरी 272 रुपये थी, लेकिन औसतन मजदूरी 245 रुपये ही मजदूरों को मिली है। 245 रुपये ही मजदूरों को मिली है। इसके अलावा घोषित मजदूरी में वृद्धि के बावजूद वित्तीय 2024-25 में अकुशल मजदूरी पर खर्च 2023-24 की तुलना में 95.2 करोड़ रुपए घटा है।

गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द नहीं होने दी जाएगी : इरफान अंसारी

रांची(ईएमएस)।स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि गोड्डा स्थित होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज झारखंड की एक ऐतिहासिक और शैक्षणिक धरोहर है। इस संस्थान की मान्यता को लेकर हाल में जो भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित हैं। मैं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में स्पष्ट करता हूं कि इस कॉलेज की मान्यता किसी भी स्थिति में रद्द नहीं होने दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कॉलेज की व्यवस्था को लेकर कुछ समस्याएं थीं, जिन पर मैंने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार संभालने के तुरंत बाद ध्यान देना शुरू कर दिया था। वर्षों से उपेक्षित इस कॉलेज को पुनः सशक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।सुधार में समय लगता है, पर हम पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। इस विषय पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी बातचीत हो चुकी है। उन्होंने भी इस संस्थान को बचाए रखने और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने को लेकर अपनी स्पष्ट सहमति और समर्थन दिया है। सरकार पूरी मजबूती से इस कॉलेज के साथ खड़ी है।कॉलेज के प्राचार्य ने समय रहते मुझे इस स्थिति की जानकारी नहीं दी। साथ ही, मैं कॉलेज के छात्रों से अपील करता हूं कि वे राजनीतिक दलों के पास जाकर मामला बढ़ाने की बजाय सीधे मुझसे संपर्क करते। विशेषकर भाजपा जैसी पार्टी, जो हमेशा छात्रों के मुद्दों पर राजनीति करने की ताक में रहती है।

**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION,
ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,RANCHI
Nirupan Bhawan,3rd Floor, Room No. 401,56-Set, Doranda, Ranchi-834002**

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-15/2025-26, 2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/SID/AP/RAN/15/2025-26 Date:- 03.07.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Manpur to Bengal border via Bhojdih including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro Districtin the State of Jharkhand. *Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	08.00 K.m
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationershave to deposit a fixed amount of Rs 15,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.govin) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & eGovernance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	07.07.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	14.07.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	14.07.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	15.07.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation Division,Advance Planning RCD, Ranchi Mob-9905660677.
13	PR No.-	355141 Road (2025-26)#D

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar), Executive Engineer, Soil Investigation Division, Advance Planning, Road Construction Department,Ranchi

PR 356610 Road (25-26)#D

संक्षिप्त खबरें

मोहर्रम को लेकर राजगंज के उग्रवाद प्रभावित इलाकों में फ्लैग मार्च

राजगंज : मोहर्रम को लेकर राजगंज थाना क्षेत्र के उग्रवाद प्रभावित एवं संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शनिवार को पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कतरास इंस्पेक्टर मुकेश चौधरी ने किया। इस दौरान राजगंज थाना प्रभारी अलीशा कुमारी भी दलबल के साथ मौजूद रहीं। यह फ्लैग मार्च दलूडीह, चुंगी, राजगंज बाजार, मैरा कुल्ही, गोमदाडीह, डोमनपुर समेत कई संवेदनशील इलाकों से गुजरता हुआ संपन्न हुआ। फ्लैग मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में शांति, सद्भावना एवं सुरक्षा का संदेश देना था, ताकि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सके।

एनएच जीटी रोड पर भीषण सड़क हादसा, दो की मौत

राजगंज : राजगंज थाना क्षेत्र के एनएच जीटी रोड पर शनिवार की अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार बताया जाता है की i20 कार में सवार लोग यमाहस से चाय पीने के बाद लौट रहे थे। लौटने के क्रम में डोमनपुर के गोल्डन पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार i20 कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में कार सवार रेमंड शोरूम के मालिक विशाल कृष्णानी के पुत्र साहिल कृष्णानी एवं पंजाबी मोहल्ला जोड़ा फाटक निवासी हरदयाल सिंह के पुत्र अनमोल रतन गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को 108 एंबुलेंस से एसएनएमएमसीएच धनबाद भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

12वीं में नामांकन के लिए छात्राओं ने उपायुक्त से मिलकर अपनी बातों को रखा

गिरिडीह : आज समाहरणालय में 12वीं में नामांकन के लिए छात्राओं ने उपायुक्त से मिलकर अपनी बातों को रखा। उपायुक्त ने मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए शिक्षा विभाग को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि किसी भी परिस्थिति में बच्चियों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी। छात्राओं ने उपायुक्त के समक्ष अपनी आर्थिक स्थिति भी रखी और बताया कि अब स्कूल में नामांकन लेने से ड्रेस समेत कई अन्य व्यवस्थाएं बदल जाएंगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मौके पर ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बुलाकर बच्चियों को फॉर्म देने का निर्देश दिया। साथ ही बच्चियों के यूनिफॉर्म से संबंधित समस्या को लेकर भी सख्त हिदायत दी कि ऐसी किसी भी प्रकार दिक्कत न हो, यह सुनिश्चित करें। आगे उपायुक्त ने छात्राओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी हर परेशानी का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी छात्रा की पढ़ाई बाधित न हो।

मुहर्रम को लेकर प्रखण्ड प्रशाशन अलर्ट ड्रोन से की जा रही है निगरानी

चतरा(ईएमएस)। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देश पर थाना क्षेत्र के नावाडीह- डमौल, बरवाडीह, सिंघानी एवं नोनगांव में शनिवार को अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी उदल राम तथा थाना प्रभारी राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से गांव के विभिन्न मोहल्ले, जिससे मुहर्रम का जुलूस गुजरेगा वहां ड्रोन कैमरा से विशेष निगरानी की जा रही है। सीओ उदल राम ने बताया कि मुहर्रम का त्यौहारों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांति माहौल में सम्पन्न कराया जा सके, उसे लेकर जगह- जगह पर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि मुहर्रम के दौरान उपद्रवी तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।जबकि लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही, आगे उन्होंने कहा कि क़ानून को हाथ में न लें, किसी तरह से परेशानी हो तो तुरंत प्रखण्ड

उपायुक्त के नेतृत्व में गिरिडीह के शहरी क्षेत्रों में निकाला गया फ्लैग मार्च

गिरिडीह : मुहर्रम पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। मुहर्रम पर्व शांति, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा के साथ मनाने को लेकर आज उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव के नेतृत्व में गिरिडीह के शहरी क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, ट्रैफिक डीएसपी, थाना प्रभारी, मुफस्सिल, थाना प्रभारी, पचंबा, थाना प्रभारी, टाऊन थाना समेत अन्य संबंधित अधिकारी, पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

इस दौरान उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि मुहर्रम पर्व के मद्देनजर विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था संधारण के साथ-साथ अन्य आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। पर्व के निमित्त बेहतर समन्वय, सद्भाव, आपसी सौहार्द के साथ जिला प्रशासन व अन्य समुदाय के लोगों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। पर्व को लेकर जिला स्तर, अनुमंडल स्तर, ब्लॉक स्तर तथा थाना स्तर पर शांति समिति के सदस्यों और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठक कर लिया गया है। बैठक के माध्यम से आमजनों से आह्वान किया गया है कि पर्व की गरिमा के साथ मुहर्रम पर्व मनाएं। इसके साथ ही पर्व को लेकर सभी व्यवस्थाओं और तैयारियों को लगभग पूर्ण कर लिया गया है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और तैयार है। सुरक्षा के कड़े इंतेज़ाम किए गए हैं। रूट मार्ग का ड्रोन, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के माध्यम से निगरानी किया जाएगा। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी जिला प्रशासन नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही आवश्यक स्थलों पर बैरिकेडिंग भी किया गया है। जिला नियंत्रण कक्ष 24× 7 सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है। सभी अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारी को आपसी समन्वय के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

मौके पर पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार ने कहा कि जिलेवासियों के सामूहिक भागीदारी से पर्व में शांति व्यवस्था कायम रहेगी। विधि व्यवस्था संधारण में प्रशासन को मदद मिलेगी। शांति और भाईचारा जिले की पहचान है। मुहर्रम पर्व के मद्देनजर जिले में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की आवश्यकता है।

पर्व-त्योहार खुशियां मनाने और एक-दूसरे से प्रेम बांटने का अवसर प्रदान करता है।

भेल अधिकारियों ने एचईसी प्लांटों को देखा, अब मंत्रालय को जाएगी रिपोर्ट

रांची(ईएमएस)।भेल के हरिद्वार और हैदराबाद के अधिकारियों ने दो दिनों तक रांची में एचईसी का दौरा कर प्लांटों की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार की है। अफसरों ने एचईसी के तीनों प्लांटों की मशीनों की जानकारी ली। इसके बाद टीम ने यहां प्रतिनियुक्त भेल अधिकारियों के साथ वार्ता भी की। संसदीय समिति में भेल ने एचईसी को कार्यादेश देने की बात कही थी। इसके बाद अधिकारियों के इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में भेल ने कहा था कि वह एचईसी को कच्चे माल और कार्यादेश उपलब्ध कराएगा। एचईसी को वह अपना कार्यादेश भी देगा और दूसरी कंपनियों से भी कार्यादेश दिलाने का प्रयास करेगा।एचईसी में अभी सीएमडी से लेकर सभी निदेशक भेल के ही और प्रतिनियुक्ति पर एचईसी में है। संसदीय समिति की बैठक में एचईसी का भेल में विलय का प्रस्ताव भी लाया गया था।भेल में एचईसी का विलय की प्रक्रिया पिछले साल भी शुरू हुई थी। भेल ने इसका प्रस्ताव तैयार किया था। पिछले साल एचईसी के पास मौजूद 1200 करोड़ के कार्यादेश आर्थिक स्थिति, देनदारी, प्लांटों के जीर्णोद्धार को देखते हुए एचइसी को भेल में मर्जर करने की कवायद शुरू की गयी थी।

पूर्वी सिंहभूम में चार आरोपी को गिरफ्तार दो देसी कट्टा बरामद

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस को एक बार फिर सफलता मिली है और उन्होंने चार आरोपी को गिरफ्तार कर उनके पास से दो देसी कट्टा, दो गोली, तीन मोबाइल, एक चापड़ बरामद की है।

शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गोलमुरी नामदा बस्ती में दो पड़ोसी की आपस में झगड़ा हो गई। भीम सिंह को फसाने के लिए वीर सिंह ने सुनियोजित तरीके से चार खोखा घर के पास गिरा दिया था।

मौसीबाड़ी से अपने घर पहुंचे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व बहन सुभद्रा

बोकारो(ईएमएस)।राम मंदिर स्थित मौसी बाड़ी से बहुरा यात्रा के पूर्व शनिवार की सुबह 11 बजे भगवान जगन्नाथ की विशेष पूजा अर्चना किया गया। इसके बाद दोपहर साढ़े बारह बजे भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र व बहन सुभद्रा की प्रतिमा को झुलाते हुए उन्हें पाहण्डी विधि से सजे हुए रथ पर विराजमान कराया गया। सेक्टर वन स्थित श्री राम मंदिर मौसी बाड़ी से बहुरा यात्रा के साथ शनिवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा अपने घर सेक्टर चार स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। रथ यात्रा के माध्यम से भगवान सेक्टर वन, पत्थरकटट चौक, सेक्टर चार सिटी सेंटर अंबेडकर चौक होते हुए विभिन्न मार्गो पर भ्रमण करते हुए शाम करीब पांच बजे जगन्नाथ मंदिर पहुंचे।इस दौरान भगवान के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ श्री राम मंदिर में सुबह से ही भक्तों की उमड़ पड़ी थी। इससे पूर्व पंडितों के वेदोच्चारण के बीच भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके बाद रथ खींचनेवालों के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ में मौजूद हर सदस्य भगवान का रथ खींचने को बेताब दिखा। श्रद्धालु ढ़ोलक की थाप पर हरेकृष्ण हरे मुरारी नाम का मंत्रजाप करते हुए रथ पर सवार भगवान का गुणगान कर रहे थे। रास्ते में आने जाने वाले सभी लोग भगवान के रथ यात्रा का दर्शन किया। कई स्थानों पर भगवान के दर्शन के लिए लोगों की अपार भीड़ देखी गई। रथ यात्रा में महिला युवा व बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के काफी प्रबंध किए गये थे। सुरक्षाबलों की तैनाती के कारण लोगों को कोई भी असुविधा नहीं हुई। बीएसएल के अधिशासी निदेशक के छेरा पन्हारा के साथ शुरु हुई यात्रा शनिवार के सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे पारंपरिक विधि विधान से बीएसएल के अधिशासी निदेशक संकार्य सीआर महापात्रा ने भगवान जगन्नाथ का पूजन करने के पश्चात छेरा पन्हारा रस्म को अदा किया। जिसमें उन्होंने सोने की झाडु से रथ की सफाई की विधि को पूरा किया। इसके बाद भगवान जगन्नाथ का रथ खिंचने की शुरुआत हुई। विशेष आरती व पूजन से भगवान का हुआ स्वागत जगन्नाथ मंदिर पहुंचने के बाद पंडितों ने वेदोच्चारण के साथ भगवान की विशेष आरती उतारी और पूजन किया। जिसके बाद भगवान को मंदिर में प्रवेश नहीं होने के कारण वे रथ पर ही विराजमान रहे। इस अवसर पर शहर के विभिन्न कोने से उमडी भक्तों की भीड के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।गया। इस दौरान भगवान का प्रसाद ग्रहण करने के लिए सैंकड़ों लोग कतारबद्ध होकर खड़े रहे। 8 तक रथ पर ही विराजमान रहेगे भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के माध्यम से 5 जुलाई को सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर वापस लौटने के बाद भी भगवान जगन्नाथ अपने भैया बलराम व देवी सुभद्रा के साथ 8 जुलाई तक सजे हुए रथ पर ही विराजमान रहेंगे। मंदिर के पुजारी हिमांशु दास के अनुसार इस दौरान शुभ दिन नहीं होने के कारण भगवान जगन्नाथ रथ पर रहेंगे। इस दौरान नगर के श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ का दर्शन व पूजा अर्चना मंदिर के बाहर रखे गए रथ पर ही कर सकेंगे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, धनबाद

प्रेस विज्ञप्ति, (सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला बल के आरक्षी 959 सुरज प्रकाश डे, गृह पता ग्राम+पो0–सारम बगाली टोली, थाना–गोमियो, जिला–बोकारो, जो दिनांक 08.08.2023 से पुलिस केन्द्र, धनबाद से फिरार है, जो अभी तक अपने कर्त्तव्य पर उपस्थित नहीं हुए है।

इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, धनबाद का कार्यालय ज्ञापांक 1119/र0का0, दिनांक 07.04.2024 को उक्त आरक्षी के गृह पता पर पत्राचार किया गया, स0अ0नि0 मनोज कुमार मिश्रा धनबाद जिलाबल के द्वारा स्थानीय थाना के सहयोग से उक्त आरक्षी को सूचित करने का प्रयास किया गया, परन्तु वे घर पर उपस्थित नहीं पाये गये। फिरार आरक्षी 959 सुरज प्रकाश डे को सूचित किया जाता है कि सूचना प्रकाशन के एक सप्ताह के अंदर अपने कर्त्तव्य पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे, अन्यथा आपके विरूद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

0326–2220802 (वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, धनबाद)

वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद

PR 356625 Police(25-26)#D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद।
(आपूर्ति शाखा)

:: नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिले में NFSA एवं JSFSS योजनान्तर्गत आच्छादित निम्न राशन कार्ड लाभुकों द्वारा विगत 06 माह, 12 माह, 3 वर्ष एवं 05 वर्ष से अधिक अवधि से खाद्यान्न इत्यादि का उठाव नहीं किया जा रहा है और ना ही e-KYC किया जा रहा है, जिसकी विवरणी निम्नवत है :–

Block Wise RationCard NotLifted
District :- DHANBAD

Sl No	Block Name	RationCard NotLifted Count (6 Months) (Created 9 months before)	RationCard NotLifted Count (12 Months) (Created 15 months before)	RationCard NotLifted Count (3 Years) (Created 3 Years 3 months before)	RationCard NotLifted Count (5 Years) (Created 5 Years 3 months before)
1	Baghmara-Cum-Katras	5139	4413	2781	1531
2	Baliapur	1889	1673	1286	1028
3	Chirkunda (NP)	933	824	616	506
4	Dhanbad (M Corp.)	31121	27677	22130	15623
5	Dhanbad-Cum-Kenduadih-Cum-Jagata	852	754	568	403
6	Gobindpur	928	714	365	245
7	Nirsa-Cum-Chirkunda	5275	4629	3391	2536
8	Purbi Tundi	636	553	461	330
9	Topchanchi	1027	841	598	484
10	Tundi	1028	912	734	617
	Total	**48828**	**42990**	**32930**	**23303**

उपरोक्त लाभुकों द्वारा खाद्यान्न उठाव नहीं करने तथा e-KYC नहीं करने के कारण राज्य स्तर पर धनबाद जिले की स्थिति खराब प्रदर्शित हो रही है।

"झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2024" की कंडिका 6.(X)(ग) में उल्लेखित है कि यदि राशन कार्डधारी द्वारा लगातार छः माह से अधिक अवधि से जन वितरण प्रणाली दुकान से सरकार द्वारा प्रदत्त किसी भी प्रकार की सामग्री का उठाव नहीं किया गया हो तो जाँचोपरान्त उनके राशन कार्ड का रद्दीकरण कार्य किया जाएगा।

उक्त परिप्रेक्ष्य में धनबाद जिलान्तर्गत विगत 06 माह, 12 माह, 3 वर्ष एवं 05 वर्ष से अधिक अवधि से खाद्यान्न इत्यादि का उठाव नहीं करने वाले उक्त सभी राशन कार्डधारी नोटिस निर्गत के एक सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से संबंधित जन वितरण प्रणाली दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न का उठाव करते हुए e-KYC भी कराना सुनिश्चित करें अन्यथा यह माना जाएगा कि आपको खाद्यान्न उठाव में किसी प्रकार की रूचि नहीं है एवं आप राशन कार्ड की पात्रता नहीं रखते हैं। तदुपरांत उक्त लाभुकों का राशन कार्ड रद्द करने की कार्रवाई कर दी जाएगी।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी, धनबाद।

विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, धनबाद।

PR 356599 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 25-26 (D)

श्रद्धालुओं के उपयोग हेतु डिस्पोजेबल बेडशीट का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए : उपायुक्त

उपायुक्त ने किया बासुकीनाथ में संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण

दुमका:राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ में संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा श्रद्धालुओं के लिए बनाए जा रहे आवासन केंद्र, जेटीडीसी द्वारा बनाये जा रहे टेंट सिटी, एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाये गए अस्थायी अस्पताल का बारीकी से निरीक्षण किया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आवासन केंद्रों को हवादार एवं रौशनीयुक्त बनाया जाए, साथ ही पूरे मेला अवधि के दौरान नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।टेंट सिटी का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के उपयोग हेतु डिस्पोजेबल बेडशीट का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए, और प्रत्येक उपयोग के बाद बेडशीट बदलने की व्यवस्था हो।अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने पूरे मेला अवधि के दौरान 24x7 सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरण, दवाइयां एवं चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।रूट लाइन निरीक्षण के दौरान विद्युत विभाग को झूलते विद्युत तारों को दुरुस्त करने का सख्त निर्देश दिया गया। साथ ही पेयजल, शौचालय, एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों, इसके लिए संबंधित विभागों को त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया।इसके उपरांत उपायुक्त ने दर्शनिया टीकर एवं हंसडीहा पहुँचकर भी टेंट सिटी, आवासन केंद्र समेत अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महत्वपूर्ण स्थलों पर बैरिकेडिंग लगाने का भी निर्देश दिया।श्रावणी मेला के सफल आयोजन हेतु उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने का स्पष्ट निर्देश दिया।इस दौरान पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त सहित जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

इस्पात नगरी बोकारो में भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा-यात्रा संपन्न

बोकारो : बोकारो इस्पात नगरी में 05 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा-यात्रा (वापसी) उसी उत्साह से संपन्न हुई जिस उत्साह से रथ यात्रा निकाली गयी थी. विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाया गया और रथ पर आसीन किया गया. रथ की सफाई का कार्य छेरा-पन्हारा बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा ने किया. इस अवसर पर बोकारो महिला समिति की सदस्या एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा श्रद्धालु उपस्थित थे.नगर वासियों के सम्मिलित प्रयास से रथ यात्रा जनवृत-1 स्थित राम मंदिर परिसर से आरम्भ हुई. पूरे रास्ते नगरवासी तथा श्रद्धालु जन बारी-बारी से अपना योगदान देकर पुण्य अर्जन करते रहे. रथ यात्रा राम मंदिर से पत्थरकट्टा चौक, गांधी चौक सिटी सेंटर तथा बोकारो जनरल अस्पताल होते हुए जगन्नाथ मंदिर पहुंची. मार्ग में स्वयंसेवी संस्था महिला समिति, बोकारो के सदस्यों ने पानी और शरबत का वितरण किया जिसमें नगर के अन्य संस्थानों ने भी योगदान किया.

सिदो कान्हू मुर्मू विवि ने घोषित किया बीएड सेमेस्टर-2 और 4 परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की तिथि

दुमका:सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने बीएड सेमेस्टर-2 और सेमेस्टर-4 की परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी है। कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. जय कुमार साह द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, परीक्षा फॉर्म बिना विलंब शुल्क के 9 जुलाई से 17 जुलाई 2025 तक भरे जा सकेंगे। वहीं, 200 विलंब शुल्क के साथ 18 से 20 जुलाई और 500 विलंब शुल्क के साथ 21 से 23 जुलाई तक फॉर्म जमा किए जा सकेंगे। परीक्षा फॉर्म की हार्ड कॉपी संबंधित विभाग या महाविद्यालय में 24 और 25 जुलाई को जमा करनी होगी।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग में फैरवेल सह फ्रेशर्स कार्यक्रम का आयोजन

समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है : दीपक कुमार

दुमका: सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग में शनिवार को एक भव्य फेयरवेल सह फ्रेशर्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय में वर्ष 2016 से एमबीए पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत समारोह से हुई, जहां विभागाध्यक्ष दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने प्रबंधन के छात्रों को समय का प्रबंधन सिखने और कक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि हाल के वर्षों में विभाग में शैक्षणिक माहौल में काफी सुधार हुआ है और छात्रों के लिए सुविधाओं के विस्तार पर लगातार कार्य किया जा रहा है। पूर्व समन्वयक डॉ. राजीव केरकेट्टा ने विद्यार्थियों से कहा कि बाजार में असीम अवसर मौजूद हैं, बस जरूरत है खुद को तैयार करने की। डॉ. बिनोद मुर्मू ने नियमित कक्षाओं में उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी की सलाह दी। वहीं शिक्षक टीपू कुमार ने व्यावसायिक समझ विकसित करने पर जोर दिया। विभाग के शिक्षक अमृत होरो ने कहा कि एमबीए का पाठ्यक्रम सभी आवश्यक पहलुओं को समाहित करता है और छात्रों को अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को लौटाना हर छात्र की जिम्मेदारी है, और वह हमेशा छात्रों के साथ खड़े रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें नृत्य और गायन शामिल था। विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जूनियर छात्रों का परिचय भी कराया गया। इस अवसर पर ध्रुवज्योति को मैन ऑफ द इवेंट, जोशी टुडू को मिस फ्रेशर और अतुल गुप्ता को मिस्टर फ्रेशर घोषित किया गया। कार्यक्रम में पल्लव, दीक्षा, अनुराग, श्रेया, हितेश, सोलेमन, आलोक, जय प्रकाश, मनोज, सुशील, जोसलिन, अतुल सहित अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य मोबाइल एकेडमी व किलकारी से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन

दुमका:सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा में शनिवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशिधर मिश्रा के अध्यक्षता में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य मोबाइल एकेडमी व किलकारी से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अरमान संस्था की ओर से आए राज्य स्तरीय 3 सदस्यीय टीम के राज्य पर्यवेक्षक सुब्रत राय, एसपीएम ज्वाला प्रसाद और कार्यक्रम प्राधिकारी वरुण तिवारी ने सभी एएनएम एवं सीएसओ को बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिशु मृत्यु दर को कम करना है।इसके तहत गर्भवती महिला और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि किलकारी भारत सरकार की एक मुफ्त सेवा है। जिसमें मोबाइल के माध्यम से मां के गर्भावस्था से लेकर जन्म लेने वाले बच्चों को एक साल तक स्वास्थ्य की सलाह हर हफ्ते उसके रजिस्टर्ड मोबाइल में दी जाती है। इस प्रशिक्षण में सीएचओ और एएनएम को निर्देशित किया गया कि अनमोल में स्वयं या घर के किसी सदस्य के मोबाइल नंबर ही ऑनलाइन एंट्री करेंगे। बताया गया कि मोबाइल नंबर गलत दिया जाता है तो लाभुकों को किलकारी सेवा का लाभ नहीं मिल पाएगा, इसलिए इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मौके पर राजेश रोजवेल मुर्मू, अजितेश राय मीना किस्कू, यमुना कुमारी, नीलम सुप्रीता मुर्मू रीता हांसदा सहित अनेकों स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

संख्या : एस.जी. 664–06–टेली–2025–26 धनबाद दिनांक, दिनांक 04.07.2025 ई.निविदा सचूना सं. एस.जी. 664–06–टेली–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए DHN डिवीजन के GC अनुभाग में घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (CCK-HZD और KSHR-CBH अनुभाग में) का प्रावधान करने हेतु। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹ 4,83,62,797.97, **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 3,91,800.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 25–07–2025 (12:00 बजे)।

5. ऐसी ई:निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई.निविदा के ई.निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई.निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए ये निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0541/डीएचएन/एस&टी/टी/25–26/40

स्कूल संयोजिका और सीआरपी को दिया गया पुनश्चर्या प्रशिक्षण

दुमका:गोपीकांदर प्रखंड संसाधन केंद्र में शनिवार को स्कूल संयोजिका और सीआरपी को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत एक दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक की भूमिका बीईईओ सुरेन्द्र हेंब्रम और बीपीओ समीम परवेज़ के द्वारा निभाया गई।प्रशिक्षण में मध्याह्न भोजन तैयार करने में स्वस्थता और सुरक्षा तरीकों पर प्रशिक्षण करना, पोषण मूल्यों, स्थानीय पोषण तत्वों और पोषण वाटिका के उपयोग, स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके मेनू में विविधता लाने के तरीके से अवगत कराना, सूखे और गीले कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन के उपयोग सहित अपशिष्ट प्रबंधन तरीकों की जानकारी एवं उपयोग से अवगत कराना।

प्रखंड प्रमुख के अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित

दुमका:जामा प्रखंड सभागार में शनिवार को प्रखंड प्रमुख बसंती ज्योतिका मुर्मू के अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित हुई। जिसमें मुख्य रूप से बीडीओ डॉ विवेक किशोर ने सभी विभागों की समीक्षा करते हुए कई प्रस्ताव पारित किए। इस दौरान बीडीओ डॉ विवेक किशोर ने बताया कि चर्चा में आया है कि प्राथमिक विद्यालय घागरा एवं उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर झगराही विद्यालय बंद पाया जाता है प्रायः शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं।एमडीएम नहीं बनता है।इस बिंदु पर निर्देश दिया गया कि बीइइओ जामा जांच कर अग्रसतर कार्रवाई करेंगे। बाल विकास विभाग परियोजना में समीक्षा करते हुए आंगनवाड़ी सेविका के रिक्त पदों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया तथा आंगनबाड़ी सेविका के साथ बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया है दो सहिया का पोस्ट खाली है।थानपुर वन थानपुर टू छोटी पूर्णिया। वर्तमान में बरसात के समय कालाजार एक्टिव गांव में छिड़काव किया जा रहा है। मलेरिया मुक्त भारत के विलेज में भी छिड़काव जा रहा है।सप्ताह के दो दिन बाद छिड़काव किया जा रहा है वहीं कालाजार में एक्टिव कैस बासजोरा में मौजूद है, जहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। जीएसएलपीएस दीदी के द्वारा संचालित आटा मिल ,मुड़ी मिल दीदी ढाबा दीदी की दुकान का समीक्षा किया गया| बताया गया है कि 12 दीदी का ढाबा संचालित है। नयाडीह में वनधन विकास केंद्र का संचालन किया जा रहा जबकि विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि भारी वर्षा कारण जो बिजली का तार गिर गया है उसे अविलंब युद्धस्तर पर ठीक किया जाएं। वही कृषि विभाग द्वारा बताया गया कि 195 किलो हाइब्रिड धान का वितरण शत-प्रतिशत हो गया है।बीज का आवंटन अरहर 80 किलो हो गया है मुंगफली 150 किलो हुआ है। इस मौके पर उप प्रमुख पूनम देवी, पंचायती राज पदाधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, प्रभारी कल्याण पदाधिकारी मानव कुमार, बीपीएम अनूप कुमार सहित सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

दुमका में निकली महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की बाहुड़ा यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

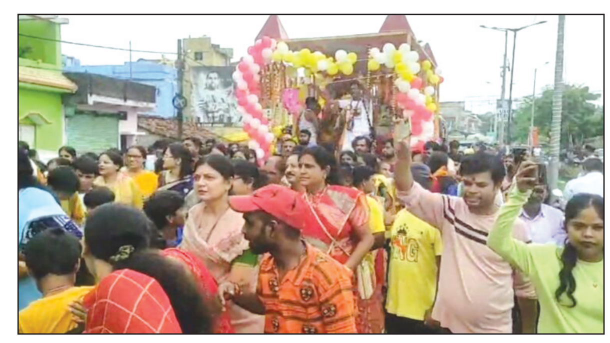

दुमकाः शहर में इस्कॉन के द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्री जगन्नाथ महाप्रभु रथयात्रा महोत्सव शनिवार को बाहुड़ा यात्रा/वापसी रथयात्रा के भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ। बाहुड़ा यात्रा स्थानीय डॉ.राजेन्द्र प्रसाद स्मारक स्थल से निकाली गई थी। इस स्थल को इस्कॉन ने रथयात्रा महोत्सव को लेकर मौसीबाड़ी गुंडिचा का नाम दिया था। महोत्सव के दौरान मौसीबाड़ी में आठों दिन लोग महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की भक्ति में लीन रहे। शनिवार को शहर में निकली बाहुड़ा यात्रा में लोगों की भीड़ देखने लायक थी। बाहुड़ा यात्रा का समापन गिलान पाड़ा मोहल्ला स्थित श्री राधा माधव मंदिर पहुंचकर हुआ। 27 जून को इसी मंदिर से रथयात्रा निकाली गई थी, जो नियमानुसार पुनः महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ रथ पर सवार होकर मंदिर पहुंचे। गौरतलब हैं कि दुमका में इस्कॉन का यह पहला रथयात्रा महोत्सव था। पुरी की तरह यहां भी महोत्सव में स्थानीय श्रद्धालु लगातार नौ दिन तक भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में डूबे रहे। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन इस्कॉन प्रचार केन्द्र दुमका के प्रभारी स्वामी सत्यबाक गुरुदास जी के नेतृत्व में हुआ था। स्वामी सत्यबाक इस्कॉन मंदिर पाकुड़ के अध्यक्ष भी है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अपने सहयोगियों के साथ समस्त दुमकावासियों का आभार प्रकट किया है। गौरतलब हैं कि रथयात्रा महोत्सव के दौरान मौसीबाड़ी में हजारों लोगों को महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी का प्रसाद ग्रहण करते देखा गया।

शादी समारोह से भोज खाकर लौट रहे व्यक्ति को हाईवा ने कुचला, घटनास्थल पर ही हुई मौत

दुमका:शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे रामगढ़-हंसडीहा मुख्य मार्ग पर बगबिंधा गांव के पास सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बगबिंधा निवासी चुन्नीलाल मंडल के रूप में हुई है। मृतक मूल रूप से रामगढ़ थाना क्षेत्र के भालसुमर गांव का रहने वाला था। लेकिन पिछले कई वर्षों से वह अपने परिवार के साथ बगबिन्धा गांव में ही घर बना कर रह रहा था।जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात के लगभग 11 बजे वह पड़ोस के गांव सुहोदुहो में आयोजित विवाह समारोह से भोज खाकर घर लौट रहा था। घर लौटने के क्रम में ठीक उसके घर के पास हंसडीहा की तरफ से तेज गति से आ रहे हाईवा ने उसे कुचल दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही तत्काल मौत हो गई। अंधेरे में सुनसान सड़क का फायदा उठाकर हाईवा का चालक हाईवा को तेजी से रामगढ़ की ओर भगा ले गया। घटनास्थल पर जुटे आस-पास के लोगों ने रामगढ़ थाने के पुलिस अधिकारियों को दुर्घटना की सूचना दी। साथ ही मृतक के परिजनों को मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर हंसडीहा - रामगढ मुख्य सड़क को जाम कर दिया। थाना प्रभारी मनीष कुमार एवं अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार महतो द्वारा समझाने-बुझाने के बाद भी ग्रामीण जाम समाप्त करने पर तैयार नहीं हो रहे थे। अंततः थाना प्रभारी द्वारा मृतक के परिजनों को 10,000 रुपये तत्काल उपलब्ध कराने तथा मृतका की पत्नी के नाम से अंबेडकर आवास की स्वीकृति के लिए प्रशासन से अनुशंसा किए जाने एवं मृतक के आश्रितों को हिट एंड रन केस के तहत मुआवजा दिलवाने के आश्वासन के बाद सड़क जाम सुबह 4:00 बजे समाप्त हुआ। जाम हटाने के बाद भी सड़क को पूरी तरह से क्लियर होने में लगभग चार घंटे लग गए। जाम के कारण हंसडीहा के पास रामगढ़ मोड़ से लेकर कडबिंधा तक हजारों ट्रक एवं हाईवा सारी रात सड़क पर खड़े थे।

बाँसजोड़ा निवासी युवक की बगोदर में सड़क दुर्घटना, पहचान आधार कार्ड से हुई, परिजनों से संपर्क की अपील

लोयाबाद।लोयाबाद के बाँसजोड़ा निवासी युवक की बगोदर में सड़क दुर्घटना, पहचान आधार कार्ड से हुई,परिजनों से संपर्क की अपील।बताया जाता है कि बगोदर प्रखंड के औरा मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार युवक गाय को बचाने के प्रयास में असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में गाय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान उसके पास से मिले आधार कार्ड के आधार पर धर्मेंद्र दुसाध, पुत्र - सुदर्शन दुसाध, ग्राम - गोपाल गडेडिया, गड़िया,बाँसजोड़ा, थाना - लोयाबाद, जिला - धनबाद के रूप में की गई है। धर्मेंद्र को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल रजा नर्सिंग होम, घंघरी (बगोदर) में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

उत्कृष्ट ज्ञान अर्जित करना जीवन का असली कीमती धन एवं ज्ञान दान कर व्यक्ति को ज्ञानवान बनाना जीवन का असली दान : उपायुक्त

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को उपायुक्त ने किया सम्मानित

दुमका:डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के विद्यालय परिवार द्वारा शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा के करकमलों से सम्मानित कराया गया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय आगमन पर उपायुक्त महोदय को विद्यालय परिवार के तरफ से छात्र छात्राओं द्वारा लोटा पानी से पारम्परिक तरीके से स्वागत एवं स्काउट गाइड के जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स द्वारा उपायुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त, दुमका अभिजीत सिन्हा, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम, सम्मानित अतिथि जैक सदस्य अजय कुमार गुप्ता एवं पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की। मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित करने के बाद उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जीवन मे उत्कृष्ट ज्ञान अर्जित करना जीवन का असली कीमती धन एवं ज्ञानवान व्यक्ति द्वारा जरूरत मंद व्यक्तियों को ज्ञान प्रदान कर ज्ञानवान बनाना जीवन का असली दान है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने मेधावी छात्र छात्राओं को आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन मे आगे बढ़ने के लिए अपार संभावनाएं एवं अनेक रास्ते हैं, जरूरत है उचित रास्ते का चयन कर उस रास्ते पर अनुशासित तरीके से ईमानदारी पूर्वक बढ़ना। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अभी रुकना नही है बल्कि और भी ज्यादा उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है।उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि मन में लगन एवं जज्बा हो तो कठिन रास्ते को भी हम आसानी से पार कर लेते हैं। कहा कि जीवन मे सफल होने के लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी पूर्वक उस लक्ष्य भेदना पड़ता है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन में आपके कठिन परिश्रम के अलावा आपके शिक्षकों का उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति, उनका परिश्रम एवं माता पिता का आशीर्वाद तथा त्याग भी जुड़ा है। कहा कि जो जीवन मे अपने गुरुओं के आदर्शों एवं माता पिता के क्षत्र छाया में आगे बढ़ता है वह जीवन मे सफलता के अंतिम पायदान तक पहुँचता है।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरु यानि शिक्षकों की महिमा प्राचीन काल से ही सर्वव्यापक एवं सर्वविदित है। शिक्षक समाज के लिए आदर्श हैं। शिक्षण कार्य एक रोजगार नही बल्कि एक आराधना है। अगर कोई अज्ञानी आपके ज्ञान दान से ज्ञानवान बनता है तो आपको अपार खुशी मिलती होगी।श्री सिन्हा ने कहा कि दुमका जिला में शैक्षणिक माहौल उत्कृष्ट हो यही मेरी प्राथमिकता होगी। विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम ने मेधावी छात्र छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन मे सिर्फ इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की पढ़ाई कर के ही जीवन को सफल नही बनाया जा सकता है, बल्कि उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने एवं जीवन को तरक्की के ओर ले जाने के लिए और भी कई रास्ते एवं शैक्षणिक कोर्स हैं। डीएसई श्री आशीष कुमार ने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रुकना नही है बल्कि और भी कड़ा परिश्रम कर सफलता के उच्च पायदान पर पहुँचना है। डीएसई श्री आशीष कुमार ने कहा कि छात्रों को सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहना है, बल्कि ज्ञान के अन्य साधनों को भी आत्मसात करना चाहिए।सम्मानित अतिथि जैक सदस्य एवं पूर्व प्राचार्य डॉ अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से छात्रों का जीवन सवर सकता है। डॉ गुप्ता ने कहा कि शिष्य जब जीवन मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है तो गुरु को अपार खुशी मिलती है। सम्मानित अतिथि डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि जीवन मे कही भी रहो लेकिन ईमानदारी एवं अनुशासन को अपना अस्त्र बनाकर रखो। प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने सभी अतिथियों को विद्यालय में स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी अभिभावकों के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों के कठिन परिश्रम से यह सुखद परिणाम प्राप्त हुआ है। श्री राजहंस ने कहा कि मेरी प्राथमिकता होगी कि विद्यालय में शैक्षणिक माहौल और उत्कृष्ट हो जिससे विद्यालय का परीक्षा परिणाम दिनों दिन बेहतर होता रहे। मंच संचालन पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा ने किया। प्रतिभा सम्मान समारोह में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक प्रमोद कुमार, पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा, पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, परीक्षा प्रभारी निवास रजक, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, राजीव कुमार गुप्ता, स्नेहलता मरांडी, रूपेश कुमार झा, संजय कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार,रामप्रसाद यादव, पार्थ प्रतिम कुंडु, लखी टुडू, अर्चना कुमारी, विद्यासुन्दर नन्दी, प्रकाश कुमार घोष, सुशीला किस्कू,तरन्नुम परवीन, अनन्या बनर्जी, शिवराम सिमोन टुडू, दिलीप कुमार, राजेश कुमार साह, अंजू एलीना किस्कू, पवन कुमार, अशोक कुमार,आरिफ इकबाल,हीरा लाल बेसरा,माधवी लता, प्रिया हेम्ब्रम, रिशू अस्मिता आनन्द के अलावे विद्यालय के सभी सदस्यों ने मेधावी छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

न्यायालयों में लंबित वादों में प्रति शपथ पत्र दायर करने के लिए योग्य अधिकारियों का एक पैनल होगा तैयार

पैनल के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में त्वरित गति से प्रतिशपथ पत्र तैयार कर न्यायालय में किया जाएगा दाखिल

मधुबनी, (ईएमएस)। बिहार के मधुबनी जिला के विभिन्न कार्यालयों में न्यायालय से संबंधित 353 मामले लंबित हैं। इनमें सीडब्लूजेसी के कुल 308 मामले एमजेसी के 31 एवं एलपीए के 14 मामला लंबित है। एमजेसी के सबसे अधिक10 मामले जिला शिक्षा कार्यालय के स्टार पर लंबित है। डीएम आंनद शर्मा ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को एमजेसी लंबित मामलों नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उच्च न्यायालय में कारण पृक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। न्यायालय संबंधित वादों की समीक्षा करते डीएम ने कहा कि क्लजीसी के सबसे अधिक 22 मामले जिला शिक्षा कार्यालय के स्तर पर,10 मामले जिला भूअर्जन कार्यालय के स्तर पर प्रति शपथ पत्र दायर किए जाने के लिए लंबित है। डीएम ने कहा है कि यह अत्यंत ही चिंताजनक स्थिति है। सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अविलंब नियमानुसार तथ्य विवरणी तैयार कर आवश्यकता के अनुसार उसे अनुमोदित कराते हुए उच्च न्यायालय में प्रति शपथ दायर कराना सुनिश्चित करेंगें। डीएम ने जिला विधि शाखा के प्रभारी पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सोमवारी बैठक से पूर्व शुक्रवार को ही लंबित वादों की सूची सभी पदाधिकारी को व्हाट्सएप ग्रुप एवं निजी व्हाट्सएप पर शेयर कर देंगे ताकि यदि जिला विधि शाखा मधुबनी द्वारा शेयर किए गए लंबित वादों की संख्या में किसी प्रकार की भिन्नता हो तो उसे प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा से समन्वय स्थापित कर उसे सही कर लेंगे। प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा से प्राप्त प्रतिवेदन को ही अंतिम माना जाएगा। डीएम आनंद शर्मा ने न्यायालय वाद से संबंधित सभी विभागों के संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि लंबित सूची की एक बार पुनः जांच कर विशेष अभियान चलाकर एमजेसी के मामलों में एक सप्ताह के अंदर कारण पृक्षा एवं सीडब्लूजेसी के मामलों में 15 दिनों के अंदर प्रति शपथ पत्र दायर कर जिला विधि शाखा को सूचित करना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि अंचल स्तर पर लंबित वादों का अनुसरण प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा, प्रखंड स्तर पर लंबित वादों का अनुसरण जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला विकास शाखा एवं अनुमंडल तथा जिला स्तर पर लंबित वादों का अनुसरण प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा करेंगे। ये यह भी सुनिश्चित करेंगे की शीघ्र सभी लंबित वादों में एसओएफ तैयार हो जाए तथा आवश्यकता के अनुसार संबंधित पदाधिकारी से अनुमोदित कराकर न्यायालय में प्रति शपथ पत्र दायर करने की कार्रवाई की जा सके। कार्य प्रमंडल स्तर पर लंबित मामलों के संबंध में प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा को निर्देश दिया गया है कि वह समन्वय स्थापित कर शीघ्र न्यायालय में प्रतिशत पत्र दायर करना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने जिला विधि शाखा के प्रभारी पदाधिकारी को यह निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय में शपथ पत्र दायर करने के लिए जिला स्तर पर पदाधिकारी का रोस्टर निर्धारित करें। जो प्रतिवेदित सप्ताह में जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तर के सभी अनुमोदित तथ्य विवरणी को एक साथ एकत्र कर प्रति शपथ पत्र दाखिल करेंगे। क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रति शपत पत्र दाखिल करने के लिए प्राधिकृत नहीं किए जाएंगे। यह भी निर्देश दिया गया है कि प्रति शपथ पत्र तैयार करने के लिए योग्य पदाधिकारी की एक पैनल तैयार की जाएगी जिनके माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में त्वरित गति से प्रति शपथ पत्र तैयार करवाया जा सके। डीएम ने स्पष्ट कहा है कि यदि निर्धारित समय पर प्रति शपथ पत्र दाखिल नहीं होने के कारण डीएम को व्यक्तित्व रूप से उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने की नौबत आती है तो संबंधित प्रधान लिपिक, प्रभारी पदाधिकारी के विरुद्ध प्रपत्र क में आरोप पत्र गठित कर बिना किसी स्पष्टीकरण (इसी निर्देश को स्पष्टीकरण मानकर) विभागीय कार्रवाई प्रारंभ कर दी जाएगी।

संविधान के मुल्यो, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सरकार का हमला बर्दाश्त नहीं : दिलीप झा

9 जुलाई आम हड़ताल को सफल बनाएंगे महागठबंधन

मधुबनी, (ईएमएस)। बिहार राज्य किसान सभा, बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन, कामगार यूनियन, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ,जनवादी महिला समिति, नौजवान सभा,भारत का छात्र फेडरेशन, पेंशनर्स एसोसिएशन, बिहार राज्य ओटों चालक संघ, बिहार जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ सीटू की बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक सीटू कार्यालय मधुबनी में हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य किसान सभा के जिला अध्यक्ष रामजी यादव ने किया. बैठक में सभी जनसंगठन के जिला सचिव, अध्यक्ष मौजूद थे। बैठक में सीटू प्रभारी दिलीप झा, बिहार राज्य किसान सभा के जिला सचिव सत्यनारायण यादव, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के गणपति झा,रमन प्रसाद , बिहार राज्य जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के चंदन कुमार,बिहार प्रांतिय खेतिहर मजदूर यूनियन के जिला सचिव शशिभूषण प्रसाद, पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला सचिव दयानंद झा , श्याम सुंदर सिंह, कामगार यूनियन के जिला सचिव उमेश कुमार राय, एडवा रीना देवी, नौजवान सभा शशिशेखर सहलैता, दलित मुक्ति मोर्चा के संजोजक विजय पासवान, ओटो मोटर्स यूनियन के इन्दु यादव, मनोज महतो, भारत के छात्र फेडरेशन के प्रभात कुमार, अनीष कुमार बैठक में शामिल हुए। सीटू प्रभारी दिलीप झा ने आगामी 9 जुलाई को केंद्रीय ट्रेड यूनियन के द्वारा ऐतिहासिक आम हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह आम हड़ताल मजदूरों की है और 9 जुलाई को सम्पूर्ण देश में किसान मजदूर कर्मचारियों का मोदी सरकार के नीतियों के खिलाफ बड़ी गोलबंदी होगी। मतदाता पुनरीक्षण कार्य को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि संघ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को दी गई मंजूरी का विरोध करता है। जिसका उद्देश्य बड़े कारपोरेट घरानों को पैसा हस्तांतरित करना है, ईएलआई योजना युवाओं को गुमराह करने के लिए है, कारपोरेट वर्ग को सब्सिडी देने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन आदि जैसी सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार करके न्युनतम मजदुरी नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के साथ सभ्य रोजगार सरकार सुनिश्चित करें। वक्ताओं ने असंगठित क्षेत्र के कामगारों और कृषि क्षेत्र के कामगारों सहित सभी श्रेणियों के कामगारों को न्यूनतम पेंशन 9 हजार प्रतिमाह और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग किया।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार में 5 हजार युवाओं को नौकरी देगी कांग्रेस, 19 जुलाई को रोजगार मेला

पटना,(ईएमएस)। बिहार में 19 जुलाई को रोजगार मेला का आयोजन होना है। यह जॉब फेयर 19 जुलाई को ज्ञान भवन में लगेगा। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक जारी किया गया है, जिसमें युवा अपना पूरा डिटेल भर सकते हैं। इस जॉब फेयर में 5000 युवाओं को नौकरी मिलगी। 200 कंपनी ज्ञान भवन में जुटेगी। युवाओं के लिए एक मिस्ड कॉल नंबर भी जारी किया गया है। जिले रजिस्ट्रेशन में ऑफलाइन फॉर्म हर उपलब्ध कराया जाएगा। इन तीन माध्यमों से रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।बिहार यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने कहा कि रोजगार मेले में मुफ्त रजिस्ट्रेशन होगा। बेरोजगार युवा जो डिग्री लेकर सड़क पर घूम रहे हैं, वह इस रोजगार मेले में आ सकते हैं। वह ऑन स्पॉट रिज्यूम लेकर आएंगे और हम लोग रोजगार देने का काम कर रहे है। हम वर्तमान के मोदी और नीतीश सरकार को दिखाना चाहते हैं कि जब हमारी सरकार नहीं है। फिर भी हमारे नेता राहुल गांधी और कांग्रेस की विचारधारा इतनी मजबूत है कि सरकार बिना रहते हुए भी रोजगार देने का प्रयास कर रहे हैं। इस रोजगार मेला में हम लोग का 5000 से अधिक लोगों को रोजगार देने का टारगेट है। उन्होंने कहा कि हमारे बिहार में वोट बंदी चल रही है। वर्तमान के डबल इंजन सरकार वोट बंदी का काम कर रही है। हमारा देश नोटबंदी, जीएसटी बंदी, रोजगार बंदी देख चुका है। बिहार में नौकरी बंदी है।

18 जुलाई को पीएम मोदी का बिहार दौरा एक महीने में दूसरी बार आ रहे बिहार

पटना, (ईएमएस)। आगामी 18 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के दौरे पर आ रहे हैं और वे मोतिहारी पहुंचेंगे, जहां वे गांधी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। आपको बता दें कि इस साल पीएम मोदी का यह चौथा बिहार दौरा होगा और करीब एक महीने में वे दूसरी बार बिहार आ रहे हैं। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 20 जून को सीवान, 30 मई को पटना और 24 अप्रैल को मधुबनी में जनसभाएं की थीं। मधुबनी की सभा में उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत अपने जवानों की शहादत का हिसाब लेना जानता है। वहीं पटना दौरे में उन्होंने कहा था, बिहार से जो कहा, वो पूरा किया- तभी फिर बिहार आया। उधर मोतिहारी में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कल मोतिहारी पहुंचे। उन्होंने जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, स्थानीय सांसद राधामोहन सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी इस दौरे में बिहार के लिए कई नई योजनाओं और परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें रेलवे, सड़कों, सिंचाई और पेयजल परियोजनाओं से जुड़ी घोषणाएं शामिल हो सकती हैं। इस बार की सभा खास इसलिए भी है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मंच साझा करेंगे। यह दोनों नेताओं की एकजुटता का संकेत है और संभावित गठबंधन की राजनीतिक दृष्टि से अहम मानी जा रही है। मोदी की मोतिहारी यात्रा को लेकर प्रशासन और भाजपा-जदयू गठबंधन के नेता सुरक्षा और भागीदारी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। सभा में हजारों लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद है। जिला प्रशासन द्वारा यातायात, पार्किंग, और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जा रही है।

पटना नगर निगम की गाड़ी ने ली स्कूटी सवार युवक की जान

पटना, (ईएमएस)। पटना नगर निगम की एक पुरानी गाड़ी ने स्कूटी सवार युवक को इस कदर रौंद दिया की उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। बताया गया है कि युवक गंगा घाट से जल लेकर अपने घर लौट रहा था तभी यह घटना हुई। मृतक का नाम सुधांशु है और वह पटना के कदमकुआं में रहता था। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हाइवा के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित गोलखपुर बालू घाट के पास की है। शनिवार सुबह कदमकुआं का रहने वाला सुधांशु गंगा घाट गया हुआ था। जहां से गंगा जल लेकर वो घर की ओर लौट रहा था। तभी रास्ते में स्कूटी लगाकर वह किसी से बात करने लगा। तभी तेज रफ्तार से आ रही हाइवा ने स्कूटी को रौंद दिया। जिससे मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया। घटना एनआईटी और रानीगंज के बीच की है। घटना से गुस्साए लोगों ने रोड को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पीरबहोर थाने की पुलिस ने पटना नगर निगम के हाइवा को जब्त किया और उसके ड्राइवर को गिरफ्तार कर थाने ले गयी। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराया जिसके बाद सड़क पर आवागमन बहाल हो सका। उधर मृतक की क्षत विक्षप्त लाश को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा गया।

बिहार में बालू माफिया ने किया खनन विभाग की टीम पर हमला

नालंदा (ईएमएस)। बिहार में बालू माफिया ने खनन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। इसके बाद जब्त ट्रैक्टर और ड्राइवर को लेकर फरार हो गए। इस दौरान अपराधियों ने एक सैप जवान को जख्मी किया। वहीं, दूसरे जवान से उनकी राइफल छीनने का प्रयास किया। खान निरीक्षक इरफान ने घटना की प्राथमिकी बिहार थाना में दर्ज करवा दी है। जिसमें नकटपुरा निवासी वीरन यादव, मनोज यादव, शंभू कुमार और लोटन गांव निवासी ड्राइवर नवलेज को आरोपी बनाया गया है। आरोपों में खान निरीक्षक ने बताया कि अवैध बालू लोड ट्रैक्टर को चालक के साथ जब्त कर, थाने ले जाया जा रहा था। तभी नकपटपुरा के पास बाइक और कार सवार पांच अपराधयों ने हमला किया। ट्रैक्टर पर बैठे सैप जवान सुमन कुमार को धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। इससे वे जख्मी हो गए। दूसरे जवान सविन्द्रनाथ झा से बदमाशों ने उनका हथियार छीनने और उन्हें गाड़ी से कुचलकर मारने की कोशिश की।

6 साल पहले बेटे की हत्या अब कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मारकर मौत के घाट उतारा

पटना(ईएमएस)। राजधानी पटना के बड़े कारोबारी और बीजेपी नेता गोपाल खेमका की शुक्रवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना गांधी मैदान इलाके में उनके घर के बाहर हुई। पुलिस के अनुसार, यह घटना उनके बेटे गुंजन खेमका की हत्या के छह साल बाद हुई है। गुंजन की हत्या भी इसी तरह से की गई थी। इस घटना ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है। गोपाल खेमका एक सफल व्यवसायी और लोकप्रिय नेता थे। उनकी हत्या से राज्य को एक बड़ा नुकसान हुआ है। यह घटना 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हत्या से मिलती-जुलती है। गुंजन की हत्या हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में उनके फैक्ट्री के गेट के बाहर हुई थी।पुलिस के मुताबिक, गोपाल खेमका रात करीब 11 बजे होटल पनाश के पास से गुजर रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। पटना एसपी ने बताया कि पुलिस को रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि गोपाल खेमका को गांधी मैदान के दक्षिणी इलाके में गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। घटनास्थल से एक गोली और एक खाली कारतूस का खोखा बरामद हुआ है। खेमका की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि हमलावरों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेंगे। लेकिन, इस घटना ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों में डर का माहौल है और वे सरकार से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। गोपाल खेमका की हत्या ने एक बार फिर बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हैं और कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, सरकार का कहना है कि वह अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद से ही इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। गोपाल खेमका के परिवार में शोक का माहौल है। उनके परिजनों और समर्थकों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अपराधियों का अड्डा बन गया बिहार!

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने घटनास्थल का दौरा किया और बिहार की नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की। पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा कि बिहार अपराधियों का अड्डा बन गया है! नीतीश जी, कृपया बिहार को बख्श दें। पप्पू यादव ने आगे कहा कि अगर सरकार ने गुंजन की हत्या के समय सख्त कार्रवाई की होती, तो आज गोपाल खेमका की हत्या नहीं होती। पप्पू यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा कि सात साल पहले गोपाल खेमका जी के बेटे गुंजन खेमका की हत्या हुई थी, और मैं उन्हें न्याय का आश्वासन देने गया था। अगर उस समय सरकार अपराधियों की भागीदार नहीं बनी होती और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की होती, तो आज गोपाल खेमका जी की हत्या नहीं होती ! जैसे ही मुझे खबर मिली, मैं वहां पहुंचा। लेकिन इस क्रूर मेगा-ठग शासन में, कोई भी सुरक्षित नहीं है, बिहार अपराधियों का अड्डा बन गया है ! नीतीश जी, कृपया बिहार को बख्श दें।

बिहार में कारोबारी की हत्या, तेजस्वी का नीतीश पर तंज, जंगलराज नहीं कहा जा सकता

पटना,(ईएमएस)। पटना में व्यवसायी और भाजपा नेता गोपाल खेमका की गांधी मैदान स्थित उनके आवास के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि एक बाइक सवार हमलावर खेमका का इंतजार कर रहा था, जो एक सुनियोजित हत्या को दिखाता है। इस घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सियासी बहस छेड़ दी है। उधर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दो टूक कहा हैं कि अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पोस्ट किया कि कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने आपराधिक घटनाओं की जांच में तेजी लाने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी और कड़ाई से काम करने के लिए कह दिया है।हालांकि, हत्या को लेकर चुनावी साल में विपक्ष ने नीतीश सरकार पर हमला बोला है।

बिहार सरकार मछली पालन के लिए देगी 80 प्रतिशत सब्सिडी

पटना, (ईएमएस)। बिहार सरकार मछली पालन के लिए 80 प्रतिशत सब्सिडी देगी। हालांकि राज्य सरकार ने यह सब्सिडी अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय के किसानों को देने वाली है ताकि मछली पालन को बढ़ावा मिल सके। बताया गया है कि यह योजना बिहार के आठ जिलों बांका, औरंगाबाद, गया, कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर तथा रोहतास के किसानों के लिए है। इस योजना के तहत 0.4 से 1 एकड़ के तालाब निर्माण के लिए 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी। यह योजना किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने में मदद करेगी। दरअसल पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना के तहत एक एकड़ तालाब निर्माण की लागत 16.70 लाख रुपये निर्धारित है, जिसमें से 80 प्रतिशत यानी 13.36 लाख रुपये तक का अनुदान सरकार देगी। इस अनुदान में तालाब निर्माण, ट्यूबवेल, सोलर पंप, उन्नत मत्स्य बीज और शेड निर्माण जैसे खर्च शामिल हैं। इच्छुक किसान 31 अगस्त 2025 तक मत्स्य निदेशालय की वेबसाइट fisheries.bihar.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास अपनी जमीन या कम से कम 9 साल के लिए लीज पर ली गई जमीन होनी चाहिए। निजी जमीन के लिए भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र या हाल की मालगुजारी रसीद और लीज के मामले में 1,000 रुपये के गैर-न्यायिक स्टांप पर एकरारनामा जमा करना होगा। इसके साथ ही जाति प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, भू-नक्शा, मोबाइल नंबर और बैंक खाता विवरण जैसे दस्तावेज भी जरूरी हैं। लाभार्थियों का चयन उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। यह योजना न केवल मछली पालन को बढ़ावा देगी, बल्कि एससी/एसटी किसानों को अतिरिक्त आय का स्त्रोत प्रदान करेगी। इससे पठारी क्षेत्रों की बंजर जमीन का बेहतर उपयोग होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। किसानों से अपील है कि वे समय रहते आवेदन करें ताकि इस योजना का लाभ उठा सकें।

वोटर पुनरीक्षण पर विपक्ष के साथ अब साथी दल ने भी जता दी आपत्ति

पटना,(ईएमएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर पुनरीक्षण पर राजनीति चरम पर है। इस लेकर विपक्ष ने आपत्ति जताकर प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया है। वहीं अब एनडीए सहयोगी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाह ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए बहुत कम समय दिया है और चुनाव आयोग को लोगों की चिंताओं का समाधान करना चाहिए।आरएलएम अध्यक्ष कुशवाहा ने कहा कि चुनाव आयोग जो कर रहा है, उस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अगर मतदाता सूची में संशोधन हो रहा है, तब इसमें किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए? मतदाता सूची में संशोधन होना एक स्भाविक प्रक्रिया है। हालांकि, समय कम है और चुनाव आयोग को यह काम थोड़ा पहले करना चाहिए था। चुनाव आयोग को सभी चिंताओं का खुलकर समाधान करना चाहिए।वहीं कुशवाहा ने कहा कि एनडीए में आम सहमति है कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने वाले हैं, और उनके नेतृत्व में बिहार में फिर से सरकार बनेगी। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे जो चाहें कह देते हैं।कुशवाहा ने यह बात स्वीकारी है कि कई लोगों के पास कागजात नहीं है। उन्होंने कहा कि कई लोग हैं जो कभी स्कूल नहीं गए हैं, तब उनके मैट्रिक पास होने का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहता तब निवास का प्रमाण पत्र बनवाया जा सकता था।बता दें कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष ने कई सवाल उठाए हैं।

शीतला मंदिर में बजरंगबली ध्वज तोड़े जाने पर तनाव, पुलिस ने तीन युवक पकड़े

लखीसराय : लखीसराय में तेतरहट थाना क्षेत्र के गुलनी पैन स्थित शीतला माता मंदिर में शुक्रवार की शाम बजरंगबली के ध्वज को कथित रूप से मुस्लिम समुदाय के तीन युवकों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से इलाके में तनाव फैल गया। शनिवार सुबह मंदिर के पास रहने वाली एक महिला ने ध्वज को टूटा हुआ देखा, जिसके बाद मोहल्ले में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदू समुदाय के लोग मंदिर परिसर में जमा हो गए और तुरंत तेतरहट थाना पुलिस को सूचना दी गई। तेतरहट थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित करते हुए तीनों आरोपित युवकों को हिरासत में ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम प्रभाकर कुमार और एसडीपीओ शिवम कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों समुदायों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। इसके बाद जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र और पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों व चश्मदीदों से बातचीत की।प्रशासन की सक्रियता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते स्थिति पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया गया। फिलहाल मंदिर परिसर और उसके आसपास पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। संवेदनशीलता को देखते हुए इलाके में शांति समिति की बैठक भी बुलाई गई है, ताकि दोनों समुदायों के बीच सौहार्द बना रहे। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच जारी है और आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

उद्धव और राज के साथ आने पर चिराग का तंज, दोनों भाई अपना वजूद बचाने के लिए साथ आए

पटना,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मैं हर भाषा का समर्थन और सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत की खूबसूरती हैं कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। हर कुछ किलोमीटर पर हमारी बोली बदल जाती है। मैं भाषाओं को दोस्त मानता हूं, वे एक साथ खुशी-खुशी बढ़ी हैं। लेकिन जिस तरह से कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा देते हैं, चाहे वह जाति, धर्म, क्षेत्र और अब भाषा हो। मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता।केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। उद्धव और राज ठाकरे के सालों बाद साथ आने पर चिराग ने कहा कि वे भाषा के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए साथ आ रहे हैं। वे अपना खोया हुआ आधार वापस पाने के लिए बेताब हैं। दोनों भाइयों ने देखा कि अलग रहने से न केवल उनकी ताकत कम हुई बल्कि खत्म भी हो गई।केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने अपने मतभेद सुलझाए हैं...मेरा मानना है कि वे सिर्फ अपने राजनीतिक फ़ायदे के लिए साथ आए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके दिल इतनी जल्दी जुड़ जाते और राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ''एकसाथ रहने के लिए साथ आए हैं।'' उद्धव ने करीब 20 वर्ष बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख के साथ राजनीतिक मंच साझा किया।उन्होंने कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करने वाले है। उद्धव ने कहा, ''हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई।

पूर्व जस्टिस काटजू के विवादित बोल, नेताजी जापान के, महात्मा गांधी ब्रिटेन के एजेंट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मार्कंडेय काटजू फिर से विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने जहां नेताजी को जापान का और महात्मा गांधी को ब्रिटिश एजेंट बता दिया। उन्होंने जज के भ्रष्टाचार में शामिल होने को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने न्यायालय की लेटलतीफी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नेता जी जापान के लिए काम करते थे। उन्होंने कई बार जापान की मदद की। वास्तव में बोस का इस्तेमाल जापानियों द्वारा हो रहा था, और वे उन्हें तभी मार देते, जब उनकी उपयोगिता खत्म हो जाती। लेकिन साल 1945 में जब जापान ने आत्म समर्पण किया, तब वे कहां चले गए, इसका पता अभी तक नहीं लग सका। इससे शक गहरा गया कि बोस जापान के एजेंट के रूप में काम करते थे। वहीं जस्टिस काटजू ने गांधी के बारे में कहा कि गांधी जी ब्रिटेन के एजेंट थे और उन्होंने राजनीति में धर्म को घुसाकर देश को बहुत नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार, फूट डालो राज करो नीति पर चलती थी और महात्मा गांधी इस नीति को बढ़ावा देते थे। गांधी जी की नीतियों की वजह से मुसलमानों का झुकाव मुस्लिम लीग की ओर बढ़ा था।

उत्तरप्रदेश में सपा के पीडीए का तोड़ होगा भाजपा का नया अध्यक्ष

लखनऊ,(ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के जवाब में उत्तर प्रदेश भाजपा जल्द ही अपने नए अध्यक्ष का ऐलान कर सकती है। बताया जा रहा हैं कि 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा के इस नारे ने भाजपा को नुकसान पहुंचाया, जिससे उत्तर प्रदेश में उनकी सीटें 62 से घटकर 33 रह गई। सूत्रों के अनुसार, भाजपा पी-डी (पिछड़ा/ओबीसी-दलित) कार्ड खेलने पर विचार कर रही है, और नए अध्यक्ष का चुनाव इसी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। ओबीसी समुदाय से केंद्रीय मंत्री बी.एल. वर्मा, स्वतंत्र देव सिंह, धर्मपाल सिंह, बाबूराम निषाद और अशोक कटारिया जैसे नाम चर्चा में हैं। दलित समुदाय से पूर्व सांसद राम शंकर कठेरिया और एमएलसी विद्यासागर सोनकर भी इस दौड़ में शामिल हैं। यह नियुक्ति अगले साल होने वाले पंचायत चुनावों और 2027 के राज्य चुनावों के लिए भाजपा की रणनीति तय करेगी। पार्टी का लक्ष्य गैर-यादव और गैर-जाटव वोटों को एकजुट करना है। विश्लेषकों का मानना है कि नए अध्यक्ष की जाति से यह संदेश जाएगा कि पार्टी कुछ खास वोटरों को कितना महत्व देती है। यह कदम 2024 के लोकसभा चुनाव में हुई हार के बाद एक बदलाव का संकेत है।

जीएसटी पंजीकरण में महाराष्ट्र से आगे निकला उत्तरप्रदेश

लखनऊ (ईएमएस)। एक जुलाई 2025 को जारी हुए आंकड़ों के अनुसार, वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) पंजीकरण में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र को पछाड़कर देश में पहला स्थान पाया है। यूपी में केंद्रीय जीएसटी के तहत 9,26,615 और राज्य जीएसटी के तहत 10,99,850 कारोबारियों ने पंजीकरण कराया है। जून माह में यूपी के कारोबारियों ने केंद्रीय जीएसटी में 15,713 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी में 16,266 करोड़ रुपये का टैक्स जमा किया। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिला (नोएडा) जीएसटी पंजीकरण और टैक्स वसूली के मामले में सबसे आगे है। यहां केंद्रीय जीएसटी में 1,12,348 और राज्य जीएसटी में 1,14,674 कारोबारी पंजीकृत हैं। हालांकि, अपर आयुक्त ग्रेड-2 विवेक आर्य ने बताया कि कर चोरी रोकने के लिए ऑनलाइन सिस्टम काफी मददगार साबित हो रहा है, जिससे फर्जी कंपनियों की पहचान कर उन पर कार्रवाई की जा रही है।

सांसद मिश्रा का बयान सुर्खियों में, लैपटॉप खरीद लो, नहीं तो माता-पिता उस पैसे से गांजा फूंक लेंगे

रीवा,(ईएमएस)। मध्यप्रदेश के रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा फिर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में उन्होंने छात्रों को लैपटॉप खरीदने की सलाह देकर कहा कि जल्दी लैपटॉप खरीद लो, नहीं तब तुम्हारे माता-पिता उस पैसे से गांजा फूंक लें या कथा करवा सकते है। उन्होंने छात्रों को बताया कि प्रदेश की मोहन सरकार लैपटॉप खरीदने के लिए पैसे दे रही है और अधिकारियों से लैपटॉप खरीदने वाले छात्रों की सूची मांगी है। सांसद मिश्रा के बयान की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। इससे पहले भी वे अपने अजीब बयानों के लिए जाने जाते हैं, जैसे कि भविष्य में बच्चे ऑनलाइन पैदा होने और प्रधानमंत्री मोदी की दाढ़ी को लेकर टिप्पणी कि मोदी की दाढ़ी में घर ही घर हैं, एक बार हिलाते हैं 50 लाख, दूसरी बार में एक करोड़।

कानपुर में छात्रा से छेड़छाड़ का मामला शिक्षक राज कुशवाहा हिरासत में

कानपुर,(ईएमएस)। कानपुर के नौरंगा स्थित इंटर कॉलेज में आठवीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिक्षक राज कुशवाहा ने जादू दिखाने के बहाने छात्रा को कमरे में ले जाकर उसके निजी अंगों से छेड़छाड़ की। छात्रा के विरोध करने पर कमरे से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद फौरान पीड़ित छात्रा ने अपनी बड़ी बहन को घटना के बारे में बताया, बड़ी बहन ने बिना देरी किए स्कूल प्रबंधन से शिकायत की। स्कूल प्रबंधन ने आरोपी शिक्षक को एक कमरे में बंद कर दिया, लेकिन पुलिस को सूचना नहीं दी। बाद में पुलिस को घटना की जानकारी मिली और उन्होंने आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी शिक्षक को कुछ दिन पहले ही स्कूल में आर्ट पढ़ाने के लिए रखा गया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला दल रवाना, सीएम धामी ने दिखाई हरी झंडी

चम्पावत। उत्तराखंड से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए शनिवार को पहला दल रवाना हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर पर्यटक आवास गृह से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दल में 11 राज्यों के 45 श्रद्धालु शामिल हैं, जिनमें 32 पुरुष और 13 महिलाएं हैं। मुख्यमंत्री धामी ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया और उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ा स्मृति चिह्न भी भेंट किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए देवभूमि उत्तराखंड में उनका हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उन चंद भाग्यशाली लोगों को ही नसीब होती है जो भोलेनाथ की कृपा से इसे पूर्ण कर पाते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, भोजन, आवास, सुरक्षा और परिवहन समेत हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सभी पड़ावों पर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।

रेवंत के बयान पर बीजेपी का तंज, 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान को आधार बनाकर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के बयान ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा, सीएम रेड्डी ने आज फिर साबित किया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। 50 साल बाद भी रेड्डी का यह रवैया साबित करता हैं कि वे इंदिरा गांधी के सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने जय संविधान रैली में धमकी दी कि जो लोग इंदिरा गांधी को नहीं समझते, उन्हें वे बुरी तरह से पीटूंगा। 50 साल पहले इंदिरा ने भी हमारे लोकतंत्र के साथ ऐसा ही करने की कोशिश की थी। आज भी कांग्रेस में वहीं आपातकाल की मानसिकता में जी रही है। उन्होंने कहा, चाहे तेलंगाना हो, कर्नाटक हो या हिमाचल प्रदेश, जहां मंत्री भी अफसरों को पीटते हैं और यह कांग्रेस पार्टी की आपातकाल वाली मानसिकता को दिखाता है।

काशी में मणिकर्णिका घाट डूबा, छत पर अंतिम संस्कार

हिमाचल में अब तक 69 मौतें, मप्र के 20 शहरों में भारी बारिश, कई जिलों में बाढ़ के पानी से घिरे गांव

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ(ईएमएस)। मप्र के 20 शहरों में भारी बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मंडला में बाढ़ की स्थिति है। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच पानी गिरा है। यूपी में काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट के ज्यादातर शवदाह वाले प्लेटफार्म गंगा नदी में डूब गए हैं। शवों का अंतिम संस्कार घाट की छत पर करना पड़ रहा है। आसपास के छोटे मंदिर भी जलमग्न हो चुके हैं। राजस्थान में 1 जून से अब तक 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, लगातार मानसून एक्टिव होने से अब एक भी जिला सूखा नहीं है। जबकि पिछली जुलाई के पहले हफ्ते तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश तबाही मचा रही है। उफनती नदियों से 14 पुल बह गए हैं। प्रदेश की 500 सडक़ें पूरी तरह से बंद हैं। कांगड़ा, मंडी, चंबा और शिमला जिलों में भारी बारिश के चलते बाढ़ और लैंडस्लाइड से 69 लोगों की जान चली गई। सबसे बुरी स्थिति मंडी जिले में है, जहां 17 लोग मारे गए और 40 अभी भी लापता हैं। उत्तरप्रदेश में भी तेज बारिश जारी है। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में आधा से ज्यादा डूब गया। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा चौकियां डूब गईं। यहां गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है।

कोरबा में पुल बहा

छत्तीसगढ़ के कोरबा में 20 साल पुराना पुल और सडक़ तेज बारिश में बह गया। गेरांव के बांस झर्रा में पुल बहने से बड़मार क्षेत्र का संपर्क कई गांव से कट गया है। मार्ग पर आना जाना बंद है। यहां तेज बारिश जारी है।

घुंघुट्टा डैम के दो गेट खोले गए

छत्तीसगढ़ के सुरगुजा जिले में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। स्थिति को देखते

हुए घुंघुट्टा डैम के दो गेट खोल दिए गए हैं। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों से नदी-नालों के पास न जाने की अपील की है। सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

धमणी डेम के तीन गेट खोले गए

महाराष्ट्र के पालघर जिले में लगातार भारी बारिश के कारण पालघर के डेमों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। सूर्य प्रोजेक्ट का हिस्सा धमणी डेम, जो पालघर, मीरा-भायंदर और वसई-विरार को पानी सप्लाई करता है, उसमें पानी का बहाव बढ़ गया है। डेम के तीन गेट 40 सेंटीमीटर तक खोल दिए गए हैं, जिससे सूर्य नदी में 3,285 क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया है।

जोहिला डैम के दो गेट खोले गए

उमरिया में शनिवार को संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट खोले गए हैं। दोनों गेट को एक-एक मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। सागर से बेगमगंज और ग्यारसपुर जाने वाला मार्ग नदियों में बाढ़ के कारण बंद हो गया। नरसिंहपुर में शनिवार सुबह स्टेट हाईवे-22 पर पुलिया धंस गई, जिससे रास्ता बंद हो गया। लोग रस्सी के सहारे शक्कर नदी पार कर रहे हैं। वहीं, डिंडौरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर खेत की मिट्टी बहकर आ गई। यहां वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। शिवपुरी में बैराड के कई गांवों में बाढ़ आ गई है।

घरों में पानी भर गया है। जोराई गांव में सडक़ पर खड़ी गाडिय़ां पानी में डूब गई हैं। श्योपुर जिले के बेनीपुरा गांव में क्वारी नदी का पानी गांवों में घुस गया है। यहां करीब 20 घरों में पानी भर गया, जिससे गृहस्थी का सामान खराब हो गया। ग्रामीणों को काफी नुकसान हुआ है। शहडोल के केशवाही के मझौली क्षेत्र में तेज बारिश से मकान की कच्ची दीवार गिर गई। हादसे में बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 4 बजे की है।

बरमान घाट पर नर्मदा का जलस्तर बढ़ा

नरसिंहपुर में बरमान घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। प्रशासन ने यहां किनारे पर बसे लोगों को घर खाली करने के लिए कहां। रायसेन जिले के बेगमगंज और सुल्तानगंज में लगातार हो रही तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर है। शनिवार को पारसोरा रोड की पुलिया पार करते समय तेज बहाव में बाइक सवार बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने उसके सुरक्षित बचा लिया। बाइक भी बाहर निकाली।

पार्वती नदी का कहर रपटे में बाइक बही

शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील में शुक्रवार रात से हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। सडक़ों पर जलभराव से यातायात भी प्रभावित हो गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को फटकार, इंजन के कुछ पार्ट्स को बदलने में देरी के कारण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की सुरक्षा में लापरवाही सामने आई है। डीजीसीए ने मार्च में एयर इंडिया एक्सप्रेस को फटकार लगा दी थी। यह फटकार एयरबस ए320 के इंजन के कुछ पार्ट्स को बदलने में देरी को लेकर थी। ये पार्ट्स यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) के कहने पर बदलने थे। आरोप है कि एयरलाइन ने गलत कागजात भी जमा किए थे। इससे दिखाया गया कि नियमों का पालन हुआ है। जून में अहमदाबाद में बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया की जांच तेज हो गई है। बता दें एयर इंडिया एक्सप्रेस,टाटा ग्रुप की कंपनी है। इसके पास 115 से ज्यादा विमान हैं। यह हर दिन 500 उड़ानें भरती है और 50 से ज्यादा जगहों पर जाती है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को चेतावनी दी है।

दो साल पहले मिली थीं इंजन में कमियां

2023 में ईएएसएस को सीएफएम इंटरनेशनल लीप-1ए इंजन में कुछ कमियां मिली थीं। एजेंसी ने कुछ पार्ट्स, जैसे इंजन सील और घूमने वाले पार्ट्स को बदलने के लिए कहा था। एजेंसी ने कहा था कि अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तब पार्ट्स खराब हो सकते हैं। इससे विमान को नुकसान हो सकता है। बाद में डीजीसीए की जांच में पता चला कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरबस ए320 इंजन के पार्ट्स को समय पर नहीं बदला था।

यह भी पता चला कि एएमओएस रिकॉर्ड में बदलाव किया गया था। एएमओएस एक सॉफ्टवेयर है जिसका इस्तेमाल एयरलाइंस विमानों के रखरखाव के लिए करती हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि उनकी टीम से पार्ट्स बदलने की तारीख चूक गई थी। ऐसा सॉफ्टवेयर में डेटा बदलने के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि बाद में इस ठीक किया गया। एयरलाइन ने यह नहीं बताया कि नियमों का पालन कब तक किया जाएगा। उन्होंने रिकॉर्ड में बदलाव के बारे में डीजीसीए की बातों का भी जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि मार्च के बाद जरूरी कार्रवाई की गई। क्वालिटी मैनेजर को हटा दिया गया और डिप्टी एयरवर्दीनेस मैनेजर को सस्पेंड कर दिया गया।

फरवरी में संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के 23 मामलों में एयरलाइंस को चेतावनी दी गई या जुर्माना लगाया गया। इनमें से तीन मामले एयर इंडिया एक्सप्रेस से जुड़े थे, जबकि आठ मामले एयर इंडिया से जुड़े थे।

नैनीताल में अचानक क्यों बढ़े अस्थमा के मरीज, डॉक्टर ने बताया कारण

देहरादून,(ईएमएस)। नैनीताल में अचानक अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ने का मुख्य कारण बारिश और कोहरे के कारण हवा में बढ़ी हुई नमी (मॉइश्चर) और एलर्जिक तत्वों की मात्रा है। इसकारण ही जिला अस्पताल नैनीताल में रोजाना 70 से 80 मरीज सांस और मौसम से जुड़ी बीमारियों के लिए इलाज कराने आ रहे हैं, जिसमें से 30 से 35 मरीज केवल अस्थमा से पीड़ित हैं। अस्पताल के चेस्ट फिजिशियन डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि बारिश और कोहरे के मौसम में हवा में नमी के साथ-साथ फंगल और एलर्जिक तत्वों की मात्रा काफी बढ़ जाती है। इसकारण अस्थमा के रोगियों को सांस लेने में दिक्कत, सीने में जकड़न, खांसी और घरघराहट जैसी समस्याएं अधिक हो रही हैं। अस्थमा एक दीर्घकालिक (क्रॉनिक) श्वसन रोग है, जिसमें रोगी की श्वास नलिकाएं (फेफड़ों तक हवा ले जाने वाले रास्ते) संवेदनशील और संकुचित हो जाती हैं।

इससे मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है। यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन बच्चों और बुजुर्गों में इसकी आशंका अधिक होती है। यदि परिवार में किसी को अस्थमा है, तब परिवार के दूसरे सदस्य को भी यह बीमारी होने की आशंका रहती है। अस्थमा में मरीज को सांस लेने में तकलीफ होती है, सीने में जकड़न या दर्द महसूस होता है।

रात या सुबह के समय खांसी आती है और गले से घरघराहट जैसी आवाज आती है।

स्टालिन के खिलाफ पलानीस्वामी ने भरी हुंकार, नया लोगो और नारा जारी किया

7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान

चेन्नई। देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडू में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इस लेकर एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने राजधानी चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय 'एमजीआर मालिगई' से एक नया लोगो और नारा जारी करके अपने 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि 'मक्कलाई कप्पोम, तमिजहागथाई मीटपोम' (आइए लोगों की रक्षा करें, आइए तमिलनाडु को मुक्ति दिलाएं) शीर्षक से उनका राज्यव्यापी अभियान 7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा, जो पहले चरण में आठ जिलों को कवर करेगा। नए लांच किए गए अभियान के लोगो में एआईएडीएमके के झंडे के साथ दो पत्ते, क्रांति का प्रतीक एक उठी हुई मुट्ठी और 'पुरात्ची तमिजहरिन एझुची पयानम' और 'तमिलगाथई कप्पोम, मकलाई मीटपोम' के नारे शामिल हैं, जो तमिलनाडु के लोगों की रक्षा और उत्थान के पार्टी के मिशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पेरारिगनार अन्ना के पदचिन्हों पर चलते हुए, हमारे नेता एमजीआर और अम्मा ने लोगों के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया है। एआईएडीएमके उसकी अनुसरण करते हुए लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

कॉलेज की दीवार में घुसी बोलेरो दूल्हे समेत आठ की मौत

संभल। यूपी के संभल जिले के जुनावई थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम भीषण हादसा हुआ। बरात की बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलटने के बाद इंटर कॉलेज की दीवार में जा घुसी। हादसे में दूल्हा सहित आठ लोगों की मौत हो गई। घायल हुए दो लोगों को सीएचसी जुनावई से हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे के चलते शादी की खुशियां भी गम में तब्दील हो गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। प्राप्त विवरण के मुताबिक जुनावई थाना क्षेत्र के गांव हरगोविंदपुर निवासी सुखराम के बेटे सूरज की बरात शुक्रवार देर शाम बदायूं जिले की बिल्सी तहसील क्षेत्र के गांव सिरतौल के लिए रवाना हुई थी। बोलेरो में दूल्हे सूरज सहित 10 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बोलेरो की रफ्तार तेज थी। जैसे ही बोलेरो बदायूं-मेरठ हाईवे पर जुनावई में जनता इंटर कॉलेज के पास पहुंची तो तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित होकर मार्ग पर पलटकर कॉलेज की दीवार में जा घुसी। जिससे बोलेरो में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़ कर मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में दूल्हे सूरज पाल उसकी बहन कोमल, चाची आशा, चचेरे मामा सचिन, सचिन की पत्नी मधु, ममेरा गणेश, पिता देवा, गांव निवासी चालक रवि की मौत हो गई।

अमरनाथ यात्रा : पर्यावरण में एक नया मंत्र - बोल बम, यात्रा मार्ग को कचरा मुक्त रखेंगे हम!

इन्दौर का स्टार्टअप स्वाहा लगातार चौथे साल अमरनाथ यात्रा मार्ग को बना रहा कचरा मुक्त

पहलगाम/इन्दौर (ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा, जो श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, अब स्वच्छता को भी अपने साथ जोड़ रही है। इस साल श्रद्धालु एक नया मंत्र गुनगुना रहे हैः बोल बम, पर्यावरण को कचरा मुक्त रखेंगे हम! इस पवित्र यात्रा में पर्यावरण और स्वच्छता को जोड़ने का श्रेय इन्दौर के स्टार्टअप स्वाहा को जाता है। यह स्टार्टअप पिछले चार सालों से अमरनाथ यात्रा मार्ग को जीरो लैंडफिल (कचरा मुक्त) बनाने की सोच को हकीकत में बदल रहा है। जम्मू-कश्मीर के डायरेक्टरेट ऑफ रूरल सैनिटेशन ने यह महत्वपूर्ण कार्य स्वाहा को सौंपा है। इस बार की यात्रा में लगभग 550 टन कचरा निकलने का अनुमान है, जिसे स्वाहा की टीम संसाधित करेगी।

स्वाहा का जीरो लैंडफिल अभियान

आरडीडी और पंचायती राज के सेक्रेटरी, आईएएस एजाज असद, और डायरेक्टरेट ऑफ रूरल सैनिटेशन की डीजी, श्रीमती अनू मल्होत्रा ने बताया कि पिछली कई यात्राओं से यात्री पहाड़ियों पर टनों कचरा छोड़ते आ रहे थे। पिछले चार सालों में यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। अब यात्रा के बाद पूरा अमरनाथ यात्रा मार्ग कचरा मुक्त दिखाई देता है। इन्दौर के स्वाहा स्टार्टअप की टीम ने इस बदलाव को संभव बनाया है। अब यात्रा मार्ग की पहाड़ियां और नदियाँ प्लास्टिक और गंदगी से मुक्त हैं।

स्वाहा के सह-संस्थापक समीर शर्मा ने बताया कि यह लगातार चौथा वर्ष है जब स्वाहा पहाड़ों और घाटियों की सफाई के लिए जम्मू और कश्मीर के युवाओं के साथ मिलकर इस मिशन को सफल बनाने के संकल्प पर जुटा हुआ है। इस अभियान का लक्ष्य शून्य अपशिष्ट यात्रा है, यानी यात्रा के बाद कोई अपशिष्ट बचा न दिखे। स्वाहा के संस्थापकों में दो आईआईटीयन, ज्वलंत शाह और रोहित अग्रवाल शामिल हैं। रोहित ने बताया कि सबसे बड़ी चुनौती लंगरों से निकलने वाले फूड वेस्ट की थी।

पहले लंगर वाले जूठन और दूसरे कचरे को या तो पहाड़ी में फेंक देते थे या नदी में प्रवाहित कर देते थे। इससे निपटने के लिए स्वाहा की टीम लंगरों को प्रशिक्षण दे रही है कि कचरे को अलग-अलग (सेग्रीगेट) करें ताकि उसकी खाद बनाई जा सके। स्वाहा मिश्रित कचरे का संग्रह नहीं करेगी, इससे गीला और सूखा कचरा स्त्रोत पर ही अलग किया जा रहा है।

ज्वलंत शाह ने बताया कि आने वाले यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। यात्रा में निशुल्क कपड़ों के थैलों को बेस कैंप से गुफा तक बांटा जा रहा है, जिससे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम से कम रहे।

स्वाहा के 2025 में नए पर्यावरण-प्रेमी प्रयोग

देशभर में स्वच्छता और सतत विकास के लिए कार्यरत इन्दौर-आधारित स्टार्टअप स्वाहा ने इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में एक अनोखी पहल की है।

स्वाहा ने एक ऐसी मशीन विकसित की है जो बिना बिजली के मैकेनिकल पैडल से चलती है, बिल्कुल साइकिल की तरह।

जीरो अपशिष्ट लैंडफिल अभियान सिर्फ सफाई और स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वाहा स्थानीय कश्मीरी युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण अभियान में शामिल कर रोजगार भी दे रही है।

स्वाहा के सह-संस्थापक समीर शर्मा ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सिर्फ कचरे का निपटान नहीं, बल्कि यात्रियों की सोच में बदलाव लाना है, ताकि अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालु खुद जिम्मेदारी समझें और प्लास्टिक का उपयोग न करें।

अमरनाथ यात्रा के दौरान स्वाहा की योजना लगभग 550 टन कचरा संसाधित करने की है, जिसमें मुख्य ध्यान प्लास्टिक की बोतलों और पाउच पर है। यात्रियों को प्रेरित किया जाएगा कि वे स्टील की बोतलें साथ लाएं और कपड़े का थैला साथ रखें। स्वाहा के इंजीनियरों द्वारा बनाई गई यह मशीन, स्वाहा की तकनीकी टीम और स्थानीय युवाओं की प्रतिबद्धता इस बात का उदाहरण है कि भारत कैसे पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान अपने संसाधनों और संकल्प से खोज रहा है।

कैसे बनी स्वच्छ यात्रा

जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा अमरनाथ यात्रा को जीरो वेस्ट बनाने की मुहिम पर पिछले चार वर्षों से स्वाहा के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। जिसके चलते जम्मू-कश्मीर के रूरल डेवलपमेंट विभाग ने कचरा मुक्त तीर्थयात्रा को एक अभियान बनाया। स्थानीय प्रशासन व अधिकारियों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन की तर्ज पर कचरा मुक्त तीर्थयात्रा का काम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यात्रियों को प्लास्टिक और पॉलिथीन ले जाने से रोका जा रहा है। यात्रा मार्ग में कचरा उठाने और उसके निपटान की पूरी व्यवस्था (मशीनरी) लगाई गई है। यात्रा मार्ग से मात्र 2 से 3 घंटे में पूरा कचरा जमा कर उसे रीसायकल करने का इंतजाम है। इस अभियान का उद्देश्य पहाड़, वनस्पति और ग्लेशियर को बचाना है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

49,000 करोड़ का बैंक घोटाला

अनिल अंबानी द्वारा 49,000 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज हड़पना भारतीय बैंकिंग इतिहास की उन घटनाओं में शामिल हो गया है, जो यह साबित करती है, कि किस तरह देश का बैंकिंग सिस्टम कुछ खास कॉरपोरेट घरानों के लिए लूट की खुली छूट बन गया है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने 53 बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेने के बाद, अंबानी ने अपने आप को दिवालिया कानून के अंतर्गत दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया कानून की आड़ में खुद को निर्दोष साबित कर दिया। अब अनिल अंबानी सरकार की सरपरस्ती में नई कंपनियों के जरिए फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन जैसी विदेशी कंपनियों के साथ हवाई जहाज बनाकर उड़ा रहे हैं। क्या इसे बैंकों की लूट और न्याय व्यवस्था की सुनियोजित हत्या नहीं मानी जानी चाहिए? एनसीएलटी में जब रिलायंस कम्युनिकेशन का मामला पहुंचा तो दावा किया गया, कि कंपनी के ऊपर 47,000 करोड़ का बकाया है। सेटलमेंट के नाम पर दिवालिया कानून के तहत बैंकों को मात्र 455 करोड़ रुपए की राशि मिली। जो कुल कर्ज का सिर्फ 0.92 फीसदी है। बाकी पैसा डूबत खाते में लिखकर बैंक की बैलेंस शीट को पाक-साफ कर दिया गया। यह रकम किसी उद्योगपति की जेब से नहीं आई थी। सरकारी खजाने से भी यह राशि नहीं आई। बैंकों ने शुल्क बढ़ाकर ग्राहकों से वसूल किया। बैंक की ब्याज दरें घट गईं, तरह-तरह से शुल्क वसूल किए जाने लगे। देश की आम जनता की मेहनत की कमाई जो बैंकों में जमा थी उस पर आम जनता को भारी टैक्स देना पड़ रहा है।

विडंबना देखिए, अंबानी ने एनसीएलटी में राहत पाने के लिए आईबीसी की धारा 32 ए का सहारा लिया। इस नियम के अंतर्गत दिवालिया प्रक्रिया को मंजूरी मिल जाती है, तो पुरानी जिम्मेदारियों से कंपनी और उनके डायरेक्टर कर्ज से मुक्त माने जाते हैं। कारपोरेट जगत को फायदा पहुंचाने के लिए यही कानूनी जाल है। करोड़ों-हज़ारों का घोटाला कानून के मुताबिक जायज़ बन जाता है। यह सुविधा आम आदमी के लिए नहीं है। सवाल यह है, क्या कोई आम आदमी 50 लाख का लोन न चुका पाए तो उसे भी ऐसी छूट मिलेगी? नहीं। उसके घर पर ताला जड़ दिया जाएगा। बैंक नोटिस चस्पा कर संपत्ति पर कब्जा कर लेगी। जब कोई उद्योगपति हजारों करोड़ डुबो देता है, तो उसे नई शुरुआत करने सरकार और बैंकों से फिर से सहायता मिल जाती है। उनकी निजी संपत्ति और मकान इत्यादि सुरक्षित रहते हैं। सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रहती है। यह मामला सिर्फ अंबानी का नहीं है, यह कारपोरेट जगत के सिस्टम का आईना है। जहां भ्रष्टाचार को ही नीति बना दिया गया है। कारपेट जगत के लोग सरकार और बैंकों के अधिकारी मिलकर इस लूट में शामिल होते हैं। अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई, तो भविष्य में और भी बड़े कॉरपोरेट दिवालिया होकर अमीर बनने के नए-नए इतिहास गढ़ेंगे। आम जनता हर महीने बैंक की लाइन में खड़ी होकर तरह-तरह के शुल्क देकर लूट की भरपाई करती रहेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, भारत में अब दो तरीके के कानून प्रचलित हैं एक कानून कॉरपोरेट जगत और समर्थ लोगों के लिए और दूसरा कानून आम जनता और गरीब लोगों के लिए है। न्यायपालिका में भी अब यही स्थिति देखने को मिलती है। न्यू इंडिया का यह नया आर्थिक मॉडल है, जहां कारपोरेट जगत की लूट को कानून का कवच मिला हुआ है। इस कवच के सहारे वह बैंकों को दिनदहाड़े लूट रहे हैं। लूट कर विदेशों में भाग जा रहे हैं। यहां रहते हुए भी उन्हें सरकार और बैंक की सहायता मिल रही है। आम आदमी को जरूर हर तरह से लूटा जा रहा है। आम लोगो को अपने अधिकार और अपने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए स्वयं आगे आना पड़ेगा अन्यथा यह क्रॉनि पूंजीवाद लोगों को गुलामी की दशा में ले जाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीः भारत की एकता के अमर प्रहरी

हेमन्त खण्डेलवाल

(डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस 6 जुलाई पर आलेख)

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गईं थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है। 2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया।

कुर्सी है तुम्हारा, ये जनाजा तो नहीं है" – सड़क से सोशल मीडिया तक पहुँची सियासत की तकरार

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ की राजनीति में बीते कुछ वर्षों में जितना बदलाव दिखा है, उतनी ही तेजी से संवाद के माध्यम भी बदले हैं। कभी विधानसभा की बहसों और प्रेस कांफ्रेंसों तक सीमित रहने वाली नेताओं की जुबानी जंग अब सीधे जनता के मोबाइल फोन की स्क्रीन पर, ट्विटर (अब X) जैसे मंचों पर लड़ी जा रही है। ताज़ा मामला भी कुछ ऐसा ही है, जहाँ एक खराब सड़क से शुरू हुआ सवाल, सत्ता और विपक्ष के बीच तीखे शब्दों की लड़ाई में तब्दील हो गया। इस बार मैदान है – सोशल मीडिया।

इस पूरे विवाद की शुरुआत एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अवैध घुसपैठियों की जानकारी देने के लिए टोलफ्री नंबर जारी करने की अपील की। यह एक नियमित प्रशासनिक घोषणा थी, लेकिन जनता की तकलीफें अक्सर वहां से बोल पड़ती हैं, जहाँ से सरकार जवाब देने की उम्मीद नहीं करती। विजय शर्मा की पोस्ट पर एक व्यक्ति ने तंज़ कसते हुए पूछा – यदि सड़क खराब हो, बदहाल हो, तो उसकी जानकारी कहाँ दी जाए, मंत्री महोदय? इस प्रश्न ने न केवल जमीनी हकीकत को उजागर किया, बल्कि एक राजनीतिक ज्वालामुखी का मुंह भी खोल दिया। उपमुख्यमंत्री ने जवाब में जो किया, वही विवाद की जड़ बन गया। उन्होंने जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मोबाइल नंबर शेयर करते हुए लिखा – इस नंबर पर दीजिए, क्योंकि यह उन्हीं की देन है। राजनीतिक कटाक्ष की कला में माहिर माने जाने वाले भूपेश बघेल ने इस टिप्पणी को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने उसी पोस्ट पर तीखा पलटवार करते हुए लिखा –

कुर्सी है तुम्हारा, ये जनाज़ा तो नहीं है।
कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते,
कमाल है विजय शर्मा जी!

यह टिप्पणी न केवल काव्यात्मक कटाक्ष थी, बल्कि सत्ता पक्ष की अक्षमता पर करारा तंज भी। बघेल ने आगे और तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि आप (विजय शर्मा) सड़कों की दुर्गति नहीं सुधार सकते और मेरी मदद चाहिए, तो उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री का पद छोड़ दीजिए। अगर जनता को ही सब संभालना है, तो भाजपा सरकार को भी इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा प्रश्न यह है – क्या सत्ता पक्ष अपने कर्तव्यों से पलायन कर रहा है? जनता का सवाल सीधा था – सड़क खराब है, उसकी शिकायत कहाँ करें। उप मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने की बजाय, पूर्ववर्ती सरकार को दोषी ठहराते हुए नंबर शेयर कर दिया।

यह राजनीतिक शैली कोई नई नहीं है – नई सरकार अक्सर पुरानी सरकार की नाकामियों को उजागर कर अपनी कमज़ोरियों पर पर्दा डालती है। लेकिन जब सवाल जनता के बुनियादी हक़ से जुड़ा हो – जैसे कि सड़क, पानी, बिजली, राशन, तो इस तरह की जवाबदेही से बचने वाली रणनीति भारी पड़ सकती है। इस विवाद ने एक और बात साफ़ कर दी – सोशल मीडिया अब नेताओं के लिए केवल प्रचार का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि यह अब विरोध का अखाड़ा बन चुका है। विजय शर्मा और भूपेश बघेल के बीच की यह जंग जितनी सड़कों पर नहीं दिखी, उतनी X (ट्विटर) पर दिखाई दी।

जनता के लिए यह दृश्य रोचक हो सकता है, लेकिन एक गहरी चिंता भी छिपी है – क्या लोकतंत्र में संवाद की गंभीरता इस हद तक कम हो चुकी है कि अब सत्ताधारी नेता भी तंज़ के सहारे शासन चला रहे हैं? सवाल यह नहीं है कि पोस्ट किसने किया और जवाब किसने दिया। असली सवाल यह है कि आज भी छत्तीसगढ़ के कई ज़िलों में सड़कें बदहाल हैं, बरसात में कीचड़ और गड्ढे हादसे का सबब बनते हैं, ग्रामीण अंचलों में एंबुलेंस पहुँचने में घंटों लगते हैं। भूपेश बघेल जब मुख्यमंत्री थे, तब भी इन समस्याओं पर सवाल उठते थे। विजय शर्मा अब सत्ता में हैं, तो उन्हें जवाब देना होगा। लेकिन अगर हर नया मंत्री पुरानी सरकार को ही दोष देता रहेगा, तो जनता के सवाल हमेशा अनुत्तरित ही रहेंगे। इस प्रकरण में एक और चिंताजनक पक्ष यह है कि राज्य के दो वरिष्ठ नेता – एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक मौजूदा उप मुख्यमंत्री – सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर न केवल व्यक्तिगत टिप्पणियाँ कर रहे हैं, बल्कि मोबाइल नंबर तक साझा कर रहे हैं। यह न केवल गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन है, बल्कि एक असंवेदनशील राजनीतिक मानसिकता को भी दर्शाता है। राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा का पतन दुर्भाग्यपूर्ण है। विशेषकर तब, जब जनता रोज़मर्रा की समस्याओं से जूझ रही हो। इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि वर्तमान सरकार विपक्ष की भूमिका से बाहर नहीं निकल पा रही है। उन्हें अब यह समझना होगा कि वे सत्ता में हैं, और समस्याओं का समाधान देना उनकी जिम्मेदारी है, न कि बहाने देना।

दूसरी ओर, विपक्ष को भी केवल कटाक्ष करने की बजाय, ठोस विकल्प और नीतिगत सुझाव देने चाहिए। जनता अब केवल बयानबाज़ी से संतुष्ट नहीं होती। कई विश्लेषक मानते हैं कि यह विवाद पूर्णतः अप्रत्याशित नहीं था। भाजपा की सरकार पर विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि वह मुद्दों से भटकाने के लिए सोशल मीडिया विवादों का सहारा ले रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस इसे एक मौका मानती है खुद को 'जनता के प्रवक्ता' के रूप में स्थापित करने का। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ की राजनीतिक ध्रुवीकरण को स्पष्ट कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का यह कहना कि अगर जनता को ही सब देखना है, तो हम देख लेंगे, आप दफ़ा हो जाइए, सत्ता के प्रति गुस्से का प्रतीक है। लेकिन यह बयान भी इस बात को उजागर करता है कि हमारी राजनीति अब भावनाओं पर ज्यादा, और समाधान पर कम केंद्रित हो गई है। सवाल यह है – क्या सड़क बनवाने का हल सोशल मीडिया पर कटाक्ष है? क्या प्रशासनिक जवाबदेही केवल पुराने शासन को दोष देकर निभाई जा सकती है? और क्या जनता की समस्याएँ अब केवल राजनीतिक तकरार का हिस्सा बनकर रह जाएँगी?

श्यामा प्रसाद मुखर्जीः राष्ट्र के चरमोत्कर्ष की यज्ञवेदी पर प्राणोत्सर्ग

हेमेन्द्र क्षीरसागर

डां श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष, एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शिक्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीध्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निर्माताओं में से थे।

उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिंद्धातों से समझौता नहीं किया। हाँ, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा। डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅंसना नहीं, वरन् उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, ' कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅंटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुँच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहाँ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।

संकल्पित, मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी थे।

डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्यिां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था।

डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः '' एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।'' अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे।

बलिवेदी, 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम था।

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

मंत्र महर्षि डॉ. योगभूषण महाराज

(चातुर्मास शुभारंभ-06 जुलाई 2025 पर विशेष)

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को "चातुर्मास" या "वर्षायोग" कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों

के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए हैं। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

रामायण' की शूटिंग के पहले पार्ट की फिल्मांकन प्रक्रिया पूरी

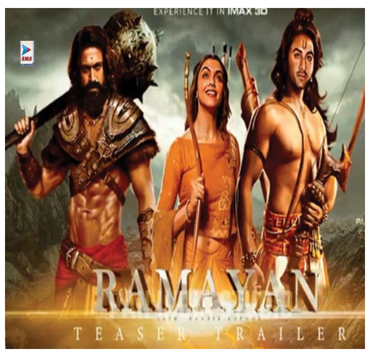

बालीवुड फिल्म निर्देशक नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म रामायण रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। इस बडे बजट की फिल्म में उनके साथ सनी देओल, यश, रवि दुबे, शीबा चड्ढा, अरुण गोविल और लारा दत्ता जैसे कई दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे।

लंबे समय से चल रही शूटिंग के पहले पार्ट की फिल्मांकन प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म की स्टारकास्ट और क्रू के साथ एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें सेट पर शूटिंग खत्म होने के बाद का जश्न नजर आ रहा है। वीडियो में निर्देशक नितेश तिवारी बेहद भावुक होकर अपनी टीम को धन्यवाद देते दिखाई देते हैं। इसके बाद रणबीर कपूर भी माइक संभालते हैं और फिल्म की पूरी टीम और तकनीकी स्टाफ का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। इस वीडियो में केक कटिंग सेरेमनी भी नजर आती है, जिसमें रणबीर कपूर अपने छोटे भाई लक्ष्मण का किरदार निभा रहे रवि दुबे को गले लगाते हैं। शूटिंग पूरी होने के जश्न का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और फैन्स इसे खूब पसंद कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि नितेश तिवारी की यह फिल्म अब तक की सबसे खास और भव्य रामायण बनने की तैयारी में है। फिल्म को तीन भागों में बनाने की योजना है और पहले भाग की शूटिंग पूरी होते ही अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू होने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 4 जुलाई को फिल्म का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया जाएगा जो करीब तीन मिनट लंबा होगा। इस टीजर को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है क्योंकि पहली बार फिल्म की भव्य दुनिया और कलाकारों के लुक से पर्दा उठेगा। फिल्म में रणबीर कपूर राम और साई पल्लवी सीता के किरदार में नजर आएंगी। वहीं रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं। सनी देओल हनुमान के रोल में दिखेंगे जबकि कन्नड़ सुपरस्टार यश रावण का अहम किरदार निभा रहे हैं। लारा दत्ता कैकेयी, शीबा चड्ढा मंथरा और रामानंद सागर के मशहूर टीवी रामायण में राम का किरदार निभा चुके अरुण गोविल इस बार राजा दशरथ की भूमिका में नजर आएंगे।

बच्चों को लिखना इस प्रकार सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यतः बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अतः वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता। बच्चे को ऐसा लगना चाहिए कि मैं जो कुछ लिख रहा हूं, उस पर माता-पिता खुश हो रहे हैं।

यह बहुत आवश्यक है, इससे बच्चे का उत्साह बढ़ता है। बच्चे किसी एक काम से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं, इसलिए लिखने का काम भी उनसे जबरदस्ती नहीं करवाना चाहिए। बच्चे से ऐसी चीजें लिखवाएं जिससे उसमें रुचि पैदा हो।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमी शुक्रोदय, पूर्वे तिथी, एकादशी, रविवासरे, विशाखा नक्षत्रे, साध्य योगे, वव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, भद्रा 5/07, हरि शयनी देवशयनी एकादशी व्रत, पुर्नवसु रवियोग 25/46 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति, धनी-मानी, शासकीय कर्मचारी, बैंक कैशियर, लेखापाल, धार्मिक प्रवृत्ति का होगा।

मेष राशि :- कार्य कुशलता एवं समृद्धि के फलप्रद योग बनेंगे, रुके कार्य बनने से हर्ष होगा, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि :- कार्य तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य ही होगा, समय स्थिति का लाभ लें।

मिथुन राशि :- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बन जायेंगे।

कर्क राशि :- सोच-समझकर निर्णय लें अन्यथा कुछ विभ्रम व विकार की स्थिति बनेगी, धैर्य रखें।

सिंह राशि :- समय की अनुकूलता से विशेष लाभ होगा, कार्य वृद्धि होगी, लेन-देन के कार्य मध्यम रहेंगे।

कन्या राशि :- मानसिक विभ्रम, किसी आरोप में फंस सकते हैं, रुके कार्य बन ही जायेंगे ध्यान दें।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा कार्य संतोष होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य कुशलता से संतोष होगा, योजनायें फलीभूत अवश्य होंगी ध्यान दें।

धनु राशि :- आरोप व क्लेश से असमंजस की स्थिति रहेगी, आशानुकूल लाभ एवं सफलता से हर्ष होगा।

मकर राशि :- तनावपूर्ण वातावरण रहेगा, धन लाभ, सफलता से हर्ष का वातावरण रहेगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता व असमंजस की स्थिति से कष्ट होगा।

मीन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहेगा, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता आयेगी, समय को ध्यान में रखकर कार्य करें।

गुस्सैल बच्चों पर ऐसे करें नियंत्रण

बच्चे का मन बहुत कोमल होता है। शुरू से ही बच्चों में आसपास का माहौल उसके स्वभाव में देखने को मिलता है। कुछ बच्चे बहुत जिद्दी होते हैं। बात-बात पर गुस्सा करना, चिड़चिड़ापन, बात को सुनने में आनाकनी करना आदि से कई बार उनके मां-बाप भी परेशान हो जाते हैं लेकिन इसके पीछे की वजह खुद मां-बाप का व्यवहार भी है। जिसका असर बच्चे के कोमल मन पर भी पड़ता है। हो सकता है कि आप जाने-अनजाने अपने लाड़ले के सामने कुछ ऐसी गलतियां कर रहे हैं, जिसका असर भी उस पर पड़ रहा है। आप अपने बच्चे के हाइपर एक्टिव स्वभाव से चिंतित हैं तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

मारपीट न करें

ऐसे बच्चों में आत्मसम्मान की भावना 3 से 4 साल की उम्र में ही शुरू हो जाती है। अगर आप ऐसे बच्चों को किसी के सामने चिल्लाकर या फिर मारपीट कर समझाते है तो इससे उनके आत्मसम्मान को धक्का लगता है और उनके अंदर कुछ भी सीखने की भावना खत्म हो जाती है। ऐसे में आपका बच्चा कोई गलती करता है तो आप उसे अकेले में प्यार से समझाएं।

गलतियों पर प्यार से समझाएं

बचपन में गलतियां करना बच्चों का स्वभाव होता है। इसका मतलब यह नहीं होता कि आप उन्हें छोटी-सी गलती करने पर मारने-पीटने लग जाएं। ऐसे सभी के सामने उन्हें मारने से उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाएगा और उन्हें बहुत जल्दी गुस्सा आने लगेगा और आपके प्रति सम्मान भी कम होगा। इसलिए बच्चों को जरा-सी गलती करने पर मारना-पीटना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें गलती सुधारने के लिए प्यार से समझाना चाहिए।

बच्चों पर रखें नजर

कुछ बच्चों को बहुत जल्दी गुस्सा आने के कारण वह अपने दोस्तों से भी जल्दी झगड़ा करने लगते हैं। ऐसे में इस तरह के बच्चों की गलतियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए। उनकी स्कूल टीचर या स्कूल ले जाने वाली गाड़ी के ड्राइवर से भी उनके बारे में पूछते रहना चाहिए और उनकी गलतियों के सुधारने की कोशिश करनी चाहिए।

व्यवहारिक ज्ञान दें

बच्चे अपना स्कूल का काम बहुत जल्दी खत्म करके खेलने-कूदने लग जाते हैं। ऐसे में मां-बाप उन्हें हर समय पढ़ने के लिए कहते रहते है। अगर आपके बच्चें पढाई में होशियार है इसका मतलब यह नहीं कि वह हर वक्त पढ़ाई में लगे रहें। इसलिए बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी होना चाहिए।

किशोर होते बच्चों का इस प्रकार रखें ध्यान

किशोर होते बच्चों का ध्यान रखते समय आपको विशेष सावधानियां बरतनी चाहिये। इसका कारण है कि अब आपका बच्चा बड़ा हो रहा है और अपने तरीके से रहना चाह रहा है। ऐसे में उसे सही और गलत की पहचाना कराने की जिम्मेदारी आपके पास है पर कई बार देखा गया है कि बचपन में समझदार और सुलझा हुआ हमारा बच्चा किशोर उम्र का होते-होते इतना अजीबो-गरीब व्यवहार करने लगता है। आप कई बार सबकुछ संभालने की कोशिश करते हैं पर हालात आपके मुताबिक सुधर नहीं पाते। किशोर होते की उम्र में आपका बच्चा खुद को आजाद समझने लगता है। इस उम्र में बच्चे अपने खुद के निर्णय लेना चाहते हैं।

आपको अगर अपने बच्चे के साथ बेहतर रिश्ता बनाना है तो आपको अपने बच्चे को ठीक से समझना होगा। उनकी भावनाओं को आपको ध्यान में रखना होगा। आपका बच्चा इस उम्र में खुद पर निर्भर होना चाहता है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चे को थोड़ा समय देना चाहिए।

बच्चों में अचानक आए बदलाव पर ऐसे नजर रखें

इस उम्र में अक्सर ऐसा होता है कि बच्चे आपकी कोई भी सलाह नहीं लेना चाहते। ये बुरा जरूर लगता है पर इस वक्त आपको बड़ी समझदारी दिखानी होगी। अपने बच्चे को वक्त दें जब तक वो सही रास्ते पर है। अगर आपको लगे कि आपका बच्चा किसी गलत दिशा में जा रहा है तो तुरंत उसे सामने बिठाकर बात करिए।

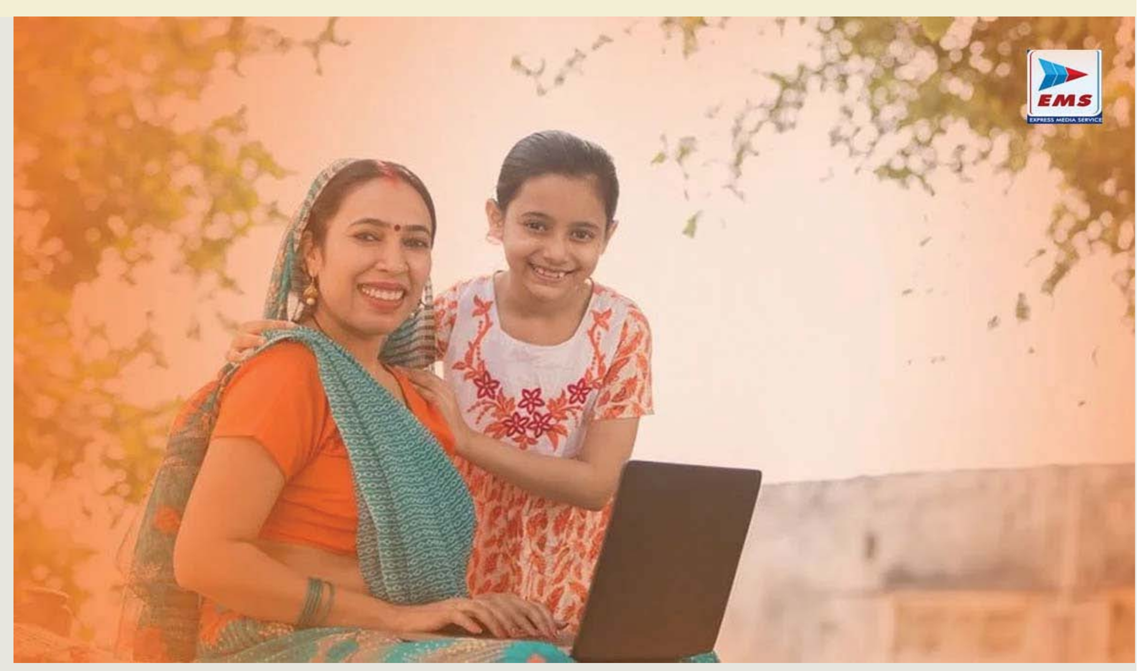

इस उम्र में बच्चे अपने खाने-पीने, कपड़े, दोस्तों से लेकर सोने का समय तक स्वयं तय करना चाहते है। ऐसे समय में अपने बच्चे को कुछ बातों के निर्णय खुद लेने दे। कुछ बातों पर उन्हें प्यार से समझाएं कि फैसले लेने में आपका साथ कितना जरूरी है। आपका बच्चा गलत आदतों का शिकार भी हो सकता है। उसे शराब, सिगरेट जैसी गलत आदत की लत भी लग सकती है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें आजादी तो दे पर मर्यादा के अंदर। बाहर घूमने, देर रात घर आने जैसी बातों पर एक कड़ा नियम जरूर बनाएं। उसे अपनी जिंदगी में आजादी तो दे पर अपनी पूरी देख-रेख में। इस उम्र में अक्सर आपका और आपके बच्चे का विचार एक जैसा नहीं होता।

तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें किसी बात के लिए गलत तरीके से जबरदस्ती न करें।ध्यान से उनकी बात सुनें और उन्हें दोनों पहलुओं पर सोचने को कहें। उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप क्यों सही है और वो क्यों गलत। यह बात ध्यान रखें कि वे अब छोटे बच्चे नहीं है जिन पर आप अपनी मर्जी थोप सकें। उन्हें केवल तार्किक और भावनात्मक लगाव के साथ ही आप अपनी बातें समझा सकते हैं।

मां-बाप बच्चे के सबसे पहले टीचर होते हैं. अगर आपका बच्चा गलत भी है तो भी आप उसे गुस्से में आकर नजरअंदाज न करें। उन पर अपनी नजर हमेशा बनाएं रखे। ऐसा करने से आप अपने बच्चे पर नजर भी बनाए रखेंगे और आपका रिश्ता भी खराब नहीं होगा।

बच्चे हो रहे साइबर बुलीइंग का शिकार

हाईटेक जमाने में आजकल बच्चे भी इंटरनेट पर सक्रिय रहते है। इस दौरान कब वे साइबर बुलीइंग के खतरनाक रूप से शिकार हो जाते हैं पता ही नहीं चलता। बुलीइंग का मतलब तंग करना है। इतना तंग करना कि पीड़ित का मानिसक संतुलन बिगड़ जाए। बुलीइंग पीड़ित को मानसिक, इमोशनल और दिमागी रूप से प्रभावित करती है। बुलीइंग जब इंटरनेट के जरिए होता है तो इसे साइबर बुलीइंग कहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 प्रतिशत बच्चे इसका शिकार पाए गए हैं। एक अध्ययन में पता चला है कि यह बुलीइंग केवल ऑनलाइन नहीं रही है। इसके तहत एक स्कूल की एक ही क्लास के 174 बच्चों को शामिल किया था। यह स्कूल भले ही सरकारी था, लेकिन इंग्लिश मीडियम का था। बच्चे मिडल क्लास के थे। 174 स्कूली बच्चों में 121 लड़के और बाकी लड़कियां थीं। अध्ययन में एक सरकारी स्कूल को शामिल किया गया था। इसमें 8वीं क्लास के 174 बच्चों को रखा गया। उनकी उम्र 11 से 15 साल के बीच थी। हैरानी की बात है कि 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर बुलीइंग के बारे में पता था। 17 प्रतिशत बच्चे बुलीइंग के शिकार थे। 7 प्रतिशत बच्चों ने माना कि वे दूसरों की बुलीइंग कर चुके हैं। अध्ययन में पाया गया कि 15 प्रतिशत बच्चे शारीरिक तौर पर भी बुलीइंग के शिकार हो रहे हैं। इसमें मारपीट की धमकी देकर डराया गया था।

क्या है साइबर बुलीइंग अभिभावक रहें सतर्क

रिसर्च करने वाले डॉक्टर का कहना है कि बच्चे को अब स्मार्ट फोन और इंटरनेट के उपयोग से रोक पाना तो मुश्किल है, लेकिन अभिभावकों की भूमिका जरुर बढ़ गयी है। उन्हें अपने बच्चों के व्यवहार पर नजर रखनी होगी। उन्हें बच्चे पर नजर रखनी होगी कि उनकी नींद कैसी है। खानपान में दिलचस्पी, चिड़चिड़ापन, रिश्तेदारों से मिलने से कतराना और अकेले रहने के लक्षण किसी प्रकार के तनाव की वजह हो सकते हैं। शिक्षकों को भी देखना चाहिए कि बच्चों का व्यवहार अचानक तो नहीं बदल रहा।

वजन बढ़ने से शिशुओं को हो सकता है अस्थमा

शुरुआती तीन वर्षों में वजन बढ़ने से शिशुओं में संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों में शुरुआती तीन वर्षों में विकास होने के कारण उनके फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है, जिससे 10 साल की आयु में दमा का खतरा बढ़ जाता है। एक अध्ययन रिपोर्ट में सामने आया है कि जीवन के शुरुआती वर्षों में अत्यधिक वजन बढ़ने से शिशुओं में संक्रमण और बचपन के अस्थमा के खतरे को बढ़ सकता है।

अध्ययन में बताया गया है कि जिन शिशुओं का वजन सर्वाधिक रफ्तार से सबसे ज्यादा बढ़ा है, ऐसे बच्चों में 10 वर्ष की आयु में संक्रमण की समस्या देखी गई है।

यह भी बताया गया है कि बच्चे का बॉडी मास इंडेक्स जितनी देर में अपने शिखर पर पहुंचेगा, उसके फेफड़ें उतना ही अच्छा काम करेंगे, जिससे दमा का खतरा कम हो जाएगा।

अध्ययन के परिणामों इस बात की पुष्टि की गई है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों के विकास में फेफड़ें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अध्ययन में 10 साल तक के लगभग 4,435 बच्चों को शामिल किया था। इस दौरान उनके जन्म से पहले तीन साल तक उनके वजन और लंबाई पर नजर रखी गई है।

बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त गंवाई

- सेंसेक्स 193 अंक बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद

- निफ्टी 55 अंक बढ़कर 25,461 अंक पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार ने बीते सप्ताह दो हफ्ते की बढ़त गंवा दी। बाजार के जानकारों ने कहा कि वित्तीय सेक्टर में बड़ी साप्ताहिक गिरावट से बाजार में दबाव रहा। वहीं टैरिफ डेडलाइन से पहले निवेशक बाजार में सतर्क बने रहे। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर खुला और 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर खुला और 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले दिन हुई गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को हरियाली लौटी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.79 अंक चढ़कर 83,784.25 पर खुला और 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 51.2 अंक चढ़कर 25,568.25 पर खुला और 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरियाली बरकरार रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.56 अंक चढ़कर 83,933.85 पर खुला और 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 66.3 अंक चढ़कर 25,608.10 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख को दर्शाते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक चढ़कर 83,652.52 अंक पर खुला और 170.22 अंक गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 83.65 अंक चढ़कर 25,537.05 अंक पर खुला और 48.10 अंक गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान बैंक शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि, बाद में बाजार में सपाट रुख देखने को मिला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 67.34 अंक बढ़कर 83,306.81 पर खुला और 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 23.55 अंक बढ़कर 25,428.85 पर खुला और 55.70 अंक बढ़कर 25,461 अंक पर बंद हुआ।

20 दिनों से खड़े एफ-35 फाइटर जेट को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़

वायरल मीम्स में एफ-35 को भारतीय नागरिकता मिलने की बात कही गई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ब्रिटिश रॉयल नेवी का एफ-35 फाइटर जेट 20 दिनों से तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसा हुआ है। ब्रिटिश इंजीनियर की कड़ी मेहनत भी जेट को ठीक नहीं कर सकी। इस अब टुकड़े में एयरलिफ्ट कर वापस ब्रिटेन भेजने की तैयारी है। लेकिन इस बीच उससे जुड़े कई मीम्स और कार्टून सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। इस लेकर एक कार्टून भी छपा है, जिसमें एक नारियल विक्रेता ब्रिटिश क्रू मेंबर से पूछता नजर आ रहा है कि भाई साहब इस फाइटर जेट की माइलेज क्या है? क्या इसमें डीजल इंजन को इंस्टॉल किया जा सकता है? इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह से मीम्स वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर ब्रिटिश फाइटर जेट का आधार कार्ड भी वायरल हो गया है, जिसे देख लोगों की हंसी नहीं रुक रही है। वायरल मीम्स में एफ-35 को अब भारतीय नागरिकता मिलने की बात कही गई है। इस आधार कार्ड को डिजिटल रूप से जनरेट किया गया है। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किए जा रहे हैं।

रिजर्व बैंक ने जारी की कर्ज देने वाले 1600 वेध डिजिटल एप की सूची

मुंबई (ईएमएस)। रिजर्व बैंक ने 1600 एप की सूची जारी की है। यह सारे ऐप कर्ज देने वाली संस्थाओं के हैं।रिजर्व बैंक ने इन्हें वेध डिजिटल ऐप की सूची में रखा है। उपभोक्ता अब यह आसानी से पता लगा सकेंगे। कौन सा ऐप वेध है, एप, रिजर्व बैंक के नियामक दायरे में आता है, या नहीं। इस ऐप में गूगल पे,भारत पे,पर लैंडिंग कार्ट, पेटीएम जैसे सभी 1600 ऐप शामिल किए गए हैं। रिजर्व बैंक ने मई माह में सभी कर्ज देने वाले डिजिटल ऐप की रिपोर्ट की सूची जारी की है। इससे आसानी से पता लग सकेगा। कौन सा ऐप वेध है।अभी जो धोखाधड़ी हो रही है। उसको रोकने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने क्रेडिट सूचना कंपनियों को निर्देश जारी किया है। वह सिविल स्कोर की जानकारी रियल टाइम पर उपलब्ध करायें। पहले कंपनी 15 दिन में इसे अपडेट करती थी। अब रियल टाइम के हिसाब से अपडेट करना होगा। इससे लोगों का क्रेडिट स्कोर पर भरोसा बढ़ेगा। बैंक और एनबीएफसी जैसी वित्तीय संस्थानों को लोन देने में आसानी होगी। उनका जोखिम कम होगा।

पाकिस्तान में अजरबैजान ने दो अरब डॉलर के निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान और अजरबैजान ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दो अरब डॉलर के निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के बीच अज़रबैजान द्वारा आयोजित आर्थिक सहयोग संगठन (ईसीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक के बाद हस्ताक्षर किए गए। दस्तावेज़ पर अज़रबैजान के खानकेंडी में विदेश मंत्री इशाक डार और अज़रबैजान के अर्थव्यवस्था मंत्री मिकायिल जब्बारोव ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान अलीयेव और शरीफ भी मौजूद रहे। एक खबर के मुताबिक दोनों देशों के बीच निवेश और व्यापार संबंधों को ऐतिहासिक स्तर पर ले जाने के लिए अज़री राष्ट्रपति की पाकिस्तान यात्रा के दौरान विस्तृत समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अलीयेव की यात्रा की तारीखें अभी तक ज्ञात नहीं हैं, लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह इस साल होगी। पाकिस्तान और अजरबैजान के बीच संबंधों में सुधार हुआ है और हाल ही में भारत के साथ हुए संघर्ष में भी पाकिस्तान ने उसका साथ दिया है।

टाटा पावर रिन्यूएबल ने लगाये 45,589 रूफ टॉप सोलर प्लांट

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टाटा पावर) की सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 45,589 रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना की। देश की एक नंबर कंपनी होने का दावा करने वाली टीपीआरईएल ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। पिछले साल कंपनी ने इसी अवधि में 8,838 रुफटॉप सौर इंस्टॉलेशन लगाये थे। इस तरह कंपनी ने इस काम में साल-दर-साल 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चमत्कारिक प्रदर्शन किया है।

सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट से निवेशक सतर्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह की शुरुआत में आई मजबूती के बाद अब सोने के भाव नीचे लुढ़कने लगे हैं। शनिवार को 24 कैरेट सोना 100 ग्राम पर 6,000 सस्ता होकर 9,87,300 पर पहुंच गया, जबकि 10 ग्राम सोने की कीमत 600 घटकर 98,730 हो गई। इसके साथ ही 22 कैरेट सोना भी 100 ग्राम पर 5,500 टूटकर 9,05,000 पर आ गया है। 1 जुलाई से 3 जुलाई के बीच सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई थी। उस दौरान 24 कैरेट सोना 100 ग्राम पर 20,700 और 10 ग्राम पर 2,070 रुपए महंगा हुआ था। अब कीमतों में आई यह गिरावट निवेशकों को सतर्क कर रही है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों की वजह से हो सकती है। वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी कमजोरी देखने को मिली। अगस्त एक्सपायरी वाले गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट 4 जुलाई को 96,735 प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक गिरा और 96,988 पर बंद हुआ। हालांकि, चांदी में मामूली बढ़त रही और यह 9 रुपए की तेजी के साथ ,08,438 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। वैश्विक स्तर पर हाजिर सोना फिलहाल 3,340 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के अनुसार, अमेरिकी राजकोषीय घाटा और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए आने वाले दिनों में सोने की कीमतों में फिर से तेजी आ सकती है। निवेशकों को इस उतार-चढ़ाव के बीच सोच-समझकर निर्णय लेने की सलाह दी जा रही है।

सकारात्मक संकेत मिलने से निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतों में सुधार संभव

मुंबई,(ईएमएस)। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आपूर्ति पक्ष से सकारात्मक संकेत मिलने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेत मिलने के कारण निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतों में सुधार होगा। हालांकि मांग संबंधी चिंताओं के कारण वैश्विक धारणा प्रभावित हो रही है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर प्रमुख तकनीकी स्तर कायम रहे, तब कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है।

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को नरम रहीं। कीमतें कम कारोबार और कमजोर वैश्विक मांग के बीच 65 डॉलर के मध्य रेंज के आसपास कारोबार कर रही थीं।

हालांकि, विश्लेषक खासकर ओपेक प्लस बैठक और अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा जैसे प्रमुख आयोजनों के साथ संभावित बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। तकनीकी शोध विश्लेषक ने कहा कि क्रूड ऑयल आउटलुक मिश्रित बना हुआ है, लेकिन सतर्क आशावाद के कारण हैं। उन्होंने कहा कि खासकर चीन और यूरोजोन में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में स्लोडाउन के कारण मांग प्रभावित हुई है। साथ ही ओपेक प्लस उत्पादन में कटौती के कारण ग्लोबल सप्लाई अभी भी कम है। उन्होंने बताया, मुख्य रूप से सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में की गई इन कटौतियों ने कीमतों में अधिक गिरावट को रोकने में मदद की है। ओईसीडी देशों से मांग के कम अनुमानों के बावजूद, कॉर्डिनेटेड उत्पादन प्रतिबंध कीमतों को एक आधार प्रदान कर रहे हैं और जब तक सप्लाई पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता, तब तक रणनीतिक खरीद द्वारा समर्थित क्रूड ऑयल फ्यूचर के व्यापक दायरे में बने रहने की संभावना है।

भू-राजनीतिक जोखिम, जिसने पहले कीमतों को बढ़ाया था, ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम के बाद कुछ हद तक कम हो गया है। परमाणु अप्रसार संधि के लिए ईरान की नई प्रतिबद्धता ने भी बाजार को शांत करने में मदद की है। जबकि दक्षिण चीन सागर और मध्य पूर्व में तनाव बना हुआ है।

एलआईसी ने पेश की दो नई योजनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए दो नई योजनाएं लॉन्च की हैं — नव जीवन श्री (प्लान 912) और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (प्लान 911)। ये योजनाएं बचत और जीवन बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती हैं, जिससे वित्तीय सुरक्षा और भविष्य के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सके। नव जीवन श्री योजना विशेष रूप से युवा पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो बचत के साथ परिवार को जीवन बीमा सुरक्षा भी देती है। वहीं नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम योजना उन निवेशकों के लिए है जो एक बार में बड़ी राशि निवेश कर फंड बनाना चाहते हैं। एलआईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन योजनाओं को लॉन्च किया। ये योजनाएं शिक्षा, विवाह, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे महत्वपूर्ण जीवन लक्ष्यों के लिए आर्थिक मदद प्रदान करेंगी और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेंगी।

पीसी ज्वेलर के शेयरों में जोरदार उछाल 7 दिनों में 35 फीसदी की तेजी

मुंबई (ईएमएस)। पीसी ज्वेलर के शेयरों ने पिछले एक सप्ताह में निवेशकों को राहत दी है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 16.71 पर बंद हुए, जो पिछले हफ्ते 12.38 रुपए के स्तर से करीब 35 फीसदी की तेजी दर्शाता है। इस तेजी के पीछे कंपनी के ताजा वित्तीय परिणाम और कर्ज में कमी की खबरें मुख्य वजह मानी जा रही हैं। पीसी ज्वेलर ने हाल ही में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए हैं, जिनमें कंपनी ने राजस्व में लगभग 80 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में बहुत प्रभावशाली है और कंपनी के मजबूत कारोबार को दर्शाती है। इसके साथ ही, कंपनी ने जून तिमाही में अपने बैंक कर्ज में 7.5 फीसदी की कटौती की है, जो उसकी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने का संकेत है। हालांकि, लंबे समय के परिप्रेक्ष्य में देखें तो पिछले 10 वर्षों में पीसी ज्वेलर के शेयरों में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई है।

भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा हैः पीयूष गोयल

- सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कभी आयात पर निर्भर रहने वाला भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। हाल ही में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है। भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने वैश्विक बाजार में आगे आने के लिए उद्योग को अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत उत्पाद डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर इन तीन पहलुओं को प्राथमिकता दी जाती है तो भारतीय खिलौने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत अपील हासिल कर सकते हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को डीजीसीए की फटकार

इंजन रिकॉर्ड में हेराफेरी का मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को एयरबस ए320 विमान के इंजन से जुड़े सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और रिकॉर्ड में हेराफेरी के लिए कड़ी फटकार लगाई है। मार्च में जारी किए गए एक गोपनीय सरकारी ज्ञापन से यह जानकारी सामने आई है। डीजीसीए की जांच में पता चला कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी के निर्देशों के तहत सीएफएम्ण इंटरनैशनल लीप-1A इंजन के महत्वपूर्ण पुर्जों को तय समय पर नहीं बदला। इन निर्देशों में पुर्जों की समयबद्ध मरम्मत और बदलाव की सख्त शर्तें थीं, ताकि उड़ान की सुरक्षा बनी रहे। डीजीसीए ने पाया कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस एंड इंजीनियरिंग ऑपरेटिंग सिस्टम में रिकॉर्ड बदलकर यह दर्शाया गया कि आवश्यक कार्य समय पर किया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी गलती स्वीकार की है और सुधारात्मक तथा निवारक कदम उठाने की बात कही है। यह मामला जून में अहमदाबाद में हुए एक भीषण विमान हादसे के बाद सामने आया है, जिसमें 242 में से 241 यात्रियों की मौत हो गई थी। उस हादसे के बाद से एयर इंडिया की सुरक्षा और संचालन प्रक्रियाओं की व्यापक जांच चल रही है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 115 से अधिक विमान हैं और यह 50 से ज्यादा गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 500 उड़ानें संचालित करती है। यह मामला भारतीय विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर गहरी चिंता पैदा करता है।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है। याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कोल्हापुरी चप्पलें आमतौर पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में हाथ से बनाई जाती हैं। भारत में कोल्हापुरी चप्पलों का निर्माण 12वीं या 13वीं शताब्दी से चल रहा है। मूल रूप से इस क्षेत्र के राजघरानों द्वारा संरक्षित कोल्हापुरी चप्पल स्थानीय मोची समुदाय द्वारा वनस्पति-टैन्ड चमड़े का उपयोग करके तैयार की जाती है और पूरी तरह से हाथ से बनाई जाती है। इसमें किसी कील या सिंथेटिक घटकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

ग्रामीण बाजारों में मांग तेज, एफएमसीजी कंपनियों को दिखी बिक्री में मजबूती

- मॉनसून के जल्दी आने से गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग प्रभावित

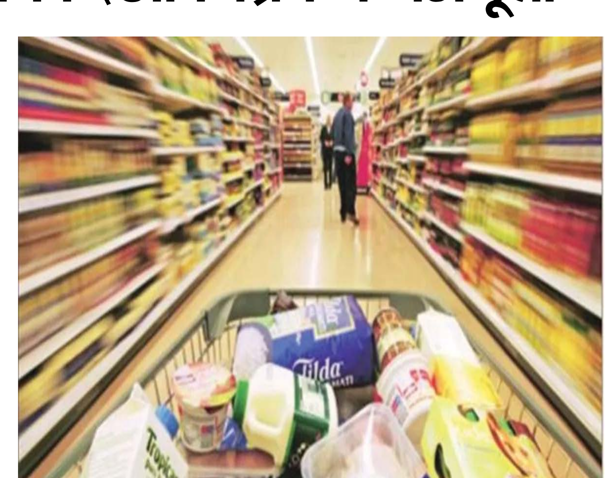

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की प्रमुख एफएमसीजी (दैनिक उपभोक्ता वस्तुएं) कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए निवेशकों को अपने प्रारंभिक अपडेट में बताया है कि वॉल्यूम ग्रोथ में तिमाही आधार पर सुधार देखा गया है। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में मांग धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। हालांकि कुछ कंपनियों को चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। डाबर इंडिया ने बताया कि इस तिमाही में वॉल्यूम ग्रोथ में वृद्धि हुई है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। लेकिन मॉनसून के जल्दी आने से गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग प्रभावित हुई और पेय पदार्थों की बिक्री में गिरावट आई। इसके चलते समेकित राजस्व में केवल एकल अंक में वृद्धि की उम्मीद है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने वॉल्यूम ग्रोथ को प्रतिस्पर्धी बताया और कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में दो अंकों की एबिटा वृद्धि की उम्मीद है। मैरिको ने कहा कि उसकी वॉल्यूम ग्रोथ कई तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंची है। ग्रामीण बाजारों में सुधार और शहरी मांग की स्थिरता इसके पीछे मुख्य कारण हैं। कंपनी को महंगाई में कमी और बेहतर मॉनसून से आगे भी सकारात्मक रुझानों की उम्मीद है। हालांकि, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने बताया कि कमजोर उपभोक्ता मांग ने इस तिमाही में दबाव डाला है, हालांकि चावल व्यवसाय में रणनीतिक मजबूती देखने को मिली है। कुल मिलाकर, एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में स्थिर सुधार दिख रहा है, लेकिन मौसमी बदलावों और उपभोक्ता व्यवहार में उतार-चढ़ाव कंपनियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहे हैं।

7 घंटे तक बरसते रहे कीव पर बम, सायरन और लोगों की सुनाई दे रही थी चीखें

ट्रंप बोले- यूक्रेन की हवाई सुरक्षा मजबूत की जाए? पुतिन को हुई टेंशन

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन की राजधानी कीव में शुक्रवार रात जो हुआ उसने सारी हदें पार कर दीं। 7 घंटे तक आसमान से ड्रोन और मिसाइलें पूरे शहर पर गिरती रहीं। बमों की गूंज, सायरनों की आवाज और मलबे में दबे लोगों की चीखें... यह सिर्फ एक हमला नहीं था, यह आतंक की लंबी रात थी। हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और 26 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की।जेलेंस्की ने इसे उत्पादक कॉल बताया। बातचीत में अमेरिका-यूक्रेन के संयुक्त हथियार निर्माण, एयर डिफेंस तकनीक और ड्रोन टेक्नोलॉजी देने पर चर्चा हुई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब खबर आ रही है कि अमेरिका ने हथियारों की सप्लाई रोक दी है, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम भी शामिल है। जेलेंस्की और ट्रंप की बातचीत का केंद्र बिंदु था, 'यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कैसे मजबूत की जाए? इस कॉल में ट्रंप ने जेलेंस्की को भरोसा दिलाया कि अमेरिका यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए साथ खड़ा रहेगा। इसको लेकर अब पुतिन टेंशन में आ गए हैं।ट्रंप ने यह भी कहा कि वे उस सैन्य सहायता की स्थिति की समीक्षा करेंगे जिसे हाल ही में पेंटागन ने स्थगित कर दी थी। पेंटागन की ओर से हाल ही में एयर डिफेंस इंटरसेप्टर्स और गोला-बारूद की सप्लाई को रोकने का फैसला ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों और यूक्रेन के लिए चौंकाने वाला था, लेकिन इस कॉल से संकेत मिला है कि अमेरिका पीछे नहीं हटने वाला और रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा कि मैं जानता हूं रूस की गतिविधियां कितनी बढ़ गई हैं। मैं ये देखूंगा कि किन मदद को रोका गया है और क्यों।बता दें इससे एक दिन पहले ट्रंप और पुतिन के बीच भी बात हुई थी, लेकिन ट्रंप ने उस बातचीत से निराशा जताई। ट्रंप ने कहा कि मैं बहुत निराश हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि पुतिन युद्ध रोकने के मूड में हैं। पुतिन ने दोहराया कि रूस अपने युद्ध लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। पुतिन से बात के बाद रूस ने तुरंत यूक्रेन पर एक और बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें छोड़ी गईं।रिपोर्ट के मुताबिक एक फोटोग्राफर ने बताया कि उनका घर हमले में तबाह हो गया है। उन्होंने कहा कि हम सब बेसमेंट में छिपे थे। घर पर रह जाते तो मर जाते। अधिकारियों के मुताबिक हमले से 300 टन से ज्यादा मलबा पड़ा है। 5 एंबुलेंस भी हमले की शिकार हुई। कीव की मेयर ने बताया कि 10 में से 5 जिलों को सीधा नुकसान हुआ है। बचावकर्मी हर तरफ मलबे में जिंदगियां तलाश रहे हैं। यूक्रेन की विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया पर लिखा- कीव की रात भयावह थी, ऐसी रात हमने पहले नहीं देखी। वहीं, अर्थव्यवस्था मंत्री यूलिया स्विरिदेंको ने बताया कि परिवार मेट्रो स्टेशनों में भागे, पार्किंग में छिपे, बच्चों की चीखें और बमों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। यह युद्ध नहीं, आतंक था। रूस ने दावा किया कि उसने कीव में डिफेंस फैक्ट्रियों को निशाना बनाया है, लेकिन जेलेंस्की ने इसे 'जानबूझकर आम नागरिकों को डराने की साजिश' बताया है।

भारत ने दिखाया पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैंः वित्त मंत्री

रियो डी जेनेरियो,(ईएमएस)। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एक अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर प्रभाव पैदा करने वाले देश के रूप में अपनी दोहरी भूमिका के साथ अपनी आकांक्षाओं को साझा करने वाले सभी लोगों के लिए परिवर्तन का नेतृत्व करते हुए मजबूत स्थिति में है।सीतारमण आधिकारिक यात्रा के दौरान चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथ विषय पर फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ग्लोबल साउथ में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को वित्तपोषित करना केवल धन जुटाने के बारे में नहीं है, यह निष्पक्षता, विश्वास और नेतृत्व का निर्माण करने से भी जुड़ा है।उन्होंने कहा कि भारत के लिए, लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकास में तेजी लाना जरुरी है। साथ ही, हीटवेव, वॉटर स्ट्रेस और एक्ट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे जलवायु संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। भारत नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और प्रांत-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं जैसी पहलों के जरिए उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए तेजी से काम कर रहा है।वित्त मंत्री ने कहा कि वास्तविक चुनौती डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के साथ साझेदारी में ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा दें और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करें।उन्होंने कहा कि जैसा कि हम 2030 के एजेंडे की ओर प्रयास कर रहे हैं, कोरोना महामारी के बाद विकासशील देशों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के लिए वित्तपोषण का अंतर सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो महत्वाकांक्षा और वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत एक अनोखे चौराहे पर खड़ा है। एक अरब लोगों की आकांक्षाएं तेजी से बदलते ग्रह की अनिवार्यताओं के साथ मिलती हैं। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर हमास का सकारात्मक जवाब

तेलअवीव,(ईएमएस)। हमास ने गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सकारात्मक जवाब दिया है। हमास के बयान के अनुसार, उन्होंने गाजा में अपने लोगों के खिलाफ जारी हमलों को रोकने के लिए मध्यस्थों के नए प्रस्ताव पर फिलिस्तीनी गुटों और फोर्सेज के साथ विचार-विमर्श कर अपना जवाब सौंप दिया है। हमास इस लागू करने की प्रक्रिया पर तुरंत गंभीरता से काम करने को भी तैयार है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि हमास का जवाब ज्यादातर उस नए प्रस्ताव के अनुरूप है, जिसे कतर और मिस्र की मध्यस्थता में तैयार हुआ है। इस संशोधित विटकॉफ योजना कहा जा रहा है। हमास के नेतृत्व के करीबी के मुताबिक, हमास ने मौजूदा मसौदे में कुछ छोटे-मोटे बदलावों का सुझाव दिया है, लेकिन इससे प्रस्ताव की मुख्य बातों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हमास ने मांग की है कि बेकरी, अस्पतालों और अन्य जरूरी सेवाओं को बेरोक-टोक चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में मदद पहुंचाई जानी चाहिए। मानवीय सहायता तटस्थ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठनों जैसे संयुक्त राष्ट्र, रेड क्रेसेंट और अन्य संबंधित एजेंसियों के जरिए पहुंचाई जाए। हमास वापसी की प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर चर्चा के लिए तैयार है, जब तक कि समग्र रूपरेखा बरकरार रहती है। हमास वार्ता के लिए 30 या 60 दिन के विशिष्ट विस्तार की मांग नहीं कर रहा है। इसके बजाय, हमास का मानना है कि वार्ता 60 दिन की अवधि से आगे भी जारी रहनी चाहिए, जब तक कि एक पारस्परिक और व्यापक समझौता नहीं होता।

अमेरिका में क्यों उठी मेलानिया को डिपोर्ट करने की मांग, ट्रंप के कारण

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में इन दिनों पूर्व फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप को देश से बाहर भेजने की मांग हो रही है। यह मांग एक सामाजिक अधिकार संगठन मूव ऑन द्वारा शुरू किए गए एक सिग्नेचर कैंपेन के द्वारा की गई है। इस अभियान का तर्क है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप विदेश मूल के लोगों की नागरिकता खत्म करने की योजना बना रहे हैं, तब सबसे पहले मेलानिया ट्रंप की नागरिकता खत्म होनी चाहिए। इस कैंपेन पर अब तक हजारों हस्ताक्षर हो चुके हैं, और कुछ ट्रंप विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं।मेलानिया को देश से बाहर भेजने की मांग के पीछे ट्रंप की नैचरुलाइज नागरिकों के लिए लाई गई एक नई स्कीम है। आलोचकों का कहना है कि यदि ट्रंप आव्रजन नियमों का लाभ उठाने वाले प्राकृतिक नागरिकों की जांच करना और उन्हें निर्वासित करना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी पत्नी के मामले को अनदेखा नहीं करना चाहिए।दरअसल मेलानिया का जन्म पूर्व यूगोस्लाविया (अब स्लोवेनिया) में हुआ था और वह 2006 में अमेरिकी नागरिक बनीं थीं। वह पहली अमेरिकी फर्स्ट लेडी हैं जो प्राकृतिक नागरिक हैं। 2018 में रिपोर्ट किया था कि उन्होंने खुद नागरिकता हासिल करने के बाद अपने माता-पिता को, जो स्लोवेनिया से थे, ग्रीन कार्ड और फिर नागरिकता के लिए प्रायोजित किया था। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में इसने नए सिरे से गति पकड़ी है। कुछ दिन पहले केवल 100 हस्ताक्षर थे, जो अब बढ़कर 6,000 से अधिक हो गए हैं। यह याचिका मेलानिया की आव्रजन स्थिति पर सवाल उठाती है और ट्रंप की आव्रजन नीति की आलोचना करती है।

भारत से हुई पिटाई...तब जाकर पाकिस्तान को चीन के हथियारों की सच्चाई सामने आई

अब चीन को छोड़ अमेरिका के सामने गिड़गिड़ा रहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। चीन को दशकों से ऑल वेदर फ्रेंड मानने वाला पाकिस्तान अब शायद अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने में जुट गया है। हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत से मिली करारी शिकस्त ने पाकिस्तान की आंखें खोल दी हैं। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने चीनी हथियारों की सच्चाई सामने ला दी है।इस सैन्य संघर्ष में चीन का एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम भारतीय हमलों के सामने टिक नहीं पाया और आसानी से तबाह हो गया। वहीं चीन की आधुनिक पीएल-15 मिसाइल तकनीकी खामियों के चलते दागी ही नहीं जा सकी। यह सब कुछ पाकिस्तान के सामने हुआ, जो कि ज्यादातर हथियार चीन से ले रहा हैं।लेकिन भारत से पिटने के बाद पाकिस्तान की सेना को इस बात का गहरा झटका लगा है कि जिस चीन पर वह भरोसा कर रहा था, वहीं अब भरोसे पर खरा नहीं उतर रहा। पाकिस्तान की लगभग 81 प्रतिशत सैन्य प्रणाली चीनी है, जिसमें ड्रोन, मिसाइलें और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। अब इन हथियारों की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं।सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान अब तुर्किये, रूस और यूरोपीय देशों से हथियार खरीदने के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। तुर्की से बैराकटर ड्रोन मिल चुके हैं, लेकिन अब पाकिस्तान को हथियारों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता दोनों पर गंभीर मंथन करना पड़ रहा है।रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों ने पाकिस्तान को यह दिखा दिया है कि सिर्फ सस्ते सौदे और रणनीतिक दोस्ती युद्ध जीतने में मदद नहीं कर सकते। आधुनिक सैन्य तकनीक में विश्वसनीयता और दक्षता सबसे अहम होती है।

ईरान के साथ भाईचारे वाला रिश्ता, उस पर हमला पूरे क्षेत्र की शांति पर असर

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने ईरान पर हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों को लेकर अपनी स्थिति बेहद कड़ी और स्पष्ट रूप में सामने रखी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि इस्लामी गणराज्य ईरान न सिर्फ हमारा पड़ोसी है, बल्कि भाईचारा रखने वाला देश भी है, और उस पर हमला पूरे क्षेत्र की शांति के लिए गंभीर खतरा है।
प्रवक्ता खान ने कहा, हमने ईरान पर हुए हालिया अमेरिकी और इजरायली हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। ये निंदा सबसे उच्च स्तर पर दर्ज कराई गई है। पाकिस्तान क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सिद्धांतों का पूर्ण समर्थन करता है।

मसूद अजहर मामले में पाकिस्तान ने फिर झाड़ा पल्ला बिलावल बोले, मसूद पाकिस्तान में नहीं

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान ने एक बार फिर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक साक्षात्कार के दौरान दावा किया कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है और उसे गिरफ्तार करने के लिए इस्लामाबाद को भारत की ओर से ठोस सबूत चाहिए।गौरतलब है कि वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की छवि दुनियाभर के आतंकवादियों को पालने और संरक्षण देने वाली रही है। इस बात के सबूत भी समय-समय पर मिलते रहे हैं। जहां तक बात मसूद अजहर की है तो भारत में कई बड़े हमलों से इसका नाम जुड़ा रहा है। जानकारी अनुसार मसूद अजहर का नाम भारत में जिन वीभत्स आतंकी हमलों के साथ जुड़ा रहा उनमें 2001 का संसद हमला, 2008 का 26/11 मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला, जिसमें 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। उक्त घटनाओं के कारण संयुक्त राष्ट्र ने 2019 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबूत

हाल ही में भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ एक गोपनीय सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके चार करीबी साथी मारे गए थे। यह कार्रवाई पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में स्थित जैश के ठिकानों पर की गई थी। अब ऐसे में जब बिलावल भुट्टो कहते हैं कि पाकिस्तान को नहीं पता मसूद कहां है। तो यह हास्यास्पद प्रतीत होता है।

बिलावल ने क्या कहा

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है। भारत के पास यदि कोई ठोस जानकारी है, तो उसे साझा करे, हम गिरफ्तार करेंगे। इसके साथ ही वो कहते हैं कि भारत के पास कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। मसूद के अफगानिस्तान में होने की अधिक संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में सरकारी हिरासत में है, और यह तथ्य भारत को स्वीकार करना चाहिए। बिलावल भुट्टो ने मसूद के अफगान जिहाद से पुराने संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि वह संभवतः अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। जानकारों की मानें तो बिलावल का यह बयान अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचने की रणनीति भी हो सकती है। बिलावल भुट्टो का यह बयान पाकिस्तान की परंपरागत रणनीति को ही उजागर करता है, जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ता है, आतंकियों की मौजूदगी से इनकार कर देना। भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सैन्य मोर्चे की नहीं, राजनयिक और वैचारिक स्तर पर भी सख्त रवैये की मांग करती है।

तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों सभी को मंहगा कर दो..... डब्ल्यूएचओ की दुनिया के देशों से अपील

जेनेवा,(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनिया भर के देशों से तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों पर कर बढ़ाकर अगले दशक में इनकी कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने का अनुराध किया है। यह सिफारिश यूएन फाइनेंस फॉर डेवलपमेंट सम्मेलन में पेश की गई और इसका उद्देश्य न केवल गंभीर बीमारियों को रोकना है, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना भी है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, इस कदम से मधुमेह, मोटापा, कैंसर जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।डब्ल्यूएचओ प्रमुख डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, "यह समय है कि सरकारें इस नए यथार्थ को स्वीकार करें और अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करें। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य अर्थशास्त्री गुइलेर्मो सांडोवाल के अनुसार, इस नीति के तहत किसी उत्पाद की कीमत जो आज एक मध्य-आय वाले देश में 4 डॉलर है, 2035 तक 10 डॉलर हो सकती है, इसमें महंगाई भी शामिल होगी।

पश्चिम एशिया में मिसाइल सुरक्षा का एक नया अध्याय शुरू, अमेरिका ने दिया सुरक्षा कवच

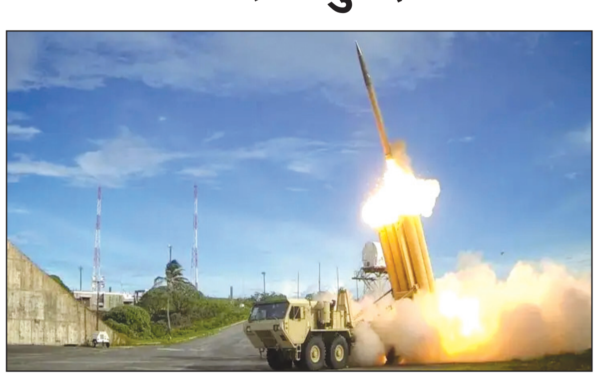

रियाद,(ईएमएस)। सऊदी अरब ने अपने पहले थाड मिसाइल सिस्टम बैटरी की आधिकारिक तैनाती कर दी है। इस घोषणा के साथ ही अब पश्चिम एशिया में मिसाइल सुरक्षा का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। सऊदी अरब को इजरायल वाला हथियार मिल गया है जो उसकी एयर डिफेंस की ताकत को बढ़ा देगी। इस हथियार का नाम टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस यानी थाड है। सऊदी अरब ने थाड बैटरी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में डील की थी। यह डील 15 बिलियन डॉलर की थी, जिसमें छह अतिरिक्त थाड बैटरियां, 44 लॉन्चर और 360 इंटरसेप्टर शामिल थे।थाड सिस्टम का रडार 2 हजार किमी दूर तक दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। यह 200 किलोमीटर रेंज और 150 किलोमीटर ऊंचाई तक आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने में सक्षम है। यानी दुश्मन की मिसाइलें लॉन्च होते ही मंजिल तक नहीं पहुंच पातीं और हवा में ही तबाह कर दी जाती हैं। सिर्फ सऊदी ही नहीं, अमेरिका ने अक्टूबर 2024 में इजरायल में भी थाड सिस्टम और 100 सैनिकों को तैनात किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब ईरान ने 1 अक्टूबर को इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया था। पेंटागन ने तब कहा था, यह कार्रवाई अमेरिका की इजरायल की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस मिसाइल प्रणाली को अमेरिकी डिफेंस कंपनी लॉकहीड मार्टिन की ओर से विकसित किया गया था। यह कंपनी इस समय दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और घरेलू निर्माण में अहम भूमिका निभा रही है। जेद्दा से आई एक तस्वीर में देखा गया कि सऊदी जवानों ने थाड सिस्टम की टेस्टिंग और फील्ड ट्रेनिंग के बाद उसे पूरी तरह से ऑपरेशनल कर दिया है। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइलों को 'हिट-टू-किल' तकनीक से खत्म कर देती हैं। इसे 'सऊदी विजन 2030' का एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे देश अपनी रक्षा जरूरतों को खुद पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है

लोकतंत्र को अपनी कलम के रूप में इस्तेमाल कर कहानियां लिखींः पीएम मोदी

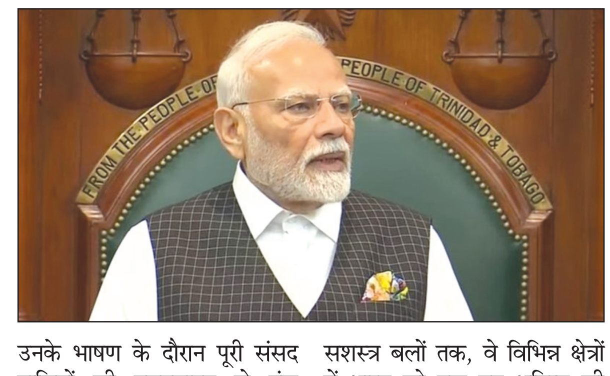

पोर्ट ऑफ स्पेन(ईएमएस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा, मैं इस प्रतिष्ठित रेड हाउस में आपसे बात करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस ऐतिहासिक लाल इमारत ने स्वतंत्रता और सम्मान के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के संघर्ष और बलिदान को देखा है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों राष्ट्र औपनिवेशिक शासन से उभरे और साहस को अपनी स्याही एवं लोकतंत्र को अपनी कलम के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपनी कहानियां लिखीं। आज दोनों देश आधुनिक दुनिया में गौरवशाली लोकतंत्र और शक्ति के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र सिर्फ एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, हमारे लिए यह जीवन जीने का एक तरीका है। हमारी हजारों साल की महान विरासत है। आपकी संसद में भी कुछ ऐसे सदस्य हैं, जिनके पूर्वज भारत के बिहार राज्य से आए थे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। उनके भाषण के दौरान पूरी संसद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर लगातार तालियां बजाईं। सांसदों ने 28 बार तालियां बजाईं, जिससे 23 बार पीएम मोदी को भाषण के बीच में रुकना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि हम भारत में वीमिन लेड डेवलपमेंट का एक नया मॉडल विकसित कर रहे हैं। अपनी जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी इस मॉडल की सफलता को हमने पूरी दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से लेकर खेल तक, स्टार्टअप से लेकर विज्ञान तक, शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक, विमानन से लेकर सशस्त्र बलों तक, वे विभिन्न क्षेत्रों में भारत को एक नए भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। आपकी तरह एक महिला साधारण पृष्ठभूमि से उठकर हमारी राष्ट्रपति बनी। दो साल पहले भारतीय संसद ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया, जिसमें संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, आज सुबह राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने मुझे देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित किया। मैं इसे 1.4 अरब भारतीयों की ओर से विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं।

ईरान के हाथ इजरायल का ड्रोन वीडियो आया तो चौंक गए नेतन्याहू

तेहरान(ईएमएस)। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन के युद्ध में ईरान के हाथ इजरायल का एक बड़ा खजाना लग गया है। ईरान को इजरायल के सबसे उन्नत जासूसी ड्रोन में से एक 'ऑर्बिटर-5' पूरी तरह सुरक्षित हालत में मिला है। ये ड्रोन वेस्टर्न टेक्नोलॉजी से लैस था, लेकिन ईरानी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम ने इसे जमीन पर ला पटका। अब इसे खोल-खोलकर ईरानी वैज्ञानिक इसकी तकनीक को समझ रहे हैं और एक-एक पुर्जे की नकल तैयार कर रहे हैं, जो इजरायल के लिए किसी टेंशन से कम नहीं है। ईरान ने इसे खोलने का वीडियो शेयर किया है। दोनों देशों के बीच 12 दिन के युद्ध बड़े पैमाने पर एडवांस्ड हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ईरान और इजरायल दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ ड्रोन और मिसाइल दागे थे।रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायल के सैकड़ों महंगे ड्रोन भी ईरान के हाथ लग गए हैं। दरअसल इजरायल ने ईरान के अंदर से भी ड्रोन हमलों को अंजाम दिया था। इजरायली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि बहुत सारे ड्रोन को इजरायल ने छोड़ दिया था, जो अब ईरान को मिल गए हैं। अब इजरायल के लिए सबसे बड़ा खतरा इन ड्रोन्स की रिवर्स इंजीनियरिंग है। रिवर्स इंजीनियरिंग का मतलब है किसी मशीन या टेक्नोलॉजी को खोलकर समझना और फिर उसी जैसी या उससे बेहतर चीज बनाना और इसके लिए न तो किसी लाइसेंस की जरूरत होती है, न ही कानूनी रोक।ड्रोन को खोलकर उसके रडार, कैमरा सिस्टम, प्रोसेसर, मोटर और चिप्स की डिजाइनिंग समझी जा रही है। फिर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से उसकी डिजिटल मॉडलिंग होती है, जिसमें स्ट्रक्चर, क्षमता और उड़ान तकनीक का विश्लेषण किया जाता है। इसके बाद ईरान न सिर्फ उस ड्रोन की हूबहू नकल तैयार कर सकता है, बल्कि उससे ज्यादा घातक और आधुनिक ड्रोन भी बना सकता है। इतना ही नहीं इनके जरिए ड्रोन की कमजोरी को भी समझा जा सकता है। इससे भविष्य में होने वाले हमले को ईरान नाकाम कर सकता है। इजरायल का ऑर्बिटर 5, एक एडवांस्ड ड्रोन है, जो 25 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर सकता है। 25 किलोग्राम पेलोड, और 75 किलोग्राम अधिकतम टेक-ऑफ वजन के साथ ड्रोनों जैसी क्षमताएं प्रदान करता है। यह खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें दोहरी एवियोनिक्स, कम शोर, और बहु-उपकरण क्षमता जैसे समुद्री रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम शामिल हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल ने 'हर्मीस' जैसे मीडियम रेंज ड्रोन तैनात किए थे, जो निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए जाने जाते हैं।

हिजबुल्लाह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को कम करने पर कर रहा विचार

बेरुत,(ईएमएस)। इजराइल से युद्ध बाद ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह अपना शस्त्रागार कम करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ-साथ वह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को सीमित करने पर भी विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में आंतरिक चर्चा है, हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस तरह की चीजें दिखाती हैं लेबनान पर किस तरह का दबाव है। यह दबाव नवंबर के आखिर में संघर्ष विराम के बाद से और ज्यादा बढ़ गया है।बता दें इजराइली सेना लगातार हिजबुल्लाह प्रभावित जगहों पर हमले करती है। इजराइल हिजबुल्लाह पर युद्धविराम के उल्लंघन का भी आरोप लगाता है। हालांकि हिजबुल्लाह इस बात से लगातार इनकार करता रहा है। हिजबुल्लाह पिछले कुछ समय से गंभीर आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रहा है। वहीं, अमेरिकी सेना इस संगठन पर निरस्तीकरण का दबाव बनाए हुए है। हिजबुल्लाह की परेशानी पिछले साल उस वक्त बढ़ गई जब इजराइल ने इसके ऊपर हमले करके इसकी कमान को नष्ट कर दिया था। इस हमले में हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और उसका सारे हथियार नष्ट हो गए।हिजबुल्लाह का सीरियाई सहयोगी, बशर अल-असद, पिछले साल दिसंबर में सत्ताविहीन हो गया। इसके बाद इसकी हथियारों की सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं, ईरान खुद इजराइल के साथ युद्ध से उबरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में वह हिजबुल्लाह की कितनी मदद कर पाएगा, यह कहना मुश्किल है। हिजबुल्लाह की अंदरूनी चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समूह का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर बातें चल रही हैं।बता दें हिजबुल्लाह मिडिल ईस्ट में सैन्य अहमियत रखता है।

बर्मिंघम टेस्ट : भारत को मिली बढ़त

यशस्वी को लेकर अंपायर-स्टोक्स में विवाद

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 244 रन की बढ़ बना ली

बर्मिंघम,(ईएमएस)। बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन टीम इंडिया ने मेजबान टीम इंग्लैंड पर शिकंजा कस दिया। टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया था। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम 407 रन ही बना सकी। इस तरह भारतीय टीम को पहली पारी में 180 रनों की बढ़त हासिल है। तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी सिमटने के बाद टीम इंडिया बल्लेबाजी के लिए उतरी। टीम इंडिया के लिए एक बार फिर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मजबूत शुरुआत की, लेकिन 28 रन बना कर यशस्वी पवेलियन लौट गए। केएल राहुल और यशस्वी की दमदार शुरुआत को देख इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स में खलबली मच गई थी। यही कारण है कि बेन स्टोक्स और ऑन-फील्ड अंपायर के बीच यशस्वी से जुड़े एक डीआरएस विवाद को लेकर तीखी बहस हो गई।

भारत की दूसरी पारी के आठवें ओवर में यशस्वी को जोश टोंग की गेंद पैड पर लगी। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने अपील की और अंपायर ने उंगली उठा दी। भारतीय बल्लेबाजों ने आपस में थोड़ी देर चर्चा की और फिर रिव्यू लिया। स्टोक्स इस बात से खुश नहीं थे क्योंकि उनका मानना था कि यशस्वी के रिव्यू मांगने से पहले 15 सेकंड का टाइम खत्म हो गया था। अंपायर ने रिव्यू की अनुमति दी लेकिन रीप्ले में दिखा कि गेंद स्टंप्स पर लग रही थी। आगे के रीप्ले में यह भी दिखाया गया कि स्टोक्स सही थे और यशस्वी ने रिव्यू मांगने में देर की। एजबेस्टन में मौजूद दर्शक इस घटना से खुश नहीं दिखे और स्टेडियम में जोरदार हूटिंग होने लगी। यशस्वी के बाद केएल राहुल और करुण नायर ने विकेट नहीं गिरने दिया। खेल की समाप्ति तक टीम इंडिया ने एक विकेट के नुकसान पर 64 रन बना लिए थे। इस तरह अब टीम इंडिया को 244 रनों की बढ़त मिल गई है।

इंग्लैंड को लगा पहला झटका, क्रावली खाता खोले बिना आउट, सिराज को मिली सफलता

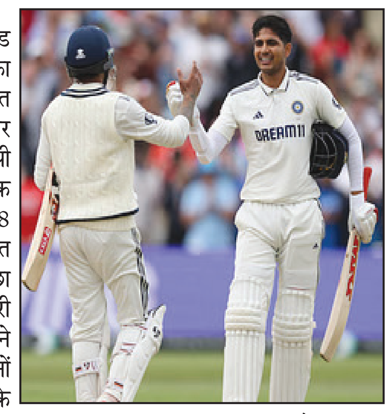

बर्मिंघम भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच का आज चौथा दिन है। भारत ने पहली पारी के आधार पर बड़ी हासिल कर ली थी और कप्तान गिल के शतक से इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा है। भारत के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी शुरू हो गई है। भारत ने इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा है। इंग्लैंड के लिए जैक क्रावली और बेन डकेट बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। कप्तान शुभमन गिल के शतक और केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों की मदद से भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित कर दी है। भारत ने इस तरह 607 रनों की बढ़त हासिल की और इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 608 रनों का लक्ष्य रखा। भारत के लिए गिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 161 रन बनाए, जबकि रवींद्र जडेजा 69 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड के लिए जोश टंग और शोएब बशीर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि ब्रायडन कार्स और जो रूट को एक-एक विकेट मिला। भारत ने चौथे दिन एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया।

6 विकेट सिराज की मेहनत का इनाम हैं : सचिन

शिराज की घातक गेंदबाज़ी पर फिदा हुए तेंदुलकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाज़ी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, "सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश!" सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रुक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रुक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाज़ी की और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी।दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुवाई में गेंदबाज

रेसिंग बुल्स के ड्राइवर फ्रांस के इसाक हडजर (सामने दाएं) और अल्पाइन के ड्राइवर अर्जेंटीना के फ्रेंको कोलापिंटो (सामने बाएं) ब्रिटेन के स्लिवरस्टोन में सिल्वरस्टोन सर्किट में फॉर्मूला वन ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स 2025 के फ्री अभ्यास के दौरान प्रतिस्पर्धा करते हुए।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज एक-एक दिन में सिमटी दोनों टीमें, दूसरे दिन गिरे 12 विकेट

कंगारु टीम ने ली 45 रन की लीड, कैमरून और लियोन क्रीज पर जमे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सेंट जॉर्जेस स्टेडियम ग्रेनेडा में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं।

कंगारू टीम के पास 45 रन की लीड है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 286 रन पर सिमट गई थी। दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज की पहली पारी के साथ हुई।

ब्रैंडन किंग के अर्धशतक की बदौलत वेस्टइंडीज टीम ने पहली पारी में 253 रन बनाए। जॉन कैम्पबेल अर्धशतक के करीब पहुंचकर कैच आउट हो गए। उन्होंने 52 गेंदों पर 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में टीम को पहला झटका लगा। जोश हेजलवुड ने क्रैग ब्रैथवेट को कॉट एंड बोल्ड कर दिया।

क्रैग ब्रैथवेट ने 8 गेंदों का सामना किया और खाता भी नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए। कीसी कार्टी ने 6, कप्तान रोस्टन चेज ने 16, शाई होप ने 21, जस्टिन ग्रीव्स ने 1, अल्जारी जोसेफ ने 27 और एंडरसन फिलिप ने 10 रन बनाए। जेडन सील्स 7 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने तीन विकेट झटके। उनके अलावा कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट लिए। मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और ट्रेविस हेड को 1-1 विकेट मिला। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की बढ़त मिली। हालांकि, दूसरी पारी में कंगारुओं की शुरुआत खराब रही। 4 रन में ही टीम के 2 विकेट खो दिए। पहले ही ओवर में जेडेन सील्स ने सैम कोनस्टास को बोल्ड किया। सैम कोनस्टास दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाए। तीसरे ओवर में उस्मान ख्वाजा (2) को सील्ड ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 और नाथन लियोन 2 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं।

रूस की अनास्तासिया पावलुचेनकोवा ने विंबलडन में ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस और क्रोकेट क्लब में 2025 विंबलडन चैंपियनशिप के पांचवें दिन अपने महिला एकल के तीसरे दौर के टेनिस मैच के दौरान जापान की नाओमी ओसाका को फोरहैंड रिटर्न खेला।

अस्ताना में विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत की पदक झोली में बढ़ोतरी

नूपुर फाइनल में, अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना (ईएमएस)। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया। इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया। भारत का इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन रहा है। सेमीफाइनल में भारत के कुल 10 मुक्केबाज़ पहुंचे हैं और नूपुर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी हैं। इससे पहले गुरुवार को हितेश गुलिया और साक्षी ने भी अपने-अपने वर्ग में सेमीफाइनल में प्रवेश कर पोडियम फिनिश पक्का किया था। हितेश ने पुरुषों के 70 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव को 5-0 से हराया, जबकि साक्षी ने महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में ब्राजील की तातियाना रेजिना डी जीसस चागास को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

भारत ने इस साल के शुरुआत में ब्राजील में आयोजित विश्व मुक्केबाज़ी कप के पहले चरण में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य समेत कुल छह पदक जीते थे। उस चरण में उजबेकिस्तान ने आठ पदकों (पांच स्वर्ण) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि मेजबान ब्राजील ने नौ पदक जीते थे। कजाकिस्तान ने तीन स्वर्ण और तीन कांस्य सहित छह पदक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया था। इस साल नवंबर में नई दिल्ली में होने वाले फाइनल चरण को ध्यान में रखते हुए, अस्ताना चरण भारतीय मुक्केबाज़ों के लिए तैयारी का अहम पड़ाव साबित हो रहा है।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन (ईएमएस)। केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की।

सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के लिए फाइलर ने 2/30 का शानदार स्पेल किया और अंतिम ओवरों में बेल ने अहम विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मैच उनके हाथ में था, लेकिन ओस के असर और रणनीति में कमी से टीम चूक गई। उन्होंने गेंदबाजों और फील्डर्स की तारीफ की और माना कि विपक्ष की अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। इंग्लैंड की पारी में डंकले ने सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि व्याट-हॉज ने सात चौके और तीन छक्के जड़े। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी कर इंग्लैंड को संभलने नहीं दिया। अब भारत की नजर मैनचेस्टर में बुधवार को होने वाले चौथे मुकाबले पर होगी, जहां जीत हासिल कर वह ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप :

चेल्सी और फ्लूमिनेंसे सेमीफाइनल में होगें आमने-सामने

फिलाडेल्फिया (ईएमएस)। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में खेले गए फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में चेल्सी ने ब्राजील की टीम पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में निर्णायक क्षण 83वें मिनट में आया जब पाल्मेरास के डिफेंडर अगस्टिन जियाय ने आत्मघाती गोल कर दिया। इससे पहले चेल्सी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई।हालांकि, ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की। युवा स्टार एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। लेकिन अंत में जियाय की चूक ने चेल्सी को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। मैच के बाद चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, "जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि हम पहले हाफ में बेहतर थे और हमने खेल को अच्छे से कंट्रोल किया। खिलाड़ी जीत के हकदार थे और मैं उनके प्रदर्शन से खुश हूं। यह हमारे लिए शानदार रात रही।" चेल्सी अब न्यूयॉर्क में सेमीफाइनल में ब्राजील की ही एक और टीम फ्लूमिनेंसे से भिड़ेगी। फ्लूमिनेंसे ने भी अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल हिलाल को 2-1 से हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया। इस मैच में मैथियस मार्टिनेली ने 40वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। अल हिलाल ने 51वें मिनट में मार्कस लियोनार्डो के गोल से बराबरी की, लेकिन 70वें मिनट में हर्क्यूलिस के गोल ने फ्लूमिनेंसे को जीत दिला दी। टूर्नामेंट में कमजोर मानी जा रही फ्लूमिनेंसे की टीम ने सभी को चौंकाते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की की है और अब 9 जुलाई को उसका मुकाबला चेल्सी से होगा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : चेल्सी और फ्लूमिनेंसे सेमीफाइनल में होगें आमने-सामने

फिलाडेल्फिया (ईएमएस)। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में खेले गए फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में चेल्सी ने ब्राजील की टीम पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में निर्णायक क्षण 83वें मिनट में आया जब पाल्मेरास के डिफेंडर अगस्टिन जियाय ने आत्मघाती गोल कर दिया। इससे पहले चेल्सी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई।हालांकि, ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की। युवा स्टार एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। लेकिन अंत में जियाय की चूक ने चेल्सी को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। मैच के बाद चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, "जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि हम पहले हाफ में बेहतर थे और हमने खेल को अच्छे से कंट्रोल किया। खिलाड़ी जीत के हकदार थे और मैं उनके प्रदर्शन से खुश हूं। यह हमारे लिए शानदार रात रही।" चेल्सी अब न्यूयॉर्क में सेमीफाइनल में ब्राजील की ही एक और टीम फ्लूमिनेंसे से भिड़ेगी।फ्लूमिनेंसे ने भी अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल हिलाल को 2-1 से हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया। इस मैच में मैथियस मार्टिनेली ने 40वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। अल हिलाल ने 51वें मिनट में मार्कस लियोनार्डो के गोल से बराबरी की, लेकिन 70वें मिनट में हर्क्यूलिस के गोल ने फ्लूमिनेंसे को जीत दिला दी। टूर्नामेंट में कमजोर मानी जा रही फ्लूमिनेंसे की टीम ने सभी को चौंकाते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की की है और अब 9 जुलाई को उसका मुकाबला चेल्सी से होगा।

25 गेंदों में 9 विकेट गिरने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड से 5 रन से गंवाया तीसरा टी20I

लंदन (ईएमएस)। केनिंग्टन ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को आखिरी गेंद तक चले संघर्ष में 5 रन से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि मुकाबले में भारतीय गेंदबाज़ों ने ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया जो आज तक पुरुष क्रिकेट में भी किसी ने नहीं किया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी और ओपनर सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़ दिए। 15.2 ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर बिना विकेट के 137 था और लग रहा था कि टीम 200 के पार पहुंच जाएगी। मगर इसके बाद तेजी से रन बनाने के प्रयास में इंग्लैंड की पारी भरभरा गई और अगले 25 गेंदों के अंदर उसने 9 विकेट गंवा दिए। यह किसी भी इंटरनेशनल फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में गिरने वाले 9 विकेट का रिकॉर्ड है। इस दौरान तीन बल्लेबाज़ खाता भी नहीं खोल पाईं और कुल सात खिलाड़ी सिंगल डिजिट में आउट हुए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा और अरुंधति रेड्डी ने 3-3 विकेट झटके और इंग्लैंड को 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन तक ही सीमित कर दिया। मैच की बात करें तो लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने भी तूफानी शुरुआत की। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने 9 ओवर में 85 रन जोड़ दिए और लग रहा था कि भारत आसानी से मैच जीत लेगा। लेकिन इसके बाद मिडिल ऑर्डर दबाव में आ गया। अंतिम ओवर में भारत को जीत के लिए छह रन की जरूरत थी, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गईं और भारत 20 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन ही बना सका। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मुकाबला उनके काबू में था लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई।

कनाडा ओपनः श्रीकांत सेमीफाइनल में, श्रेयांशी बाहर

कैलगरी (ईएमएस)। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेमों में 21-18, 21-9 से हराया। वर्ल्ड नंबर-49 श्रीकांत अब फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत को निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त हासिल है। पिछली विश्व चैंपियनशिप में भी उन्होंने जापानी खिलाड़ी को सीधे गेमों में हराया था। हालांकि, निशिमोटो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका कोर्ट कवरेज शानदार माना जाता है। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इससे पहले श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-19, 21-14 से हराया था। यह मुकाबला 41 मिनट चला था। पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता श्रीकांत मई में मलेशिया मास्टर्स के भी फाइनल में पहुंचे थे और इस साल अच्छे फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

विमेंस सिंगल्सः श्रेयांशी का सफर खत्म

विमेंस सिंगल्स में भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वलीशेट्टी को डेनमार्क की 24 वर्षीय अमाली शुल्ज के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-12, 19-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रेयांशी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया था, लेकिन अगले दोनों गेम में बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहीं। निर्णायक गेम में उन्होंने 9-17 के अंतर को कम कर 19-21 तक पहुंचाया, मगर मामूली अंतर से हार गईं। इसी के साथ उनका नॉर्थ अमेरिका टूर समाप्त हो गया।

एकदिवसीय प्रारुप को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करें : क्लासेन

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। हाल में खेल से संन्यास लेने वाले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि एकदिवसीय प्रारुप को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हटा दिया जाना चाहिये। क्लासेन सीमिल ओवरों के आक्रामक खिलाड़ी रहे हैं और आईपीएल में भी उन्होंने काफी रन बनाये है। 33 साल की उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले इस क्रिकेटर के अनुसार वह पहले ही इस प्रारुप से दूर हो गये थे1 क्लासेन से पूछा गया है कि वे क्रिकेट कैलेंडर में क्या बदलाव चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि मैं जो एकमात्र बदलाव करूंगा वह शायद एकदिवसीय क्रिकेट को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करने का है क्योंकि आजकल लोग अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट ही देखना चाहते हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा रद्द होने की संभावना

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम का अगले माह होने वाला बांग्लादेश दौरा रद्द होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन्द्र सरकार ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अभी बांग्लादेश नहीं जाने की सलाह दी है। इसका कारण वहां के खराब हालातों को बताया गया है। ऐसे में खिलाड़ियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इससे विराट कोहली और रोहित शर्मा को अगले माह मैदान पर देखने देखने की उम्मीद रखने वाले प्रशंसकों को झटका लगना तय है। प्रशंसकों को उम्मीद थी अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में ये दोनों खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद से ही वहां पर से अस्थिरता का माहौल काफी बना हुआ हैं। ऐस में बीसीसीआई शीघ्र ही इस दौरे के रद्द होने की घोषणा कर सकता है। इस बारे में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)को भी अंदेशा है।

काला हीरा 2025 का 18 से 22 जुलाई तक होगा भव्य आयोजन

पांच दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य कवि सम्मेलन होगाः राजेंद्र प्रसाद

13 राज्यों के जाने माने नाट्य मंच के कलाकार पेश करेंगे अपने अभिनय की प्रभावशाली प्रस्तुतियां

धनबाद, 9 वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा,डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' का आयोजन आगामी18 से 22 जुलाई तक कम्युनिटी हॉल, कोयला नगर में किया जाएगा। इसकी जानकारी काला हीरा के अध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद ने स्टील गेट स्थित सीसीयूडब्लूओ सभागार में प्रेस वार्ता कर दी।

पांच दिवसीय काला हीरा कार्यक्रम में इस बार मुख्य आकर्षण 18 जुलाई को दिन 12 बजे भव्य कवि सम्मेलन होगा। जिसमें हिंदी के प्रख्यात कवियों में डॉo संगीता नाथ, अगम अनु, प्रीति कर्ण, रीना यादव, सुनील वर्मा, बरनवाल मनोज अंजन अपनी दमदार प्रस्तुतियां देंगे। कवि सम्मेलन का अनंत महेंद्र संचालन करेंगे। काला हीरा के मुख्य अतिथियों में बीसीसीएल सीएमडी समीरण दत्ता उनकी पत्नी दीक्षा मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता, बीसीसीएल डायरेक्टर (एचआर)एम.के. रमैया उनकी पत्नी दीक्षा मंडल की उपाध्यक्ष पुरविता रमैया धनबाद विधायक राज सिन्हा 99 ग्रुप के डायरेक्टर महेश मोदी, विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के संरक्षक राजेंद्र बगेड़िया व अवधेश कुमार सिंह, एआईटीसी के महासचिव, सतीश कुंदन कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। साथ ही काला हीरा कार्यक्रम को सफल बनाने में धनबाद के नाट्य संस्था कला निकेतन के वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,आरोही नाट्य मंच की संजय भारद्वाज, अनुभूति एक एहसास की महासचिव सरसी चंद्रा, त्रिपुरा के एआईटीसी के सलाहकार प्रदीप बाजपेई, राजस्थान के ड्रामा आर्टिस्ट अशोक शर्मा, उड़ीसा के एआईटीसी वाइस प्रेसिडेंट राजगोपाल पाढ़ी, एआईटीसी के अशोक मानव, क्लब इंडिया के संतोष रजक, हैदराबाद की सुरभि जयवर्धने, सिवान के विजय कुमार श्रीवास्तव, आगरा की आर्टिस्ट अलका शर्मा और आगरा के बॉलीवुड फिल्म से जुड़े गोपाल शर्मा और आईटीसी के प्रवीर कुमार जैना की अपने टीम के साथ महत्वपूर्ण उपस्थित होगी।भोजपुरी एक्टर मनोज सिंह राजपूत जो अपनी टीम के साथ नाटक की प्रस्तुति देंगे, हिमाचल प्रदेश के राजित सिंह कुंवर और जमशेदपुर से मो. निजाम नाटक के जज के तौर पर उपस्थित रहेंगे। 5 दिनों के कार्यक्रम में तीन दिन सांस्कृतिक कंपटीशन में नृत्य, गीत संगीत ड्राइंग पेंटिंग स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे, चौथे और पांचवें दिन 13 राज्य से आए नाट्य मंचों द्वारा नाट्य की प्रस्तुति की जाएगी। नाट्य मंचों में एमपी के आईटीएम नाट्य मंच, यूपी के युथ टीचर ग्रुप, वेस्ट बंगाल के बांकुड़ा से जॉय की टीम, उड़ीसा से नटराज थियेटर गिरिडीह से तीन टीम कलासंगम, वरंग और महेश अमर की टीमें नाटक की प्रस्तुति करेंगे, डाल्टनगंज के मसम आर्ट की प्रस्तुति होगी। गुजरात से दो डांस की टीमें में अपनी शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां पेश करेंगे । शाहजहांपुर की टीम हर साल की भांति अपनी प्रस्तुति देंगे। अंतिम दिन 22 जुलाई को सभी प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं एवं नाट्य विजेता टीमों मैं विजेता टीम एवं सर्वश्रेष्ठ कलाकारों घोषणा निर्णायक मंडली द्वारा की जाएगी और सभी को मेडल प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही स्थानीय कलाकारों को संदेश दिया कि काला हीरा में भाग लेने के लिए स्टील गेट स्थित सीसीडब्लूओ कार्यालय में संपर्क करें।

प्रेस वार्ता में, काला हीरा के अध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद, सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, सतीश कुमार, रविकांतआर कुमार शिवानी, दीक्षा,संजय भारद्वाज, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा,संजय चंद्रा, यू सी मिश्रा उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर बाघमारा-बरोरा पुलिस सतर्क

फ्लैग मार्च से दिया शांति और सौहार्द का संदेश

बाघमारा, (धनबाद), आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर बाघमारा अनुमंडल पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। क्षेत्र में अमन, चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को बाघमारा और बरोरा थाना पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया।

इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व तोपचांची इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो कर रहे थे । जबकि उनके साथ बाघमारा थाना प्रभारी, अजीत कुमार और बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार भी अपने-अपने पुलिस बलों के साथ शामिल रहे।

फ्लैग मार्च के दौरान जवानों की पैदल गश्ती के साथ-साथ वाहनों के जरिए भी क्षेत्र का व्यापक भ्रमण किया गया। बरोरा और बाघमारा के संवेदनशील इलाकों में मार्च कर आम लोगों को यह संदेश दिया गया कि पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी असामाजिक तत्व की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने इस दौरान स्थानीय लोगों से संवाद कर मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है और कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। फ्लैग मार्च से क्षेत्र में एक सकारात्मक माहौल बना है और लोगों ने पुलिस की इस पहल की काफी सराहना की। प्रशासन द्वारा लोगो से की अपील,अफवाहों से बचें, कोई भी समस्या या सूचना हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। शांति बनाए रखें और पर्व को भाईचारे के साथ मनाएं।यह फ्लैग मार्च न केवल सुरक्षा का प्रतीक था, बल्कि यह भी संदेश था कि प्रशासन और आम जनता मिलकर ही किसी भी आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण बना सकते हैं।

गुड टच, बैड टच, विषय पर क्रेडो वर्ल्ड स्कूल में जागरूकता कार्यशाला का किया गया भव्य आयोजन

धनबाद, क्रेडो वर्ल्ड स्कूल , धनबाद में विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु "गुड टच - बैड टच" विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को उनके शरीर की सुरक्षा, सही और गलत स्पर्श की पहचान तथा किसी भी असहज स्थिति में उचित प्रतिक्रिया देना सिखाना था। इस अवसर पर विशेषज्ञ काउंसलर श्रीमती सुजाता रंजन, श्रीमती राधा अग्रवाल एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर साधना सिंह ने बच्चों को सरल, सहज और संवेदनशील भाषा में बताया कि कैसे वे खुद को सुरक्षित रख सकते हैं और किन परिस्थितियों में उन्हें ना कहना चाहिए। बच्चों को यह भी सिखाया गया कि यदि कभी वे किसी असहज स्थिति का सामना करें, तो बिना संकोच अपने माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को बताएं।कार्यशाला में कक्षा 5वी से 11वीं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चित्रों, गतिविधियों , कहानियों और संवाद के माध्यम से विषय को रोचक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शर्मिला सिन्हा ने कहा, बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही आत्म-सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम न केवल उन्हें सशक्त बनाते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं।

कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए और सीखे गए तथ्यों को दोहराया। समापन पर सभी प्रतिभागियों को जागरूकता संबंधी पंफलेट भी वितरित किए गए।

रागिनी सिंह की पहली प्राथमिकता है झरिया के लोगों को झरिया में ही बसाना : शताक्षी सिंह

झरिया, (धनबाद), बीसीसीएल अग्नि प्रभावित, डेंजर जोन और परियोजना के नजदीक रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारी बारिश के कारण भूस्खलन और घरों में दरारें आने की घटनाएं सामने आ रही हैं । जिससे लोग दहशत में है । स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत और पुनर्वास की मांग की है । ताजा मामला घनुवाडीह हरिजन बस्ती का है । जहां अचानक दर्जनों घरों में दरार पड़ गई और तेजी से गैस रिसाव होने लगा। जिसके बाद लोगों में भय का माहौल व्याप्त है । घनुवाडीह हरिजन बस्ती के लोगों ने इसकी सूचना झरिया विधायक रागिनी सिंह को दी । विधायक की पहल पर उनकी बड़ी बेटी शताक्षी उर्फ साक्षी सिंह घनुवाडीह हरिजन बस्ती पहुंची वह रह रहे लोगों से मुलाकात की और उनका दर्द को जाना। वही शताक्षी सिंह ने लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने का आश्वासन भी दिया है । इस दौरान शताक्षी सिंह ने कही कि झरिया को किसी भी कीमत पर खाली नहीं होने देंगे ।

विधायक रागिनी सिंह की पहली प्राथमिकता है झरिया के लोगों को झरिया में ही बसाना है । कुछ ऐसे लोग भी हैं जो अपनी राजनीतिक चमकाने के लिए विधायक की छवि धूमिल करने में लगे है । हमारी लड़ाई सीधे तौर पर बीसीसीएल से है और बीसीसीएल अपने फायदे के लिए लोगों को गाजर मूली की तरह विस्थापित कर रहे हैं । बीसीसीएल की जो मंशा है ओ किसी कीमत पर हम नहीं होने देंगे। शताक्षी सिंह ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन से बात करके प्रभावित परिवारों को अविलंब झरिया में ही व्यवस्था करके उन्हें विस्थापित किया जाएगा। झरियावासी एक परिवार की तरह है ।उन्हें हम कैसे छोड़ सकते हैं । उनकी हर दुख दर्द में झरिया विधायक खड़ी है।

ज्ञान विज्ञान समिति करेगी 25 जुलाई और 11 अगस्त को जिला सम्मेलन

सिंहदाह (तोपचांची) 5 जुलाई 2025 को हरिमंदिर , तेलोडीह , सिंहदाह तोपचांची प्रखंड के अंतर्गत ज्ञान विज्ञान समिति धनबाद के तोपचांची प्रखंड के साथियों की बैठक सामाजिक कार्यकर्ता भारती देवी के अध्यक्षता तथा संचालन प्रखण्ड सचिव गणेश मंडल द्वारा संचालन किया गया । इस अवसर पर ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव भोला नाथ राम व मधेश्वर नाथ भगत मौजूद थे।

आज के बैठक गांव में शिक्षा की स्थिति, स्वास्थ , रोजगार अंधविश्वास , पेयजल , संगठन के सदस्यता , बुनियादी सभा , प्रखंड सम्मेलन , जिला सम्मेलन आदि मुद्दों पर चर्चा किया गया । यहां पर उपस्थित बहनों के पेयजल के समस्या पर व सामाजिक सुरक्षा (पेंशन आदि) मुद्दों पर गणेश जी द्वारा निदान करने की बात कही गई । इसके साथ कहा गया कि तोपचांची में प्रखंड सम्मेलन 25 जुलाई तथा जिला सम्मेलन 11 अगस्त 2025 को शहीद खुदी राम बोस के शहादत पर 8 वीं जिला सम्मेलन गांधी सेवा सदन धनबाद में आयोजित है , अधिक से अधिक लोग भाग ले कर सफल करेंगे । इस अवसर पर कल्पना देवी , शकुंतला देवी , किरण देवी , निशा कुमारी , गुड़िया कुमारी , प्रीति देवी ममता देवी आदि लोग मौजूद थे ।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता कार्यक्रम की न्यायाधीश ने की समीक्षा

धनबाद : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा के निर्देश पर पूरे भारत में चल रहे 90 दिवसीय राष्ट्र के लिए मध्यस्थता कार्यक्रम की समीक्षा शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुसार टोपनो ने की . समीक्षा बैठक में धनबाद के 32 मध्यस्थ उपस्थित थे जिन्हें न्यायाधीश ने अधिक से अधिक विवादों के निपटारे के लिए किए जा रहे मध्यस्थता कार्यवाही के लिए कई दिशा निर्देश दिए. इस बाबत मीडिया को जानकारी देते हुए अपर न्यायाधीश श्री मयंक ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर 23 विभिन्न तरह के विवादों में मध्यस्थता कार्यवाही कर विवादों का निपटारा कर दिया गया है.

उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा विवादों का निपटारा सुलह समझौते के आधार पर कराने का लक्ष्य रखा गया है। ताकि समाज में लोगों के बीच एक-दूसरे के प्रति वैमनस्यता व तनाव कम हो और अच्छा माहौल कायम हो सके. उन्होंने बताया कि नालसा एवं झालसा के निर्देश पर धनबाद में इस कार्यक्रम को एक जुलाई को लॉन्च किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में विवादों को मध्यस्थता के जरिए सुलझाना है. मध्यस्थता की कार्यवाही पक्षकारों के सुविधा अनुसार ऑफ़लाइन, ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा रही है . ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण ऑनलाइन मध्यस्थता की सुविधा प्रदान कर रहा है।

लोयाबाद में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं जारी, पुलिस की अपील के बावजूद लोग बरत रहे लापरवाही

हटिया से एक और बाइक चोरी, पुलिस ने की पुष्टि – सतर्कता बरतने की अपील

लोयाबाद। लोयाबाद क्षेत्र में लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं के मद्देनजर लोयाबाद पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें लोगों को डबल लॉक लगाने और सावधानी बरतने की सख्त हिदायत दी जा रही है।इसके बावजूद बाइक मालिकों की लापरवाही कम होती नहीं दिख रही। गत शनिवार को हटिया मैदान में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान दर्जनों मोटरसाइकिलें ऐसी पाई गईं जिनमें मेन लॉक तक नहीं लगाया गया था। पुलिस ने सभी बाइक मालिकों को सख्त हिदायत दी और चोरी से बचाव हेतु पूरी सतर्कता बरतने की अपील की।ताजा मामला शनिचरी हटिया क्षेत्र का है, जहां एकड़ा हरिजन बस्ती निवासी चन्देश्वर रविदास, पिता किशुन रविदास, ने अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्याः JH10-BJ-2108) को हटिया में शाम लगभग 4 बजे खड़ा कर बाजार करने चले गए। जब वे लौटे, तो उनकी बाइक वहाँ से गायब थी। भुक्तभोगी चन्देश्वर रविदास ने तत्काल लोयाबाद थाना को सूचना दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।लोयाबाद पुलिस ने आमजन से पुनः अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर वाहन खड़ा करने के दौरान सतर्क रहें, डबल लॉक का उपयोग करें, और संदेहास्पद गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता ही इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगा सकती है।

मालावार समूह की सीएसआर के तहत

थानल दया रिहैबिलिटेशन ट्रस्ट ने शुरू किया स्ट्रीट मिल वितरण

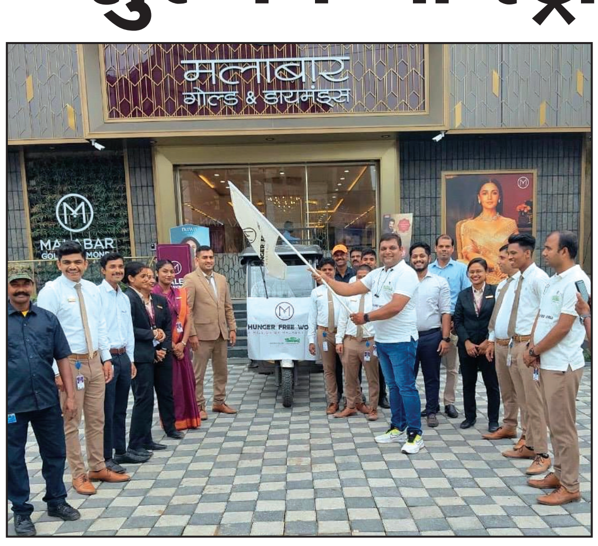

धनबाद ।मलाबार समूह की सीएसआर गतिविधियों के तहत, थनल दया रिहैबिलिटेशन ट्रस्ट ने पीसीएमसीएच और धनबाद जंक्शन क्षेत्र में हंगर फ्री वर्ल्ड प्रोजेक्ट के तहत शाकाहारी बिरयानी का स्ट्रीट मील वितरण शुरू किया।

दैनिक भोजन वितरण में 200 पैकेट वेज बिरयानी का वितरण किया जाएगा, जिसमें से 100 पैकेट सरकारी अस्पताल पीसीएमसीएच क्षेत्र में और 100 पैकेट धनबाद जंक्शन क्षेत्र में वितरित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया, जिसमें मलाबार गोल्ड एंड डायमंड के स्टोर हेड श्री अक्षय जी, स्टोर मैनेजर अमित जी, मार्केटिंग मैनेजर तरुणव जी और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

मलाबार समूह की सीएसआर गतिविधियों के तहत, थानल दया रिहैबिलिटेशन ट्रस्ट ने आज से धनबाद पीसीएमसीएच और धनबाद जंक्शन क्षेत्र में हंगर फ्री वर्ल्ड प्रोजेक्ट के तहत शाकाहारी बिरयानी का स्ट्रीट मील वितरण शुरू किया है।

इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना और समाज में भूख मुक्त वातावरण बनाने में योगदान देना है। हमें उम्मीद है कि यह पहल समाज के विभिन्न वर्गों में सकारात्मक प्रभाव डालेगी और अधिक लोगों तक पहुंचने में मदद करेगी।

लोयाबाद के 16 मुस्लिम बहुल गांवों में मुहर्रम की नवमी पर निकला अखाड़ा

लोयाबाद। मुहर्रम की नवमी के अवसर पर लोयाबाद के मुस्लिम बहुल 16 गांवों में परंपरागत रूप से अखाड़ा जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान स्थानीय अखाड़ा दलों ने हैरतअंगेज खेल व करतब का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भीड़ ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ अखाड़ों का स्वागत किया। जुलूस में विभिन्न अखाड़ा दलों द्वारा ताज़िया और शहीदे कर्बला का मुजाहिरा करते हुए शांति और अनुशासन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन को व्यवस्थित रूप से सफल बनाने हेतु मुस्लिम कमिटी की ओर से लोयाबाद चौक पर लाइटिंग और साउंड सिस्टम सहित कंट्रोल रूम की विशेष व्यवस्था की गई थी।जिससे पूरी व्यवस्था तकनीकी रूप से सुसज्जित रही।इस अवसर पर सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए लोयाबाद थाना प्रभारी पिकू प्रसाद, मुस्लिम कमिटी के महामंत्री असलम मंसूरी और लोयाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार महतो को मुस्लिम बहुल गांवों की ओर से पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। इस बीच परंपरागत पैग वाले (दुलदुल) का विभिन्न मोहल्लों और गांवों में भ्रमण का सिलसिला भी दिनभर जारी रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे आस्था और श्रद्धा से उसका स्वागत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान लोयाबाद थाना प्रभारी पिकू प्रसाद दलबल के साथ सक्रिय रूप से मुस्तैद रहे और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी करते रहे। आयोजन में प्रशासन, कमिटी और आमजन के सहयोग से शांति पूर्ण माहौल बना रहा।

कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा

दुमकाःशनिवार को प्रखंड कार्यालय प्रशाल रामगढ़ में क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख प्रमुख बाबूलाल मुर्मू ने की। बैठक में अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार महतो, उप प्रमुख श्रीकांत राउत, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी विनोद कुमार राम,प्रखंड कृषि पदाधिकारी आशीष रंजन, शिक्षा अभियान के वीडियो आनंद शंकर मुर्मू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राम प्रसाद, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता अनूप कुमार कुशवाहा, विद्युत विभाग के कनीय अभियंता नितीश कुमार, अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, मनरेगा, आपूर्ति, आबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई।

कोयला नगर टाउनशिप में रामकृष्ण विवेकानन्द स्वाध्याय सेवा ट्रस्ट के नए भवन का उद्घाटन

धनबाद । बीसीसीएल द्वारा निर्मित कोयला नगर टाउनशिप स्थित रामकृष्ण विवेकानन्द स्वाध्याय सेवा ट्रस्ट के नव-निर्मित भवन का उद्घाटन आज बीसीसीएल एवं स्वाध्याय सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में एक भव्य आयोजन में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर बेलूर मठ, कोलकाता के उपाध्यक्ष, श्री स्वामी गिरिशानंद जी महाराज शामिल हुए। जिनके साथ देश भर के रामकृष्ण मठ एवं मिशन के केन्द्रों से पधारे संतों एवं संन्यासियों के साथ निदेशक (मानव संसाधन) बीसीसीएल, श्री मुरली कृष्ण रमैया एवं निदेशक (वित्त) श्री राकेश कुमार सहाय भी उपस्थित रहे। इनके अलावा रामकृष्ण मिशन से जुड़े कई अन्य संन्यासीगण, बीसीसीएल मुख्यालय के अधिकारी, कर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु व नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। यह ट्रस्ट समाज में आध्यात्मिक चेतना, सेवा और स्वाध्याय को समर्पित एक गतिशील संस्था है, जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में हुई थी। नवीन भवन का निर्माण बीसीसीएल के सहयोग से सम्पन्न हुआ है।समारोह का शुभारंभ प्रभात फेरी से हुआ, जिसमें रामकृष्ण मठ एवं मिशन के विभिन्न केंद्रों से पधारे संतों एवं संन्यासियों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। भजनों, वेद-मंत्रों और स्वामी विवेकानन्द के प्रेरणास्पद उद्धरणों के साथ कोयला नगर की गलियों से निकली यह यात्रा, समाज में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिकता का संदेश लेकर आगे बढ़ी। इसके उपरांत नव-निर्मित प्रार्थना कक्ष में वैदिक रीति से पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने सहभागिता की। रामकृष्ण मिशन की परंपरा के अनुरूप प्रार्थना एवं भजन सत्र में उपस्थित सभी पूरी आत्मीयता के साथ भाग लिया।

मुख्य उद्घाटन समारोह का नेतृत्व रामकृष्ण मठ एवं मिशन, बेलूर मठ के उपाध्यक्ष, श्री स्वामी गिरिशानंद जी महाराज ने किया। उनके साथ स्वामी नटराजनंद जी महाराज (अध्यक्ष, रामकृष्ण मठ, घाटशिला), स्वामी अमृतरूपानंद जी महाराज (सचिव, रामकृष्ण मिशन, जमशेदपुर), स्वामी आत्मश्रद्धानंद जी महाराज (सचिव, रामकृष्ण मिशन, कानपुर), स्वामी तत्परानंद जी महाराज (रामकृष्ण मिशन, नरेंद्रपुर), स्वामी सुखमयानंद जी महाराज (रामकृष्ण मिशन, रांची), निदेशक (मानव संसाधन) बीसीसीएल, श्री मुरली कृष्ण रमैया और निदेशक (वित्त) श्री राकेश कुमार सहाय ने संयुक्त रूप से भवन का उद्घाटन किया।

इसके उपरांत आध्यात्मिक सत्र में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, श्री बी.के. परुई, श्री विकास कुमार, श्री बी.के. तिवारी और श्री राहुल ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत-अभिनन्दन किया। दीप प्रज्वलन के साथ सत्र की औपचारिक शुरुआत हुई। मंचासीन सम्मानित अतिथियों ने अपने उद्बोधनों के माध्यम से ट्रस्ट की गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे समाज के नैतिक और आध्यात्मिक पुनर्निर्माण की दिशा में एक प्रभावशाली पहल बताया।

अपने संबोधन में स्वामी गिरिशानंद जी महाराज ने कहा कि विवेकानन्द का दर्शन केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश है। उन्होंनें कहा कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का जागरण ही हम सभी का उद्देश्य होना चाहिए। स्वामी आत्मश्रद्धानंद जी महाराज ने स्वाध्याय को आत्म-जागरण का पथ बताया। उन्होंनें कहा कि हर व्यक्ति को आत्मोत्थान का प्रयास सदैव करते रहना चाहिए। स्वामी सुखमयानन्द जी महाराज ने भक्ति मार्ग और इश्वर के नाम की महिमा पर प्रकाश डाला और श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की शिक्षा के अनुरूप जीवन में सेवा के भाव को आत्मसात करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं श्री मुरली कृष्ण रमैया और श्री राकेश कुमार सहाय ने बीसीसीएल की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए इस भवन को आध्यात्मिक शांति, सेवा और समर्पण का एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया। उन्होंनें कहा कि आज के आपाधापी एवं भाग-दौड़ भरे जीवन में आध्यात्मिकता की छांव ही हमें सुकून दे सकते हैं।

कार्यक्रम का समापन आशीर्वचन एवं आशीर्वाद सत्र के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने मंचासीन संन्यासियों से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन दिवाकर जी महाराज ने किया। संध्या समय आरती, प्रवचन और प्रसाद के साथ पूरे दिन चले कार्यक्रम का समापन हुआ।

उल्लेखनीय है कि रामकृष्ण विवेकानन्द स्वाध्याय सेवा ट्रस्ट विगत वर्षों में 2500 से अधिक वंचित परिवारों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर चुका है, जिनमें शैक्षणिक सहायता, महिला प्रशिक्षण, पौधारोपण, रक्तदान, नेत्र परीक्षण और युवा प्रेरणा शिविर प्रमुख हैं।

नव-निर्मित भवन एक आधुनिक और बहुपयोगी परिसर है, जिसमें प्रार्थना भवन, बहुद्देश्यीय हॉल, महिला प्रशिक्षण सदन, पुस्तकालय, गेस्ट रूम और कार्यालय कक्ष शामिल हैं। यह ट्रस्ट आने वाले समय में न केवल कोयला नगर, बल्कि पूरे झारखंड क्षेत्र के सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन को एक नई दिशा देने का माध्यम बनेगा।

माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 66 विद्यार्थी सम्मानित

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज बाबुडीह स्थित डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, प्लस टू जिला स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 66 विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री, हेमंत सरेन की सोच है कि राज्य के हर बच्चे को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इसलिए राज्य में पहले 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए गए जो बढ़कर अभी 325 है। राज्य में और 4000 विद्यालयों को सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस बनाने की प्रक्रिया जारी है। इससे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी छवि उभर कर सामने आई है और पूरा समाज इससे लाभान्वित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन की सोच है कि समाज के सबसे अंतिम बच्चे को आगे लाना है। सभी बच्चे परीक्षा में अच्छे अंक लाकर उत्तरीण हो यही इसका उद्देश्य है। उपायुक्त ने सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि जीवन में कुछ बन जाने के बाद जिस विद्यालय में पढ़ें हैं, उसे कुछ वापस करने की सोच रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को झारखंड में अपनी सेवा देकर यहां के लोगों के लिए कुछ अच्छा करने का आह्वान किया। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के सभी कर्मियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में धनबाद जिले को सर्वश्रेष्ठ जिला बनाने का प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी, विकास पालीवाल ने कहा कि जो शिक्षा को महत्व देता है वही जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। शिक्षा सबके लिए महत्वपूर्ण है। कोई भी बच्चा इससे वंचित नहीं रहना चाहिए। समारोह में माध्यमिक के 36 एवं इंटरमीडिएट के 30 विद्यार्थियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक, आयुष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की प्राचार्य श्रीमती नमिता कुमारी, एडीपीओ, आशीष कुमार, एपीओ, अशोक कुमार पांडेय, डॉo मितु सिंह, श्रीमती अनिमा सिंह के अलावा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी व उनके अभिभावक मौजूद थे।

सदर अस्पताल सहित सभी सीएचसी में उपलब्ध है एंटी रेबीज वैक्सीन व एंटी स्नेक वायल

धनबाद। जिले के सदर अस्पताल सहित सभी सीएचसी में एंटी रेबीज वैक्सीन तथा एंटी स्नेक वायल उपलब्ध करा दिया गया है। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने बताया कि जिले के लिए एंटी रेबीज वैक्सीन तथा एंटी स्नेक वायल उपलब्ध हो चुका है। दो दिन पहले ही एंटी स्नेक वायल हर सीएचसी में पहुंच चुका है। जबकि जिले के लिए 5000 एंटी रेबीज वैक्सीन प्राप्त हो गई है और उसे सभी सीएचसी में पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है। उपायुक्त ने बताया कि धनबाद सदर अस्पताल के लिए 1000 एंटी रेबीज वैक्सीन तथा बाघमारा, बलियापुर, धनबाद सदर सीएचसी, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची, टुंडी सीएचसी के लिए 500 - 500 एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध करा दिया गया है। इसके लिए सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी को अति शीघ्र इसे प्राप्त कर लेने के लिए निर्देशित किया है।

बिजली मीटर के लिए नियुक्त किये गये प्रत्येक सबडिवीजन में प्रतिनिधि

प्रतेक सव डिविजन की प्रतिनिधी निम्नलिखित है

1 नया बाजार सव डिविजन- रोनित सिंह, मोबाइल : 9155296031
2 हिरापुर हिरापुर सव डिविजन - मुकेश कुमार,मोबाइल : 8789750807
3 करकेन्द सव डिविजन - अभिषेक कुमार,मोबाइल : 9304669118
4 गोबिन्दपुर सव डिविजन -सोहेब अंसारी ,मोबाइल :6205328433
5 बरवड्डा सव डिविजन -सुनिल कुमार साव,मोबाइल :8340582388
6 टुन्डी सव डिविजन -दिपक कुमार महतो,मोबाइलः- 8709796062
7 निरसा सव डिविजन वन- राजीव सिंह,मोबाइल :9304647568
8 मुगमा सव डिविजन - सचिन कर,मोबाइल : 6207391155
9 चिरकुण्डा - गौतम रविदास ,मोबाइल : 8340321023
10 मुकुन्दा सव डिविजन - संजीत कुमार मोदक,मोबाइलः-7484017131
11 सिन्दरी सव डिविजन - बापी कर,मोबाइल :9110170334
12 झरिया सव डिविजन -अरूण कुमार सिंह ,मोबाइलः9060122244
13 डिगवाडीह सव डिविजन =अनिल ठाकुर, मोबाइल :90069 22626

धनबाद । झारखंड राज्य उर्जा मित्र संघ ने धनबाद जेबीवीएनएल महाप्रबंधक सह मुख्य अभियन्ता के नाम संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा ने पत्र लिखकर हिरापुर/ नया बाजार/करकेन्द/ गोबिन्दपुर/बरवड्डा/निरसा वन/ मुगमा/चिरकुण्डा/ सिन्दरी/मुकुन्दा/ झरिया/डिगवाडीह सव डिविजन में निचे दर्शाए गए विभिन्न नामों के उर्जा मित्र को संघ के द्वारा उर्जा साथीओ के समस्याओ के समाधान हेतू प्रतिनिधी नियुक्त किए श्री कुशवाहा ने कहा कि धनबाद एरिया बोर्ड के अन्तर्गत दोनों अंचलों में स्मार्ट मीटर पुर्व दिनों से बिधुत उपभोक्ताओ को लगाया जा रहा है विभाग के द्वारा एजेन्सीओ के मार्फत से । साथ ही जगह-जगह इसे लेकर उर्जा मित्र के साथ विवाद भी उत्पन्न होने की सूचना संघ को प्राप्त हो रही है। की स्मार्ट मीटर का रिडिंग करने के लिए दबाव बिजली उपभोक्ताओ के द्वारा दिया जा रहा है। साथ-साथ अनेको तरह के समस्याओ से उर्जा मित्र जूझ रहे है बिलिंग विपत्र बनाकर देने के दरमियान बहुत से उपभोक्ताओ के द्वारा उर्जा मित्र के साथ गाली-गलौज मारपीट एवम झूठा आरोप तक लगाने की सूचना संघ को प्राप्त हो रही थी। जीसे देखते है संघ के द्वारा धनबाद अंचल के आधीन हरेक सव डिविजन में अपने प्रतिनिधि नियुक्त संघ कर रही है जो की अपने मीटर पठन-पाठन के उपरांत अगर उर्जा साथीओ को कोई समस्या होती है तो सहायक बिधुत अभियन्ता या उनके कार्यालय में स्थापित कर्मचारी या अन्य अधिकारीओ से समस्याओ के निदान हेतू संपर्क स्थापित कर उसका निदान करने का प्रयास करेगे। जिस से की समस्याओ को सव डिविजन अस्तर पर ही हल हो जाए।

धनबाद परिषदन पहुंचने पर बाबूलाल मरांडी का भाजपा के लोगो ने किया गया भव्य स्वागत

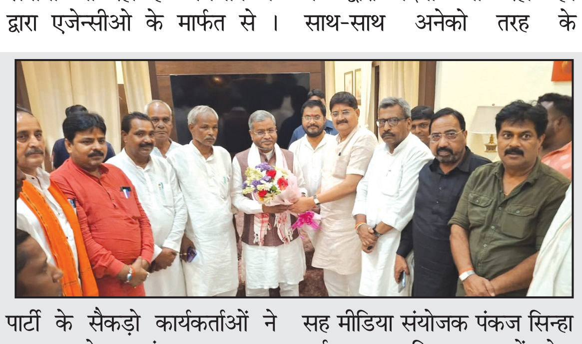

धनबाद, भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष राज्य के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के धनबाद पहुंचने पर स्थानीय परिसदन में धनबाद विधायक राज सिन्हा ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया ।

भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के अध्यक्ष श्रवण राय के नेतृत्व में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवम पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर एवं माला पहनकर भव्य स्वागत किया ।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के मंत्री सरोज सिंह, जिला महामंत्री मानस प्रसून ,जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, भाजयुमों प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा, महावीर पासवान,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांसदा ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र कुमार, रमेश राही,नरेंद्र त्रिवेदी, रीता यादव, योगेंद्र यादव,उचित महतो ,सूरज पासवान ,बबलू कुमार, संजय झा, रूपेश पासवान, रजनीश तिवारी बच्चा गिरी ,मनोज मालाकार, कन्हैया पांडेय सहित कई अन्य थे.

ज्ञात हो की रविवार को भाजपा धनबाद महानगर के द्वारा भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित होने वाले, भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुँज, एक विधान एक प्रधान एक निशान का नारा देने वाले श्रधेय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की की जयंती समारोह में बाबूलाल मरांडी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे । इस कार्यक्रम में धनबाद जिले के सभी जनप्रतिनिधि शामिल रहेंगे ।

धनबादवासियों के लिए अच्छी खबर

सदर अस्पताल में अब निःशुल्क किए जाएंगे लीवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल, लिपिड प्रोफाइल सहित 28 से अधिक तरह के टेस्ट

धनबाद, जिले वासियों को श्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के प्रयास से अब धनबाद के सदर अस्पताल में लिवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल, लिपिड प्रोफाइल, पैंक्रियाटिक एंजाइम, सीरम कैल्शियम, एलडीएच तथा हेमेटोलॉजी के विभिन्न टेस्ट निःशुल्क कराने की सुविधा उपलब्ध है।

इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि सदर अस्पताल की लेबोरेट्री को आधुनिक रूप प्रदान कर वहां आने वाले मरीजों के लिए विभिन्न तरह के टेस्ट कराने की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।

उन्होंने बताया कि अब सदर अस्पताल में लिवर प्रोफाइल के तहत टोटल बिलीरुबिन, डायरेक्ट बिलीरुबिन, इनडायरेक्ट बिलीरुबिन, एसजीओटी, एसजीपीटी, एएलपी, टोटल प्रोटीन, एल्ब्यूमिन तथा ग्लोब्युलिन का टेस्ट उपलब्ध है।

वहीं किडनी प्रोफाइल में क्रिएटिनिन, यूरिया, यूरिक एसिड, सोडियम, पोटेशियम व क्लोराइड, लिपिड प्रोफाइल के तहत कोलेस्ट्रॉल ट्राइग्लिसराइड, एचडीएल, एलडीएल, वीएलडीएल की सुविधा उपलब्ध है।

इसके अलावा पैंक्रियाटिक एंजाइम के तहत एमाइलेज, लाइपेज, सीरम कैल्शियम, एलडीएच तथा हेमेटोलॉजी में सीबीसी, टीएलसी, डीएलसी व हेमेटोक्रिट टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उपायुक्त ने बताया कि अब सदर अस्पताल आने वाले मरीजों को उपरोक्त टेस्ट कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उपरोक्त सारे टेस्ट अब सदर अस्पताल में ही निःशुल्क किए जाएंगे।

वहीं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉo संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि इससे पहले सदर अस्पताल में हीमोग्लोबिन, वायरल मार्कर, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, ब्लड शुगर, थायराइड इत्यादि के टेस्ट की सुविधा थी। परंतु उपायुक्त के प्रयास से अब यहां उच्च गुणवत्ता के बायोकेमेस्ट्री सेमी ऑटोमेटिक एनालाइजर, इलेक्ट्रोलाइट एनालाइजर, एचडी बायो सेंसर, एलाइजा मशीन, कंपलीट ब्लड काउंट के दो मशीन उपलब्ध है। जिसमें यहां आने वाले मरीजों के लिए विभिन्न तरह के टेस्ट करने की सुविधा है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax NO. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।